सुविचार

जो खो गया, उसके लिए शोक मत करो, जो बचा है उसका मूल्य समझो।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 | पृष्ठ 12 | अंक 300 | रांची, सोमवार, 02 दिसंबर 2025 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

लोकसभा में एसआईआर को लेकर हंगामा

एजेंसी

नई दिल्ली : संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ, लेकिन लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच बाधित रही। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी।

सत्र की शुरूआत में लोकसभा में पूर्व सांसद कर्नल सोना राम चौधरी, विजय कुमार मल्होत्रा, रवि नाइक, धर्मेंद्र और श्रीप्रकाश जायसवाल सहित 5 पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक जताया गया। सदन ने उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शोक प्रस्ताव के बाद जैसे ही सदन की नियमित कार्यवाही शुरू हुई और विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे को लेकर हंगामा करते हुए अध्यक्षीय आसन (वेल) के पास आ गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन चर्चा और संवाद का मंच है और इसे शांतिपूर्वक चलने देना चाहिए, लेकिन उनकी अपील का असर नहीं हुआ और विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे।

लगातार हंगामे को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही शुरू होने के लगभग 20 मिनट बाद ही सदन को अगले एक घंटे यानी 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन विपक्ष का विरोध जारी रहा। सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे और एसआईआर को लेकर अपना विरोध दोहराते रहे।

लोकसभा में पेश हुए तीन विधेयक

संसद में शीतकालीन सत्र की शुरूआत के साथ केंद्र सरकार ने लोकसभा में आज तीन विधेयक पेश किए। इनमें मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और स्वास्थ्य सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 शामिल हैं। हालांकि टीएमसी सांसद सौगत राय ने इन विधेयकों का विरोध किया। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 राज्य में जीएसटी व्यवस्था को और सुचारू बनाने के लिए है। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 के जरिए उत्पाद शुल्क में सुधार और समायोजन करने के लिए लाया जाना है। साथ ही, स्वास्थ्य सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 से स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निर्धारित उपकर लगाने की प्रक्रिया को कानूनी रूप से सक्षम बनाया जाएगा।

एसआईआर पर चर्चा नहीं कराना चाहती सरकार : गौरव गोगोई

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही को विपक्षी दलों के हंगामे के कारण पहले दो बार और फिर अगले दिन मंगलवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा। इस पर लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा नहीं कराना चाहती है। गोगोई ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष दोनों के मुद्दे उठने चाहिए लेकिन आज पहले दिन से ही सत्ता पक्ष सिर्फ अपने मुद्दों पर ही चर्चा चाहता है। सत्ता पक्ष के लोग सिर्फ अपने द्वारा लाए गए कानूनों पर चर्चा करना चाहते हैं। सभी विपक्षी दलों की एक ही मांग है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर एक चर्चा हो, लेकिन सरकार नहीं बता पा रही है कि किस दिन यह चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी मर्जी से संसद चलाना चाहती है, जिसमें विपक्ष का कोई मुद्दा नहीं है। सत्ता पक्ष ने पूरे सदन और लोकतंत्र की मयार्दा को हाईजैक कर लिया.

एसआईआर पर सवाल उठाना ड्रामा नहीं : अभिषेक

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रामा वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बनर्जी ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना ड्रामा नहीं है। इसे नाटक कह देना गलत है। एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। इस पर सवाल करना नाटक कैसे हो गया। सोमवार को महेशतला में सेवाश्रय शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग इतनी जल्दी क्यों कर रहा है और केंद्र जवाब क्यों नहीं दे रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की मौत को भी नाटक बताकर भाजपा सवालों से भाग रही है। बनर्जी ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो वो आयोग के फैसलों को अदालत में चुनौती देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि संसद नीति (पॉलिसी) और परिणामों (डिलीवरी) के लिए है, न कि ड्रामा.

संसद राष्ट्र निर्माण का मंच, न कि पराजय विजय की राजनीति का अखाड़ा : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए विपक्ष और सत्ता पक्ष- दोनों से आग्रह किया कि यह सत्र न तो पराजय की बौखलाहट का मैदान बने और न ही विजय के अहंकार का मंच। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और अर्थतंत्र की मजबूती को आज दुनिया बड़ी बारीकी से देख रही है, ऐसे में संसद का हर क्षण राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग होना चाहिए, न कि राजनीतिक नकारात्मकता में व्यर्थ जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संसद देश को प्रगति की नई गति देने और भविष्य की दिशा तय करने का अहम माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संसद का शीतकालीन सत्र भी देश की विकास यात्रा में नई ऊर्जा भरेगा।

उन्होंने कहा कि भारत ने लोकतंत्र को जिया है। लोकतंत्र की उमंग और उत्साह को समय-समय पर इस तरह प्रकट किया है कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास और मजबूत होता रहता है।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मतदान का जो आंकड़ा आया है, वह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का प्रमाण है। विशेष रूप से माताओं-बहनों की बढ़ती भागीदारी को उन्होंने देश की बदलती सोच और बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल ऐसे हैं जो अपने पराजय भाव को पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि बिहार के नतीजों के बाद समय के साथ सब संभल जाएंगे, लेकिन हाल की बयानबाजी से यह स्पष्ट है कि पराजय की पीड़ा अभी भी उन्हें विचलित कर रही है। यह दुखद है कि इस निराशा को वे संसद में लेकर आते हैं।

उन्होंने बिना किसी दल का नाम लिए कहा कि संसद देश की नीतियों और भविष्य पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि किसी राज्य की राजनीति का मंच बने। उन्होंने इस प्रवृत्ति को देश के लिए अस्वस्थ परंपरा करार दिया।

मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद या तो चुनावों के लिए वार्म-अप अखाड़ा बन जाती है या फिर चुनावी हार के बाद गुस्सा निकालने का स्थल। यह परंपरा बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा, नेगेटिविटी की राजनीति की कुछ उपयोगिता हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अनिवार्य है। आइए, नकारात्मकता को सीमित रखें और अपना ध्यान राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित करें।

प्रधानमंत्री ने युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद में नई पीढ़ी के प्रतिनिधि नए विचारों और ताजगी भरे दृष्टिकोण के साथ आते हैं। देश को भी उनके अनुभव और ऊर्जा से लाभ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद नाटक का मंच नहीं, बल्कि डिलीवरी का स्थान है- वहां से निकलने वाला हर निर्णय देश के करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है।

देश की आर्थिक प्रगति पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज नयी ऊंचाइयों को छू रही है और यह गति विकसित भारत के सपने को और मजबूत बनाती है। विश्व आज यह देख रहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था किस तरह विकास को गति दे सकती है।

युवाओ को नशे से दूर रखना हमारी जिम्मेदारी : इरफान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) में सोमवार को 'उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों से सुरक्षा, चुनौतियां एवं आगे की राह' विषय पर राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने युवाओं को नशे से दूर रहने की हिदायतें दी। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति को नशे की जद से बाहर रखना हमारी जिम्मेदारी है। यहां बैठे युवा कल के वकील और जज हैं। समाज आप सभी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखता है। नशे की लत में सैकड़ों जानें जा रही हैं, इसलिए विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीनों के समन्वित प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि सशक्त कानून तभी असरदार होते हैं,

> नशे की लत में सैकड़ों जानें जा रही हैं, इसलिए विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीनों के समन्वित प्रयास बेहद जरूरी हैं।

जब उनका ईमानदारी से पालन और क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. एल स्वस्तिचरण, उप महानिदेशक एवं निदेशक, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में उभरते निकोटिन उत्पादों के नियमन की चुनौतियों, खामियों और आगे की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कानून प्रवर्तन और जागरूकता को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सेमिनार का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं निकोटिन के खतरनाक प्रभावों के प्रति जागरूक करना, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना तथा निकोटिन पाउच जैसे उभरते उत्पादों के वैश्विक नियामक अनुभवों को साझा करना था।

कल्याण मंत्री ने छात्रवृत्ति बांटने की धीमी रफ़्तार पर जताई चिंता

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने सोमवार को छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में छात्रों की छात्रवृत्ति में देरी नहीं होनी चाहिए।

विशेष रूप से बोकारो, चतरा और गिरिडीह जिलों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्री-मैट्रिक (कक्षा 1-8 और कक्षा 9-10) और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण की धीमी गति पर उन्होंने चिंता जताई। मंत्री ने संबंधित जिला कल्याण पदाधिकारियों को फटकारते हुए इसके कारण पूछने और तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्रवृत्ति भुगतान को वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने से पहले पूरा करना, सभी जिलों के उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करना कि जिला स्तरीय समिति की बैठक समय पर आयोजित हो और लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों को स्वीकृति प्रदान किए जाने का निर्देश भी दिया।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि छात्रों को वित्तीय सहायता में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी।

चक्रवाती तूफान दितवाह के असर से छाया बादल, बढी ठंड

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : बंगाल की खाडी में बने उठे चक्रवाती तूफान दितवाह के असर से रांची सहित राज्य के कई जिलों में बादल सोमवार को बादल छाया रहा। बादल छाने से दिनभर कनकनी का एहसास हुआ। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान दिटवाह दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाडी और इससे सटे तमिलनाड एवं पुडुचेरी के तटीय इलाकों में बना हुआ है और यह धीरे-धीरे उत्तरी दिशा की ओर बढ रहा है। इसके अगले कुछ घंटों में डिप्रेशन (अबदाब) में

परिवर्तित होने की आशंका है।

इसके प्रभाव से झारखंड के विभिन्नु जिलों में मंगलवार को भी बादल छाये रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार बुधवार (तीन दिसंबर) से मौसम साफ होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्यं में सबसे अधिक तापमान 29.8 डिग्री और सबसे कम तापमान 10.3 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया।

वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आसमान में काले और घने बादल छाये रहे। इससे लोगों को दिनभर कनकनी का एहसास हुआ। बादल छाने से अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री की कमी दर्ज की गई।

फुटवियर व्यवसाय के विस्तार से छात्र बनेंगे उद्यमी: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि वैश्विक बाजार में पैठ मजबूत करने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, जो सीधे छात्रों के लिए उद्यमिता और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुर्मु ने आज नई दिल्ली में फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, आज भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है तथा वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी आर्थिक भूमिका का और अधिक विस्तार करने में सक्षम है।

राष्ट्रपति ने बताया कि देश फुटवियर उत्पादन और खपत के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत का फुटवियर निर्यात 250 करोड़ डॉलर से थोड़ा अधिक था जबकि हमारा आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार भारत का फुटवियर निर्यात आयात से लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में फुटवियर का एक प्रमुख निर्यातक है लेकिन निर्यात को और बढ़ाने के लिए फुटवियर कारोबार का विस्तार करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत हमारे सहयोग के गहराने का एक और आयाम है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौता ज्ञापन में टिकाऊ सामग्री और चक्रीय अर्थव्यवस्था की पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दोनों देशों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका काम केवल डिजाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के लिए बहुआयामी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वे अपने फुटवियर डिजाइन को स्वास्थ्य और आजीविका का माध्यम बनाएं, रोजगार सृजन करें, आर्थिक असमानता को दूर करने में सहायक बनें, भारतीय निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और गुणवत्ता के बल पर वैश्विक बाजार में भारत का प्रतिनिधित्व करें। इस प्रकार वे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सीधे तौर पर भागीदार बनेंगे।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत फुटवियर क्षेत्र को चैंपियन सेक्टर का दर्जा दिया है।

उपायुक्त सिमडेगा की अध्यक्षता में जिले के सभी होटल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

पर्यटन को बढ़ावा देने तथा पर्यटकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैठक

उज्जवल दुनिया संवाददातां

सिमडेगाः उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिले के सभी होटल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। हाल ही में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भव्य राजकीय रामरेखा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे थे। इसी क्रम में जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा आने वाले पर्यटकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह बैठक की गई।

उपायुक्त ने होटल मालिकों को निर्देश दिया कि जिले के उभरते पर्यटन स्थलों के अनुरूप आवासीय सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सुरक्षा, उचित व्यवहार और उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि पर्यटक सिमडेगा में सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि होटल में आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएँ, जैसे स्वच्छ कमरे, साफ पेयजल, हाइजीनिक भोजन और सुचारु व्यवस्थाएँ, उपलब्ध रहें। बैठक में पर्यटन स्थलों को विकसित करने, स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने और जिले को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने को लेकर भी चर्चा हुई। प्रशासन का मानना है कि होटल उद्योग के सहयोग से सिमडेगा को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। बैठक में अपर समाहर्ता श्री ज्ञानेन्द्र, नजारतउप समाहर्ता - सह- सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, शिक्षा अधीक्षक दीपक राम, सहित जिले के सभी होटल संचालक एवं अन्य उपस्थित थे।

रामगढ़ महिला महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता संपन्न

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रामगढ़। रामगढ़ महिला महाविद्यालय में विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025-26 आज संपन्न हुई। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय परिसर के खेल के मैदान में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्विविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) चंद्र भूषण शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ. रत्ना पांडे और डॉ. आर.के. उपाध्याय ने दीप प्रज्वलन कर खेल प्रतियोगिता की शुरूआत की। इसके बाद कुलपति द्वारा खिलाड़ियों का परिचय लिया गया और उनका उत्साह बढ़ाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रत्ना पांडेय ने स्वागत करते हुए कुलपति महोदय को रामगढ़ कॉलेज आकर अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद कहा ।रामगढ़ महिला महाविद्यालय को इस प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेवारी दी गई,इस बात के लिए भी उन्होंने खुशी जताई और आभार प्रकट किया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। वे खेल को जीवन का अंग बनाएं। रामगढ़ महिला महाविद्यालय में होने वाली यह खेल प्रतियोगिता आयोजन सचिव डॉ. राहुल कुमार की देख-रेख हुआ। मंच का संचालन डॉ मालिनी डीन और प्रो. मोहित जैन ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव और रामगढ़ महिला महाविद्यालय के वर्सर डॉ राहुल कुमार ने किया।आज का पहला मैच संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग और जे.जे. कॉलेज ,झुमरीतिलैया के बीच खेला गया है । इस मैच में संत कोलंबस कॉलेज विजयी रहा। दूसरा मैच के. वी. विमेंस कॉलेज हजारीबाग और रामगढ़ कॉलेज, रामगढ़ के बीच खेला गया जिसमें के. वी. विमेंस कॉलेज विजयी रहा। तीसरा मैच जो फाइनल मैच था, वह संत कोलंबस कॉलेज , हजारीबाग और के. वी. विमेंस कॉलेज ,हजारीबाग के बीच खेला गया। इस मैच में के. वी. विमेंस कॉलेज विजयी रहा। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त चयनकर्ता सिंटू कुमार वर्मा, रेफरी बसंत नायक, आशीष जॉन, सहायिका रिया कुमारी, नैना कुमारी ने प्रतियोगिता में अपनी जिम्मेवारी कुशलतापूर्वक निभाई ।प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संपन्न कराने में संत कोलंबस कॉलेज के टीम मैनेजर अनिल राणा, के. वी. विमेंस कॉलेज के टीम मैनेजर विशाल कुमार, जे. जे. कॉलेज के टीम मैनेजर शुभम कुमार, रामगढ़ कॉलेज की टीम मैनेजर डॉ. कामना रॉय की सक्रिय भूमिका रही। महाविद्यालय परिसर में प्रो. रोज उराँव, डॉ प्रीति कमल, डा. रामाज्ञा सिंह, डा. अनामिका, डा. बलवंती मिंज, डा. नीतू मिंज, डॉ. शालिनी मिंज, डॉ महेंद्र पांडेय, डॉ शहनवाज खान, प्रो बीरबल महतो, प्रो साजिद हुसैन, प्रो प्रेमचंद महतो, दीपक, गुलेश्वर, राहुल, राजू, आशीष, अजय, राजा आदि उपस्थित थे।

राँची का प्रतिष्ठित प्रेस क्लब तालियों से गूंज उठा

राँची का प्रतिष्ठित प्रेस क्लब कल उस वक्त तालियों से गूंज उठा, जब हिंदी फीचर फिल्म कंट्रोल एंड क्रिएट के बैनर तले बनी ह्यमुर्गा ट्रॉफीह्ल की टीम ने मीडिया के सामने फिल्म का आधिकारिक परिचय दिया। एक बच्चे के सपने, उसके संघर्ष और आज के सामाजिक ढांचे पर तीखी लेकिन भावनात्मक नजर डालती यह फिल्म अपने मीडिया लॉन्च के क्षण से ही उत्सुकता जगा चुकी है। कार्यक्रम में फिल्म के मुख्य अभिनेता और पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव ह्यनिरहुआह्ल, निर्देशक एवं ह्यपंचायतह्ल फेम अभिनेता शशि वर्मा, निमार्ता सुजीत कुमार, चंदन आनंद, मुकेश गिरी, नलिनी सिन्हा, मनीषा वर्मा अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहे, जिससे माहौल और भी ऊजार्वान बन गया। मुख्य अभिनेता भोजपुरी फि ल्मो के सुपरस्टार एवम् पूर्व सांसद निरहुआ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि
'फिल्म समाज की धड़कनों को पकड़ने वाला सबसे सशक्त माध्यम है। झारखंड हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है, यहाँ की मिट्टी से मुझे ऊर्जा मिलती है और यहाँ की सरकार ने हमें पहले की तरह इस बार भी पूरा सहयोग दिया। 'मुर्गा ट्रॉफी' एक बच्चे की दस्ता है–उसकी जिद, उसकी उड़ान और असफलता से सफलता तक की उसकी यात्रा। इस फिल्म में मेरी भूमिका बिल्कुल अलग है और दर्शकों को इससे एक नई प्रेरणा मिलेगी। अनुभवी निर्देशक शशि वर्मा जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'

आदिवासियों/जनजातियों के अस्तित्व, आस्था और पहचान के लिए 'ट्राईबल कालम' पुन: बहाल कराने हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः सरना भवन नगड़ा टोली, रांची में राष्ट्रीय आदिवासी -इडीजीनस धर्म समन्वय समिति, भारत के द्वारा - जनगणना प्रपत्र में आदिवासियों/जनजातियों के अस्तित्व, आस्था और पहचान के लिए ' ट्राईबल कालम' पुनः बहाल कराने हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। संगठन के मुख्य संयोजक अरविंद उरांव ने कहा कि आगामी २५ फरवरी २०२६ को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। राष्ट्रीय सह संयोजक राजकुमार कुंजाम ने कहा कि देश के सभी राज्यों से आदिवासी समुदाय के लोग हजारों की संख्या में कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि देश में लगभग ८०० प्रकार की जनजाति निवास करती है सभी आदिवासी समुदाय की अलग-अलग धार्मिक आस्था जैसे - सरना, गोंडी, भीली, सारी, ढोंनी पोलो, बारिथे, सनामाही, बाथउ...... आदि धर्म को बरकरार रखते हुए अलग ट्राईबल कालम दिया जाए? जिसमें अपनी धर्म को उस कालम में दर्ज कर सकेंगे।झारखण्ड की महिला नेत्री निरंजना हेरेंज टोप्पो जी ने कहा कि हर दस वर्ष में देश में जनगणना की जाती थी परन्तु केन्द्र सरकार ने सोलह साल बाद देश में जनगणना की घोषणा की है ये खुशी की बात है पर अफसोस है कि आदिवासी समुदाय के लिए जनगणना प्रपत्र में अलग कालम नहीं है। आज के प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय आदिवासी - इडीजीनस धर्म समन्वय समिति, भारत के मुख्य संयोजक अरविंद उरांव, राष्ट्रीय सह संयोजक राजकुमार कुंजाम, साउथ रीजन से तामिलनाडु के एस. तेन्नारासू , महिला नेत्री निरंजना हेरेंज टोप्पो , बर्मा दयाल गोंड, प्रेम कुमार गोंड, श्रीकांत बाड़ा...आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महर्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एड्स जागरूकता अभियान मनाया

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रामगढ़ ।महर्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन हुहुआ कोठार रामगढ़ झारखंड में विश्व एड्स दिवस 1 दिसंबर को मनाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाना, बीमारी से प्रभावित लोगों का समर्थन करना और महामारी के खिलाफ लोगों को एकजुट करना है। यह दिन एचआईवी/एड्स से मरने वाले लोगों की याद में और नए संक्रमणों को रोकने और एड्स को समाप्त करने के वैश्विक प्रयासों का समर्थन करने के लिए भी मनाया जाता है। इस अवसर पर मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर अबोध चंद्र महतो ने किया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जी आर चौरीया ने एड्स के बारे में सभी प्रशिक्षुओ को जागरूक रहने की सलाह दिया और सभी प्रशिक्षुओ ने भी एक-एक करके एड्स के बारे में की महत्वपूर्ण चर्चा की है इस कार्यक्रम में मौजूद महाविद्यालय के सचिव मनोज अग्रवाल,महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जी आर चौरीया, असिस्टेंट प्रोफेसर चंचला कुमारी असिस्टेंट प्रोफेसर राहुल कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रकाश चंद्र महतो, असिस्टेंट प्रोफेसर अरविंद कुमार महतो, असिस्टेंट प्रोफेसर दिनेश्वर मुंडा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजेश महतो, असिस्टेंट प्रोफेसर अबोध चंद्र महतो, आईसीटी इंचार्ज आदित्य प्रियदर्शी, पुस्तकालय अध्यक्ष नीलम सिंह, शमशेर आलम, सगीर अहमदएवं बी एड सत्र 2025-27के प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

नवल विहान साहित्य कला-सांस्कृतिक मंच की राँची इकाई का गठन सह सम्मान समारोह

रांचीः हेसाग रांची के द ग्रीन गार्डन कम्यूनिटी हॉल में साहित्य सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन नवल विहान साहित्य कला सांस्कृतिक मंच के तत्वावधान में किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार गीता चौबे गूंज ने की साथ ही मंच की राँची जिला इकाई का गठन भी किया गया। मंच के संस्थापक बरनवाल मनोज 'अंजान' ने मंच की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि विगत 7 सितम्बर को धनबाद में हुए वार्षिक उत्सव में देश के विभिन्न प्रदेशों से आए 55 कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी थी। मंच नए साहित्यकारों की प्रतिभा में निखार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंच प्रतिष्ठित कवि कवयित्रियों के साथ नए कवि कवयित्रियों को भी काव्य पाठ के लिए मंच प्रदान करता है। इसके साथ मंच भारत के विभिन्न प्रदेशों की कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए कटिबद्ध है। इस दौरान वार्षिकोत्सव में हुए लघुकथा लेखन एवं स्वर्गीय प्रियदर्शनी पुष्पा काव्य पाठ प्रतियोगिता में लघुकथा की निर्णायक गीता चौबे गूंज को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। बोकारो से आई कवयित्रियों को भी सम्मानित किया गया।

डॉ सिम्मी नाथ को राँची इकाई का अध्यक्ष, हास्य कवि अनिल कुमार सिन्हा 'गुड्डू' को उपाध्यक्ष, सुजाता प्रिय समृद्धि तथा खुशबू बरनवाल ह्यसीपीह्ल को सचिव एवं ऋतुराज वर्षा को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। वरिष्ठ कवयित्री रूणा रश्मि दीप्त तथा गीता चौबे गूंज को राँची इकाई की सलाहकार सह संरक्षक मनोनीत किया गया। सरस्वती वंदना सुजाता प्रिय समृद्धि ने किया और कार्यक्रम का संचालन खुशबू बरनवाल 'सीपी' ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अगम अनु ने किया।

इस कार्यक्रम में संगीता वर्मा, विभा वर्मा वाची, कल्पना केसर, गीता गुस्ताख, मोनिका प्रसाद, रेणु बाला धार, डॉ सरिता सरस, ऋतुराज वर्षा, सुजाता प्रिय समृद्धि, खुशबू बरनवाल 'सीपी', रूणा रश्मि दीप्त, अनिल कुमार सिन्हा आदि उपस्थित रहें।

एक नजर

रोजगार बढ़ाने की पहल: सैमसंग करेगा 9,400 युवाओं को प्रशिक्षित

रांची/सैमसंग ने अपने 'दोस्त सेल्स'; प्रोग्राम का विस्तार करते हुए वंचित समुदायों के 9,400 युवाओं को रिटेल क्षेत्र में रोजगार-योग्य कौशल प्रदान करने की घोषणा की है। कंपनी के सीएसआर हेड शुभम मुखर्जी ने कहा कि यह पहल युवाओं को आत्मविश्वास, व्यवहारिक ज्ञान और रिटेल उद्योग में सफल होने के लिए जरूरी कौशल उपलब्ध कराएगी। प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया और टेलीकॉम सेक्टर स्किल्स काउंसिल के सहयोग से चलाया जा रहा है और प्रशिक्षण पूरा करने वाले उम्मीदवारों को सरकारी मान्यता प्राप्त एनएसक्यूएफ सर्टिफिकेशन दिया जाएगा, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एसबीयू के प्रत्युष ने जीता कांस्य

सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के बीबीए पांचवें सेमेस्टर के छात्र प्रत्युष कुमार ने 35वीं राष्ट्रीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (तीसरा स्थान) प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 11 से 13 नवंबर 2025 तक पालजोर स्टेडियम, गंगटोक, सिक्किम में आयोजित की गई थी। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 25 राज्यों के लगभग 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रत्युष ने कांस्य पदक हासिल किया। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रत्युष कुमार के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

07 दिसंबर 2025 को सिमडेगा मे आदिवासी छात्र संघ की महत्वपूर्ण बैठक

रांचीःआज आदिवासी छात्र संघ केंद्रीय समिति की बैठक आदिवासी छात्रावास मोराबादी में संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता प्रेम प्रकाश मिंज ने किया।बैठक मे निर्णय लिया गया कि छात्र संघ का पुनर्गठन एवं विस्तार किया जाएगा साथ ही परिसीमन के खिलाफ जोरदार आन्दोलन भी किया जाएगा। छात्र संघ के पुनर्गठन एवं विस्तार हेतु सात(07) दिसंबर 2025 को सिमडेगा मे बैठक होगी और गुमला मे छात्र संघ के आदिवासी मुद्दे पर रैली भी की जाएगी। आज की बैठक में मुख्यरुप से डॉ.सुशील कुमार मिंज, सुरेश टोप्पो, सतीश कुमार भगत, महावीर उरांव, रौशन खलखो, सुदेश उरांव, पाला टोप्पो, परमेश्वर उरांव, तेज सिंह मुंडा, मदन उरांव, सुखदेव कच्छप, महावीर मुंडा, प्यारू उरांव, संजय महली आदि मौजूद थे।

झारखंड में एकीकृत डिजिटल नॉलेज नेटवर्क स्थापित करने हेतु प्रस्ताव

रांचीः सादर निवेदन है कि मैं झारखंड सरकार के तकनीकी ढांचे, विशेषकर Jharnet द्वारा राज्य-भर में स्थापित एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क से अत्यंत प्रभावित हूँ। Jharnet वर्तमान में एक राज्यव्यापी सुरक्षित और उच्च-गति आंतरिक नेटवर्क है जो– सभी शासकीय विभागों, जिला एवं प्रखंड कार्यालयों, राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों, चिकित्सा महाविद्यालयों व अस्पतालों, तथा स्टेट डेटा सेंटर को एक ही डिजिटल रीढ़ (Digital Backbone) के रूप में जोड़ता है। इसी पृष्ठभूमि में, मैं झारखंड सरकार के साथ एइरउड एवं OpenAthens का एकीकृत सहयोग (Collaboration) प्रारम्भ करने का विनम्र प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. सहयोग का मुख्य उद्देश्य- Jharnet के माध्यम से राज्य के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, मेडिकल संस्थानों एवं सरकारी विभागों को एक एकीकृत डिजिटल नॉलेज प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना, ताकि– विश्व-स्तरीय रिसर्च डेटाबेस सुरक्षित Single Sign On (OpenAthens SAML SSO) लाइब्रेरी एवं शैक्षणिक संसाधनों का केंद्रीकृत एक्सेस एक ही पोर्टल पर उपलब्ध कराया जा सके।

2. Jharnet + EBSCO + OpenAthens से झारखंड को होने वाले प्रमुख लाभ -(a) राज्य-व्यापी Digital Knowledge Portal Jharkhand का पहला One-State-One-Subscription मॉडल तैयार होगा, जहाँ एक ही अनुबंध में पूरे राज्य के सभी शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थान कवर हो सकेंगे।
(b) विश्व-स्तरीय रिसर्च और लर्निंग संसाधन एइरउड के प्रीमियम डेटाबेस छात्रों, शोधकताओं, फैकल्टी तथा मेडिकल प्रोफेशनल्स को वैश्विक ज्ञानसंपन्नता प्रदान करेंगे।
(c) OpenAthens के माध्यम से सुरक्षित रस्ड (SAML) पासवर्ड-शेयरिंग समाप्त IP-based सिस्टम की कमियाँ दूर सुरक्षित, ऑडिटेबल और स्केलेबल एक्सेस मैनेजमेंट कहीं से भी लॉगिन (Work-from-anywhere Access)
(d) Jharkhand को राष्ट्रीय-स्तर पर एक मॉडल राज्य बनाना यह सहयोग झारखंड को भारत का पहला ऐसा राज्य बना सकता है जो– संपूर्ण उच्च शिक्षा चिकित्सा शिक्षा प्रशासनिक प्रशिक्षण को एक ही डिजिटल नॉलेज इकोसिस्टम पर लाए।
(e) प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता Jharnet के माध्यम से सभी संस्थानों का केंद्रीय मॉनिटरिंग, उपयोग रिपोर्टिंग और परफॉर्मेंस एनालिटिक्स उपलब्ध हो जाएगा।

3. Jharnet के लिए क्यों आवश्यक है यह सहयोग?
वर्तमान में Jharnet एक मजबूत नेटवर्क अवसंरचना है, परंतु– राज्य-भर के छात्रों और शोधकताओं के लिए कोई एकीकृत रिसर्च प्लेटफॉर्म नहीं है सभी कॉलेज/विश्वविद्यालय अलग-अलग समाधान उपयोग करते हैं संसाधनों में असमानता है डुप्लिकेट खर्च और डेटा सुरक्षा की चुनौतियाँ मौजूद हैं Jharnet + EBSCO + OpenAthens मिलकर इन सभी कमियों को दूर कर सकते हैं।

4. **प्रस्ताव माननीय महोदय/महोदया से विनम्र निवेदन है कि**– Jharnet , EBSCO और डस्त्रील्लअइँल्ल२ के बीच राज्यव्यापी डिजिटल नॉलेज नेटवर्क स्थापित करने के लिए सहयोग की अनुमति प्रदान की जाए। इस संबंध में एक प्रस्तुति (OpenAthens) / विस्तृत तकनीकी बैठक निर्धारित करने का अवसर प्रदान किया जाए। हम झारखंड सरकार के उद्देश्यों, स्केलेबिलिटी और बजट आवश्यकताओं के अनुरूप एक अनुकूलित राज्य-स्तरीय मॉडल तैयार करने के लिए तत्पर हैं।

5. निष्कर्ष- यह सहयोग झारखंड को– राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा मॉडल राज्य AI-Ready Academic State Secure Research Ecosystem Leader के रूप में स्थापित कर सकता है। Jharnet जैसी मजबूत रीढ़ के साथ, झारखंड इस दृष्टि को सबसे पहले वास्तविकता बना सकता है। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया हमें Jharnet के माध्यम से झारखंड सरकार के साथ जुड़कर कार्य करने का अवसर प्रदान करें।

मांडर बी एड कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन

आप वह चिंगारी है जो जिज्ञासा की लौ जलाती है : डॉ. दीपाली पराशर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

मांडर : प्रखंड स्थित कंदरी में भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्दरी, माण्डर में बी.एड. सत्र 2023-25 के विदाई समारोह का आयोजन सोमवार को किया गया। बी.एड. सत्र 2024-26 की ओर से आयोजित इस पार्टी में सबने मिलकर धमाल मचाया वही सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ बी.एड. सत्र 2024-26 के छात्र/छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष श्रीमती छवि सिन्हा, शैक्षणिक सचिव सह-प्राचार्य डॉ॰ दीपाली पराशर उपस्थित थी। संस्थान की शैक्षणिक सचिव श्रीमती दीपाली पराशर ने कहा कि ह्लह्ल शिक्षक होना सिर्फ तथ्यों और सूत्रों को ब्लैकबोर्ड पर लिखने के बारे में नहीं है, यह इससे कही अधिक है। यह दिमाग को प्रज्वलित करने, दिलो को छुने और आत्माओं को सशक्त बनाने के बारे में है। आप वह चिंगारी है जो जिज्ञासा की लौ जलाती है, वह मार्गदर्शक प्रकाश है जो अंधेरे में रास्ता दिखाता है, वह नींव है, जिस पर कल का भविष्य खड़ा होगा। आपके शब्द उनकी प्रेरणा बनेंगे, आपकी करूणा उनका सुरक्षित आश्रय बनेगी और आपका जुनून उनके सीखने का इंधन बनेगा। एक विचार लो और उस विचार को अपने जीवन का सार बना लो-उसी को सोचो और उसी के स्वप्न देखो। उस विचार से अपने मस्तिष्क, पेशियों , कोशिकाओं, शरीर के हरेक भाग को उससे भरने दो और दूसरे अन्य विचारों को अकेला छोड़ दो। यही सफलता का रास्ता है। बी एड. विभागाध्यक्ष श्री राकेश कुमार राय, ने कहा कि सत्र 2023-25 के छात्र/छात्राओं का विदाई समारोह में हार्दीक स्वागत है। कभी किस्मत को दोष नहीं देना, समय पर अपनी पढ़ाई करे, एक दिन कामीयबी जरूर मिलेगी। लोग कहते है कि खाली हाथ आए है और खाली हाथ ही जाना है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्री मनोज कुमार गुप्ता, आई॰क्यू॰एस॰सी॰ कॉर्डिनेटर ने कहा कि शिक्षण हृदय का कार्य है। अपने जूनून को ईंधन दे, आपने ज्ञान को साझा करे, और सबसे महत्वपूर्ण बात, अपने छात्रों को यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करे कि वे कुछ भी हासिल कर सकते है। बी.एड. सत्र 2023-25 की छात्र मोहित कुमार .को स्टूडेन्ट ऑफ ईयर का पुरस्कार दिया गया। भविष्य के रूप में सालिनी प्रिया के साथ-साथ कई छात्रों को उनकी प्रतिभा के अनुसार उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया गया इस समारोह में व्याख्याता, श्री राकेश कुमार राय, श्री मनोज कुमार गुप्ता श्रीमती रीभा कुमारी विवेक राज जायसवाल शिक्षकेत्तर कर्मचारी तुलसी दास,, सलमान अंसारी, इमरोज अंसारी, महेन्द्र, सुरेन्द्र, नरेन्द एवं सभी छात्र/छात्राएं उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन श्री विवेक राज जायसवाल के द्वारा किया गया मंच संचालन तन्नु, पुजा, एवं रीतिका, के द्वारा किया गया।

झारखंड के खिलाड़ी कर रहे हैं राज्य का नाम रोशन : दिव्यानी

ग्रामीण क्षेत्रों में एक दिवसीय भव्य फुटबॉल मैच, प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची : सिद्धार्थ इंटरनेशनल एकेडमी स्कूल में मां वैष्णवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को एक दिवसीय भव्य फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों सहित समाजसेवा और खेल को बढ़ावा देने वालों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में भारतीय महिला फुटबॉल टीम की सदस्य दिव्यानी लिंडा, राष्ट्रीय खिलाड़ी राखी कुमारी और कोच एनवारूल हक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने ग्रामीण खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। दिव्यानी लिंडा ने कहा कि कम संसाधनों के बावजूद झारखंड के खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को फुटबॉल से जुड़े कई तकनीकी टिप्स भी दिए और उनके साथ एक मैत्री मैच में हिस्सा लिया। मुख्य मुकाबला सिद्धार्थ इंटरनेशनल फुटबॉल क्लब और यंगर क्लब के बीच खेला गया, जिसमें सिद्धार्थ इंटरनेशनल क्लब ने 2-1 से विजय हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में खेल और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई लोगों को सम्मानित किया गया, जिनमें ममता कुमारी, रेणु कुमारी (अप ग्रेडेड मिडिल स्कूल), प्राचार्य रेणु कुमारी और सुनैना कुमारी (गिरी हाई स्कूल), राजेश कुमार, धनंजय कुमार (किसान हाई स्कूल), संघमित्रा बीएड कॉलेज, पंचायत समिति सदस्य सतेंद्र कुमार और उप मुखिया फूल कुमारी शामिल थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल अध्यक्ष एके तिवारी, सचिव जनार्दन पाठक, रिलेशंस निदेशक आशुतोष द्विवेदी, प्राचार्या दीपा सिन्हा तथा उप-प्राचार्य शैलेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

झामुमो वार्ड नम्बर दो समिति गठित, वार्ड अध्यक्ष बनें विष्णु राम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची: झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर अन्तर्गत वार्ड नम्बर दो का सम्मेलन कांके रोड स्थित हतमा डहुटोली क्लब में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो के केन्द्रीय सदस्य सह रांची जिला महानगर संयोजक अन्तु तिर्की की ने की।

सम्मेलन में झामुमो वार्ड नम्बर 2 का चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से विष्णु राम को वार्ड समिति का अध्यझक्ष, नितेश खलखो, सतीश खलखो, अशोक लुगुन, करण करमाली, सनोज नायक, अविनाश लकड़ा, विशाल लिण्डा एवं विक्की कुमार को उपाध्यक्ष, रोशन लकड़ा को सचिव, अंकित भाड़ा को कोषाध्यक्ष, सुमित कच्छप, विकेश उरांव और अनुज कुंकल को संगठन सचिव, अंथोनी सांगा, अमित खलखो, रोहित हेम्ब्रोम, चंचल खलखो एवं अजय राम को सह सचिव और मनीष गुप्ता सहित 59 लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

इस मौके पर अन्तु तिर्की ने कहा कि सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी, झामुमो की नीति सिद्धांत के तहत अपने कार्य दायित्व का निर्वहन करेंगे। बैठक में झामुमो के केन्द्रीय सदस्य, जिला एवं महानगर के संयोजक अश्विनी शर्मा, केन्द्रीय सदस्य, जिला एवं महानगर के संयोजक डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, महानगर संयोजक प्रदीप मिर्धा संयोजक आशुतोष गोस्वामी, विजय महतो, विश्जीत गोप, वरिष्ठ नेता विश्वास उरांव एवं मनीष गुप्ता के अलावे सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में कार्यक्रम का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

मांडर : प्रखंड स्थित कंदरी में भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के अंतगर्त सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्दरी, माण्डर, राँची में सोमवार को एड्स डे मनाया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम सोमवार को कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया। क्रार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव श्री नितिन परासर, शैक्षिणिक सचिव डॉ॰ दीपाली परासर एवं महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। एड्स डे अवसर पर बी॰एससी॰ नर्सिंग तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने लघु नाटिका की प्रस्तुती और उसके बारे में विस्तार रूप से विवरण दिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रैली के माध्यम से लोगों को एड्स के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव, उप-प्राचार्या अंजला गाड़ी, एवं शिक्षकगण रश्मि तिर्की, गोपाल तिर्की, प्रतिमा कुजूर, सुषमा कुमारी, अफदाल अनसारी, चिरंजीव कुमार, मोनिका बाड़ा, पूर्णिमा कुमारी, लवकुश कुमार, अर्पणा कुमारी, संगीता कुमारी, शशिभूषण जायसवाल, मनीषा कुमारी, पूजा गुप्ता, तुलसी दास, सहित अन्य मौजूद थे।

वृंदावन से पहुंचे अनुराग कृष्ण शास्त्री को सभा ने किया सम्मानित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची : वृंदावन से पहुंचे भागवत किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री (श्री कन्हैया) को मारवाड़ी ब्राह्मण सभा की ओर से सोमवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री ने मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के सदस्यों को संक्षेप में सनातन धर्म यात्रा के बारे में बताया और उनकी ओर से चलाए जा रहे गुरुकुल के बारे में भी उपस्थित लोगों को जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष रवि शर्मा, मंत्री किशन लाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, नथमल शर्मा, भोपाली शर्मा,चेतन शर्मा, विनय (जुगु) जोशी, कमल शर्मा सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही, श्री श्याम बाल मंडल की ओर से भी अनुराग कृष्ण शास्त्री का स्वागत किया गया।

स्वागत करनेवालों में सभा के दिनेश शर्मा, रजनीकांत शर्मा, अंकिता अग्रवाल, अंकित माटोलिया, सूरज सोनी सहित अन्य का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा।

संक्षिप्त खबरें

खूंटी में ठंड बढ़ी तो गरीबों की आई शामत, छोटे बच्चे पड़ रहे बीमार

खूंटी: जिले में कड़ाके की ठंड ने गरीब परिवारों के लिस मनो शामत बनकर आई है। ठिठुरन भरे मौसम में जरूरतमंदों के पास गर्म कपड़ों की भी भारी कमी देखी जा रही है। खुले आसमान के नीचे रहने वाले और दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवन चलाने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। ठंड का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर दिखाई दे रहा है। सुबह आठ बजे से ही अधिकांश विद्यालयों में कक्षाएं शुरू हो जाती हैं, जिसके कारण नन्हे बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल आने को विवश है। कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चे ठंड के कारण सर्दी, खांसी, बुखार जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। सरकार की ओर से गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में अभी और तेजी से काम करने की जरूरत है। भाजपा नेता संतोष जायसवाल कहते हैं कि इतनी कडाके कीी ठंड के बाद भी सरकार की ओर से न तो कंबलों का वितरण किया जा रहा है और न ही कहीं अलाव की व्यवस्था की जा रही है। कई अभिभावकों ने प्रशासन से स्कूलों के समय में परिवर्तन करने की मांग की है। आम लोगों ने गरीब परिवारों के बीच गर्म कपड़े, कंबल वितरण की भी मांग की है। बंगाल की खाडी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण सोमवार को जिले में बादल छाया रहा। कृषि विज्ञान केंद्र, तोरपा के मौसम वैज्ञानिक डॉ राजन चौधरी ने बताया कि यह स्थिति अगले 2 से 3 दिनों तक बनी रहेगी, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान गिरकर लगभग 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। डॉ चौधरी ने बताया कि सुबह और शाम में ठंड अधिक महसूस होगी। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर तक मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा।

धूमधाम से मनी गीता जयंती, गीता पाठ में सराबोर हुए श्रद्धालु

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट पुंदाग की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में सोमवार को गीता जयंती का पावन पर्व अत्यंत भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इसके साथ ही भजन और गीता पाठ सुनकर श्रद्धालु भक्तरिस से सरोबोर हो गए। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह भगवान श्री राधा-कृष्ण की मंगल आरती से हुई। इसके बाद मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अनुष्ठान संपन्न कराया।ठाकुरजी का स्वर्ण-रजत आभूषणों, पुष्प-मालाओं और पारंपरिक परिधानों से सजा भव्य श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। आचार्य ने फल, मेवा और विविध मिष्ठान्न से भोग अर्पित किया।बाद में श्रद्धालूओं के बीच प्रसाद का वितरण हुआ। गीता पाठ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संपूर्ण अध्यायों का श्रद्धापूर्वक पाठ किया। इसके बाद आयोजित भजन-कीर्तन में भजन गायक मनीष सोनी और उनकी टीम ने कर्म करो और प्रभु का कर लो ध्यानङ्क, श्याम तेरी बंसी पुकारेङ्क जैसे कई भक्तिमय भजनों से वातावरण को भाव-विभोर कर दिया। भजन गायिका पूजा शर्मा और निधि शर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति से भक्तों को झूमाया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रभारी संजय सर्राफ निर्मल जालान, मधुसूदन जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

रांची में रेस्टोरेंट कारोबारी ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

रांची : रांची के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट कुप्पुस्वामी के मालिक शंकर नारायण ने सोमवार को कांके थाना क्षेत्र के जगतपुरम कॉलोनी स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के कमरे से बरामद किया गया। सूचना मिलने पर कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पुलिस निगरानी में नीचे उतारा गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से सुसाइड नोट की तलाश जारी है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शंकर नारायण पिछले कुछ समय से भारी कर्ज में डूबे हुए थे, जिसके कारण वे मानसिक तनाव में रहते थे। कर्ज का दबाव उनकी आत्महत्या की मुख्य वजह बताई जा रही है।शंकर मूल रूप से केरल के रहने वाले थे। उनके बड़े भाई वेलाई का भी रांची के हजारीबाग रोड पर होटल का व्यवसाय है। वेलाई ने बताया कि दोनों भाई हर साल गांव के मंदिर में होने वाली पूजा में शामिल होने के लिए केरल जाते थे, लेकिन इस बार शंकर नहीं गए। पहले ही कर्ज को लेकर उनकी चिंता साफ दिख रही थी।फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और पूरे मामले की विस्तृत छानबीन की जा रही है।

स्मार्ट सिटी से एक व्यक्ति का शव बरामद, ठंड से मौत की आशंका

रांची : पुलिस ने रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्मार्ट सिटी इलाके से एक अज्ञात व्यक्ति का सोमवार को शव बरामद किया है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर धुर्वा थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि ठंड लगने से वृद्ध व्यक्ति की मौत हुई है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक भीख मांग कर अपना गुजारा करता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात शव मिलने के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना हमारा लक्ष्य : पूर्व मंत्री बंधु तिर्की

उज्जवल दुनिया संवाददाता

मांडर : प्रखंड सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मांडर मेसी एच ओ ए एन एम , एवंजी एन एम स्वास्थ्य कर्मियों के साथ पूर्व मंत्री बंधु तिर्की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा वर्तमान व्यवस्था में उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर गंभीर चर्चा हुई. सभी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गयी है और सभी दवा आदि उपलब्ध हो. इसका सुनिश्चित लाभ प्राप्त करने के लिए आपकी जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण है. आज की बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मांडर के चिकित्सा प्रभारी कुल्लू बी पी एम , उपेंद्र प्रसाद सिंह प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग के आबिद अंसारी,जमील मलिक,सेरोफिना मिंज,सरिता तिग्गा आजाद अंसारी, बंधु टोप्पो आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

मांडर : सेवानिवृत्त प्राचार्य के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन

मांडर: मांडर महाविद्यालय मांडर में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो गांवा तिग्गा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पर विद्यार्थियों, अभाविप के कार्यकताओं और इंटरमीडिएट के शिक्षकों ने उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो गांवा तिग्गा ने कहा कि काम से ही व्यक्ति की पहचान में निखार आता है। संबोधन में डॉक्टर के पी साही ने प्रो गांवा तिग्गा को शुभकामना देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ की कामना की. इस कार्यक्रम में प्रो गांवा तिग्गा ने डॉक्टर के पी साही को कार्यभार दिया. मोके पर डॉक्टर अनसेलेम, डॉ विवेक, डॉ पवन दास, दिब्यां रानी, सेनेल टेटे, डॉ ममता, डॉ चांदनी, सुषमा कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
योजना एवं अन्वेषण प्रमण्डल, पथ निर्माण विभाग, राँची-2
निरूपण भवन, तृतीय तल्ला, डोरंडा-834002 Email id :- eercdpiranchi-jhr@nic.in

पत्रांक- राँची, दिनांक-

(अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना)

निविदा आमंत्रण सूचना सं०-RCD/P&I.Div./RANCHI/23/2025-26(1st Call), दिनांक-29.11.2025

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन डोरंडा, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :- दिनांक-02.12.2025 को 10:30 बजे से दिनांक 09.12.2025 को 03:00बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 10.12.2025 के अपराह्न 03:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 10.12.2025 को अपराह्न 03:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री की स्थानः- (i) मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची-834002
(ii) अधीक्षण अभियंता, अग्रिम योजना अंचल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची-834002
(iii) कार्यपालक अभियंता, योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची-834002
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलन का स्थान :- उपर्युक्त स्थान तथा अंकित तिथि एवं समय अनुसार।
7. कार्य की विवरणी :-

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित की राशि (रू० में०)	अग्रधन की राशि (रू० में०)	परिमान विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Comprehensive Annual Maintenance and Operation of 02 (Two) Nos. Ten -Passenger OTIS Lifts installed at Nirupan Bhawan(CDO Building), Doranda, Ranchi for the year 2025-26.	Rs. 3,87,300.00	Rs. 8000.00	Rs. 750.00	1 Year

नोटः- 1. निविदा की शर्तें Prdjharkhand.in एवं कार्यालय के सूचना पट् पर देखी जा सकती है।
2. कार्य की प्राक्कलित राशि घटने-बढ़ने की स्थिति में उसी के अनुरूप अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य प्राप्त किया जाएगा।
3. निर्धारित निविदा तिथि को सरकार द्वारा अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा आमंत्रण की तिथि अगले कार्य दिवस को निर्धारित समयावधि में संपन्न की जाएगी, तदनुसार निविदा खोलने की कार्रवाई की जाएगी।
4. Conditional Tender मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियंता,
योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, राँची।

PR.NO.367461 Road Construction Dept Road Division Ranchi(25-26):D

राजस्व मामलों की गति तेज करने को लेकर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

सीएनटी एक्ट, बीएलआर एक्ट, अन्य संबंधित मामलों पर हुई चर्चा

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के आयुक्त पवन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को राजस्व मामलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित चतरा समाहरणालय सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य राजस्व प्रशासन से जुड़े प्रक्रियात्मक पहलुओं की समीक्षा करना और लंबित मामलों के निष्पादन की गति तेज करना था।

बैठक की शुरूआत में अधिकारियों के साथ The Bihar Tenants Holdings (Maintenance of Records) Act, 1973, CNT Act, 1908, BLR Act, 1950, JBCA और Khas Mahal से संबंधित प्रावधानों का अद्यतन विवरण साझा किया गया। विभिन्न धाराओं एवं संशोधनों की व्याख्या करते हुए बताया गया कि वर्तमान परिस्थिति में किन-किन प्रकार के प्रकरण प्राथमिकता के आधार पर निपटाए जाने आवश्यक हैं। साथ ही राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, भूमि हस्तांतरण, बंधन-मुक्ति, दाखिल-खारिज, लीज, खतियान-जमाबंदी, उत्तराधिकार, वंशावली तथा प्रमाण-पत्र संबंधी विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रमंडलीय आयुक्त ने अंचलवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व मामलों में विलंब सीधे आम नागरिकों को प्रभावित करता है, इसलिए समयबद्ध और पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कानून में निहित प्रावधानों की स्पष्ट समझ के साथ प्रत्येक प्रकरण का निष्पादन किया जाए। आयुक्त ने कहा कि कार्यप्रणाली में सुधार और जवाबदेही, दोनों अनिवार्य हैं, ताकि जनता को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराई जा सके। कार्यशाला में उपायुक्त कीर्तिश्री, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी वैभव सिंह सहित अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सिजुआ बिरहोर बस्ती में किया सामग्री

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। जिले के इचाक प्रखंड के सिजुआ ग्राम स्थित बिरहोर बस्ती में सोमवार को फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा जरूरतमंद परिवारों के बीच ऊनी वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की सामग्रियों का वितरण किया गया। चेंबर द्वारा जैकेट, टोपी, स्वेटर, चप्पल, नहाने का साबुन, शैंपू एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम से बस्तीवासियों को प्रचंड ठंड से काफी राहत मिलेगी। चैंबर द्वारा सेवा का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने कहा कि हमारा संगठन सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोपरि मानता है। जाड़े के मौसम में कोई भी परिवार ठंड से परेशान न हो, इसी उद्देश्य से हम लगातार जरूरतमंदों तक गर्म कपड़े और आवश्यक सामग्रियां पहुंचा रहे हैं। आने वाले दिनों में भी चेंबर ऐसे मानवसेवा कार्यों को और व्यापक रूप से आगे बढ़ाएगा। चेंबर के सचिव राकेश ठाकुर ने बच्चों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि साफ-सफाई न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। बच्चों को रोज नहाने, हाथ धोने और स्वच्छ कपड़े पहनने की आदत विकसित करनी चाहिए। चेंबर समाज में स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल,सचिव राकेश ठाकुर,सह सचिव तारीख अहमद राजा, संयुक्त सचिव नीरज अग्रवाल, समाजसेवी सह जेडीयू के वरिष्ठ नेता अर्जुन मेहता भी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर सामग्री का वितरण किया और बस्ती के लोगों से संवाद स्थापित किया।

हजारीबाग सदर अस्पताल परिसर में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। सोमवार 01 दिसम्बर 2025 को झारखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में आई.सी.टी.सी. (क्ळ्ळउ) एवं ए.आर.टी.सी. (अफ्ळ्उ) द्वारा सदर अस्पताल परिसर में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अनुकर्ण पुरती, जिला समन्वयक एवं नोडल अधिकारी डॉ. राज किशोर, वरिष्ठ चिकित्सक कपिल मुनी, ए.आर.टी.सी. प्रभारी डॉ. कात्यायनी सिंह, ए.एन.एम. प्रशिक्षण केंद्र की प्राचार्या नाज़िया मान, तथा रक्त बैंक प्रतिनिधि नर्मल जैन सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। रैली के उपरांत सदर अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से की गई।

तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्प एवं पौधा भेंट कर किया गया।अपने संबोधन में सिविल सर्जन ने इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस की थीम ह्वविघ्नों पर विजय, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन – जान ही सुरक्षा है, और संवेदनशीलता ही शक्तिह्व का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि जागरूकता, सही जानकारी और समय पर उपचार ही एच.आई.वी./एड्स से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। जिला कार्यक्रम टीम ने बताया कि यदि कोई एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति नियमित रूप से ए.आर.टी. दवाएँ लेता है, तो उसे अन्य संक्रामक बीमारियों का जोखिम काफी कम हो जाता है। इसी क्रम में डॉ. राज किशोर एवं डॉ. कात्यायनी सिंह ने आई.सी.टी.सी. और ए.आर.टी.सी. केंद्रों पर उपलब्ध परामर्श, जाँच और उपचार सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में रंजीता, निखिल, सुनीता, तरन्नुम, बहादुर, सरयू, सन्नी, अखोरी सहित आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी.सी., एस.एस.के., विहान, लक्ष्य हस्तक्षेप (टी.आई.) टीम ट्रॉय टीआई हजारीबाग और अन्य संगठनों के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में आज से दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य मेला का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। शहर के रविन्द्र पथ बिजली ऑफिस के विपरीत स्थित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में मंगलवार 02 दिसंबर एवं कल 03 दिसम्बर 2025 को दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य मेला के आयोजन का आयोजन किया गया है। संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने बताया कि सेवा भावना से जुडकर पुनः निशुल्क स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें निः शुल्क सेवाओं में डॉक्टर परामर्श, बी.पी.जांच, कैंसर स्क्रीनिंग, मुफ्त दवा, दंत जांच, नेत्र जांच, शुगर एवं हीमोग्लोबिन जांच, न्यूरोलॉजिस्ट परामर्श एवं एक समय का भोजन मुफ्त प्रदान किया जाएगा। अल्ट्रासाउंड एवं अन्य जांच पर भारी डिस्काउंट दिया जाएगा। इसमें बच्चे, महिला एंव पुरूष जरूरतमंदों का निशुल्क जांच एवं उपचार उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य मेला का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। साथ ही शहर एवं ग्रामीणों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना भी इसका मुख्य लक्ष्य है। मेला को सफल बनाने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम तैयार की गई है। डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि अधिक से अधिक लोग इस स्वास्थ्य मेला का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जाँच करवाकर स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। साथ ही अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से आग्रह किया है कि स्वास्थ्य मेला में पहुँचकर इसका लाभ उठाएं और अन्य लोगों को भी इसके बारे में जानकारी दें।

एड्स दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने लगाया रक्तदान शिविर: निर्मल जैन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं एड्स पीड़ित मरीजों के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन ने किया। शिविर का शुभारंभ राहुल राज ने 19वीं बार रक्तदान करके किया तत्पश्चात नियमित रक्तदाता मोहम्मद दिलदार अंसारी, लक्ष्मण, शिवराज, दानिश अंसारी ,शिव शंकर ठाकुर, राजीव नयन , सूरज ,आदर्श, अनुराग ,अमर ,दुर्गा शाव , आदि 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया रक्त की खपत अधिकतर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं एड्स से पीड़ित मरीज में होता है हजारीबाग में एड्स पीड़ित बहुत से मरीज है.

आईएआरआई झारखंड में वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन एवं उनके संवर्द्धन पर एससीएसपी प्रशिक्षण का उद्घाटन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

बरही। आईएआरआई गौरियाकरमा में सोमवार को वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन एवं उनका संवर्द्धन पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। जिसका उद्देश्य पशुपालन को बढ़वा देना और आजीविका विविधीकरण के माध्यम से अनुसूचित जाति के लोगों को सशक्त बनाना है। अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में चौपारण, पदमा और बरही प्रखंड के अंतर्गत कई गांवों के 30 उत्साही प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।उद्घाटन समारोह सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ, जिसमें डॉ. विशाल नाथ ने औपचारिक रूप से प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में, आईसीएआर आईएआरआई-झारखंड के परिसर प्रभारी डॉ. महंत ने पशुपालन के उत्पादन उनके रख रखवा तथा उनसे होने वाली आमदनी को कैसे बढ़ाया जा सके, उसके बारे में बताया। उन्होंने ग्रामीण किसानों को बकरी पालन से उत्पादन खाद्य पदार्थ से होने वाली अधिक आमदनी के बारे में बताया तथा बाजार जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधान वैज्ञानिक विशाल नाथ ने भी किसानों को भी बताया कि कैसे पशुओं की संख्या में वृद्धि किया जा सकते हैं तथा आय में कैसे वृद्धि कर सकते हैं आयोजन सचिव और नोडल अधिकारी (एससीएसपी), डॉ कृष्ण प्रकाश, डॉ पंकज सिंहा, कोर्स समन्वयक शिल्पी केरकेट्टा, डॉ वंदना यादव, अभय गिरी, रंजीत सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ शिल्पी केरकेट्टा (वैज्ञानिकः पशुधन उत्पादन प्रबंधन) ने किया। जिसमें डॉ अभय गिरि, वैज्ञानिक (वैज्ञानिकः जलीय कृषि), डॉ वंदना यादव (वैज्ञानिक, पशु वैज्ञानिक) और डॉ नुजैबा पीएम (वैज्ञानिक, मत्स्य पालन), डॉ. कृष्ण प्रकाश के साथ-साथ संस्थान के अन्य संकाय सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। संस्थान के वैज्ञानिकों की उपस्थिति और मार्गदर्शन ने उद्घाटन सत्र को और भी समृद्ध बनाया और जमीनी स्तर पर नवाचार और सतत आजीविका संवर्धन के लिए आईएआरआई की प्रतिबद्धता को दशार्या। 1 से 3 दिसंबर तक होने वाले इस तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण से बकरी पालन के क्षेत्र में काफी वृद्धि होने की संभावना है, इससे संबंधित सभी विषयों पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाएं आयोजित की जाएगी।

एक नजर

सेवानिवृत्त बीइईओ के साथ कई शिक्षक शिक्षिकाओं को दी गई भावभीनी विदाई

केरेडारी। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ केरेडारी के तत्वावधान में प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय केरेडारी में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस समारोह में सेवा निर्वित प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद भावभीनी विदाई दी गयी।साथ ही प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षको को भी भावभीनी विदाई दी गई ।इस विदाई समारोह में संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने कहा कि सेवानिवृत्ति कि विदाई एक दुःखदाई क्षण होता है,परंतु विभागीय नियमानुसार यह सुनिश्चित है कि सरकारी कमीयों को ही यह पल प्राप्त होता है।वही बीडीओ विवेक कुमार ने कहा कि प्रखंड के शिक्षक शिक्षिकाएं ने शिक्षा जगत में अपनी बेदाग सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्हें कोटि कोटि बधाई देता हूं। सीओ रामरतन वर्णवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ईश्वर से कामना करता हूं कि सभी को दीघार्यु बनाते हुए परिवार के साथ चलने की शक्ति प्रदान करें। सेवानिवृत्त में बीइईओ जवाहर प्रसाद,शिक्षक मिथिलेश राम कंडाबेर,रामसेवक साव गरीकला,परमेश्वर महतो पेटो,बीणा देवी,इजहार इमाम,उमेश प्रजापति, शामिल थे। मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव आदि कई वक्ताओ ने कहा सरकार के नियमावली के सरकारी कर्मियों को सेवा मुक्त होना ही पड़ता है । वही बीईईओ समेत सभी सेवानिवृत्त शिक्षक शिक्षिकाएं को शॉल,ओढ़ा कर व अंगवस्त्र,बुके और कई मोमेंटो और किताब देकर सम्मानित किया गया।ततपश्चात कस्तुरबा विद्यालय के बच्चियों द्वारा सभी को केरेडारी मुख्य चौक तक ढोल के साथ नम आँखे से विदाई दिया गया ।इस कार्यक्रम को संचालन शिवचरण साहू व चौलेश्वर साव ने संयुक्त रूप से किया! मौके पर रविशंकर कुमार तापेश्वर नाथ वर्मा राजेश तिवारी अंकेश कुमार सुनील पांडे अजय कुमार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

खाटू श्याम के निशान यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं की जय-जयकार से गूंजा बरही शहर

बरही। खाटू श्याम की निशान यात्रा सोमवार को बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ निकाली गई। यात्रा की विधिवत शुरूआत प्रखंड परिसर स्थित बाबा मनोकामेश्वर मंदिर प्रांगण से हुआ, जो गया रोड हरीनगर में श्याम बाबा के श्रृंगार, आरती व पूजा के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व नवयुवक श्रद्धालु शामिल हुए, जो हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्री श्याम के जयकारे लगाते आगे बढ़ रहे थे। निशान यात्रा बरही चौक से गुजरते हुए शहर के चारों प्रमुख मार्गों हजारीबाग रोड, पटना रोड व धनबाद रोड होते हुए गया रोड स्थित हरीनगर पहुंचा। पूरे मार्ग में श्रावक-श्रद्धालु यात्रा पर पुष्प वर्षा करते दिखाई दिए। यात्रा में बज रहे भक्ति गीतों और ढोल-नगाड़ों की धुन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। यात्रा में शामिल भक्तों ने बताया कि खाटू श्याम की भक्ति से मन को अद्भुत शांति और ऊर्जा मिलती है। अनेक भक्त नंगे पांव और निशान लिए हुए चल रहे थे। निशान यात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। मौके पर सैकड़ो श्रद्धालु शामिल थे।

गीता महोत्सव के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग में हुई संगोष्ठी

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सोमवार को गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। मौके पर ₹श्रीमद् भागवद गीताः राजनीति विज्ञान का आधार पुस्तक₹ विषय पर विमर्श आयोजित की गई। नई शिक्षा नीति 2020 में निहित भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन स्वरूप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि तथा विभावि राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष, डॉ गोकुल नारायण दास ने श्रीमद् भागवद गीता और राजनीति विज्ञान विषय के अंतरसंबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने महाभारत और गीता के कई प्रसंगों की चर्चा की। बताया कि कैसे गीता में आधुनिक राजनीति विज्ञान के ज्वलंत प्रश्नों का उत्तर प्राप्त हो सकते हैं। विभागीय प्राध्यापक डॉ प्रमोद कुमार ने बताया की गीता के 18 अध्याय में कुल 700 श्लोक का समावेश है। उन्होंने कई श्लोक का पाठ करते हुए उसके अर्थ की व्याख्या की। अंतरराष्ट्रीय कानून से गीता को जोड़ते हुए डॉ प्रमोद ने बताया कि कैसे महाभारत काल में भी युद्ध के नियम होते थे। निहत्थे पर वार नहीं करने का भी प्रचलन था। विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने बताया की अगहन महीना के शुक्ल पक्ष के एकादशी के दिन कुरुक्षेत्र के मैदान में श्री कृष्ण के मुख से गीता का दिव्य प्रकटीकरण हुआ था। उन्होंने महाभारत को न्याय और अन्याय के बीच हुए धर्मयुद्ध बताया। गीता हमें न्याय और सच्चाई का साथ देने की शिक्षा देता है। डॉ अजय बहादुर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भेदभाव नहीं, जागरूकता है एड्स के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार' :- अंबा प्रसाद

बडकागांव । विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सचिव और आंध्र प्रदेश मामलों की प्रभारी अंबा प्रसाद ने राजमुंदरी डिग्री कॉलेज में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्रीमती प्रसाद ने इस दौरान छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए जागरूकता और सामाजिक समरसता पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए, अंबा प्रसाद ने कहाः 1 दिसंबर का यह दिन हमें याद दिलाता है कि एचआईवी/एड्स से लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हमारा सबसे बड़ा दुश्मन यह बीमारी नहीं, बल्कि इससे जुड़ा सामाजिक कलंक (स्टिगमा) और भेदभाव है। जब तक हम पीड़ित व्यक्तियों को सामान्य जीवन जीने की अनुमति नहीं देते, तब तक हम इस लड़ाई में सफल नहीं हो सकते। जागरूकता की अपीलः अंबा प्रसाद ने कहा, ₹यह एक ऐसा रोग है, जिसका संक्रमण छूने, साथ खाने या हाथ मिलाने से नहीं फैलता। युवाओं को वैज्ञानिक तथ्यों को समझना होगा और हर तरह के मिथकों को तोड़ना होगा। सही जानकारी ही एड्स की रोकथाम का पहला और सबसे प्रभावी कदम है। सामाजिक उत्तरदायित्वः उन्होंने कॉलेज के छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में 'कलंक मुक्त समाज' (स्टिगमा - फ्री सोसाइटी) बनाने के लिए ब्रांड एंबेसडर बनें। उन्होंने कहा कि एचआईवी पीड़ित व्यक्तियों के प्रति सम्मान और सहानुभूति रखना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। सरकार से मांगःअम्बा प्रसाद ने कहा कि सरकार को एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी की पहुंच को ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक और अधिक मजबूत करना चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित न रहे। समारोह के अंत में, एआईसीसी सचिव ने कॉलेज परिसर में आयोजित 'जागरूकता हस्ताक्षर अभियान' में हिस्सा लिया और उपस्थित सभी लोगों को एड्स के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कर्णपुरा महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बड़कागांव। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव में राष्ट्रीय सेवा इकाई के तत्वाधान में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्र-छात्रों एवं स्थानीय समुदाय में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना एवं उनके बचाव संबंधी वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कीर्तिनाथ महतो तथा कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर निरंजन प्रसाद तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सुरेश महतो के द्वारा की गई। वहीं कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने एचआईवी के बारे में छात्र-छात्राओं को बताई गई। मौके पर मुख्य रूप से प्रोफेसर फजरूद्दीन, नरेश कुमार दांगी, डॉक्टर पवन कुमार, अनु कुमारी, ऋतुराज, रंजीत प्रसाद, ललिता कुमारी, लालदेव महतो, चंद्रशेखर राणा, रामकिशोर प्रसाद सहित अन्य कर्मचारियों तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

धनबाद में छापामारी के बाद हजारीबाग-रामगढ़ के कोयला तस्करों में मचा है हड़कंप

हजारीबाग-रामगढ़ जिला के कई कोयला तस्कर और फैक्ट्रियां

अजय निराला/ उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के हजारीबाग-रामगढ़ जिले में पिछले कुछ समय से कोयले का अवैध खनन और कारोबार जोर-शोर से चल रहा है। इस सूचना के बाद केंद्र सरकार की कई एजेंसियों ने कोयला के अवैध खनन और कारोबार को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। केंद्रीय एजेंसियों ने धनबाद में कोयल की अवैध खनन और कारोबार को लेकर बड़े पैमाने पर छापामारी कर कोयला के अवैध कारोबारियों के बीच खलबली मचा दी है' जिसका असर यह निकला कि धनबाद में छापामारी के बाद हजारीबाग, रामगढ़ और बोकारो में भी कोयला का अवैध खनन और कारोबार अभी रुक गया। वहीं केंद्रीय एजेंसी के छापामारी के बाद हजारीबाग-रामगढ़ जिला के कोयला तस्कर और माफिया इधर-उधर भागते फिर रहे हैं। रामगढ़ और हजारीबाग जिले के कई बड़े कोयला तस्कर और फैक्ट्रियां प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर है। जानकार सूत्रों की मानें तो फिर एक बार कोयला के चोरी और तस्करी को लेकर ताने बाने बुने जाने लगे हैं' कोयला के अवैध कारोबारी नए तरीके से कोयला के अवैध कारोबार करने का जरिया तलाश करने लगे हैं' वहीं क्षेत्र में केंद्रीय एजेंसियों की धमक ने कोयला तस्करों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर चुकी है' बावजूद कोयला के अवैध कारोबारी जिले से फिर एक बार बड़े पैमाने पर कोयला का अवैध कारोबारकी तैयारी शुरू कर दिया है' इस बार हजारीबाग- रामगढ़ जिला के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित पांच सौ से अधिक ईट भट्टों में अवैध कोयला का कारोबार करने की तैयारी है' जिसकी सेटिंग गेटिंग शुरू हो चुकी है' हालांकि केंद्रीय एजेंसियों की रामगढ़ में टेढी नजर को भापते हुए सरकारी मशीनरी सतर्क हो चुकी है। दोनों जिले के कोयलांचल में केंद्रीय एजेंसियों के रेकी की बात सामने आ रही है' प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के क्षेत्र में होने की बात चर्चा में आ गई है' वही रामगढ़ जिला से सटे बोकारो और हजारीबाग जिला के कोयला चोरों और तस्करों के बीच भी दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है' हजारीबाग और बोकारो जिला में भी फिलहाल कोयला का अवैध खनन और कारोबार लगभग रुका पड़ा है' सरकारी मशीनरी कोयला के अवैध कारोबारियों से दूरी बना रखी है' मोबाइल फोन से किसी से कोई बात नहीं किया जा रहा है'वही रामगढ़ और हजारीबाग जिले के कोयला से संबंधित कई फैक्ट्रियां भी केंद्रीय एजेंसियों के टारगेट में है' क्योंकि केंद्रीय एजेंसियों को पता चल गई है कि कोयला से संबंधित फैक्ट्रीयों में ही अवैध कोयला का उपयोग किया जा रहा है' रामगढ़ जिला के रामगढ़ मांडू और पतरातू सर्किल क्षेत्र और हजारीबाग जिले के चरही थाना क्षेत्र के 15 माइल स्थित फैक्ट्री, डेमोटांड़, हरहद में स्थित कोयला से संबंधित फैक्ट्री की केंद्रीय एजेंसियां निगरानी कर रही है,ऐसी बातो की चर्चा हो रही है।' वहीं चर्चा यह भी है कि हजारीबाग जिले के गिद्दी और चरही थाना क्षेत्र मैं स्थित कोयला से संबंधित फैक्ट्रीया भी केंद्रीय एजेंसी के टारगेट में है। क्योंकि इन क्षेत्रों में स्थित फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर अवैध कोयला की खरीदारी की बात सामने आई है' वही दूसरी और जानकारों का कहना है कि प्रवर्तन निदेशालय की जांच में रामगढ़ जिला का बेस्ट बोकारो, रजरप्पा, कुज्जू,रामगढ़, भुरकुंडा और मांडू थाना क्षेत्र है. वही हजारीबाग जिले के गिद्दी, बाड़कागांव,उरीमारी, कटकमदाग, चरही, विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र जांच की जद में है' वही बोकारो जिला का महुआटांड़, जगेश्वर, धवइयां, ललपनिया, बेरमो क्षेत्र जांच की जद में है' माना जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियां जब तक पूरी तरह से आस्वस्त नहीं हो जाती तब तक वह छापामारी नहीं करेगी ' फिलहाल धनबाद में छापामारी के बाद मामला कुछ दिनों तक शांत रहने की संभावना है' लेकिन रामगढ़ और हजारीबाग जिला के कोयला तस्करों की लंबी सूची बनाकर जांच किया जा रहा है' ऐसी बात सामने आ रही है' धनबाद में प्रवर्तन निदेशालय के हुई छापामारी के बाद वहां से मिली जानकारी के अनुसार रामगढ़ और हजारीबाग के कोयला तस्करों की मिली भगत सामने आई है' जिसमें रामगढ़ और हजारीबाग जिला के कई कोयला तस्करों के नाम शामिल है' वही कोयला तस्करों की दलाली करने वाले कुछ कलम वीरों के नाम भी चर्चा में है' जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है' जानकार सूत्रों की मानें तो हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के कोले-पताल, कंडाबेर आदि जगहों पर मशीन लगाकर अवैध कोयला खदान में भरे पानी को सुखाने का कार्य चल रहा है। इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी है।

सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान समारोह का किया गया आयोजन

बोकारो : धनबाद मंडल में नवम्बर माह 2025 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के लिए समापक भुगतान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नवम्बर माह 2025 में कुल 29 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके सभी समापक भुगतान कर दिए गए । धनबाद मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और उनके हितों की रक्षा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा के लिए समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित बनाने की दिशा में मंडल द्वारा निरंतर सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान एवं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएँ दी गयी । इस अवसर पर मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे.

विश्व एड्स दिवस पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अस्पतालकर्मियों ने एड्स रोकथाम, उपचार और भेदभाव-मुक्त समाज के लिए लिया संकल्प

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को जागरूकता और बचाव विषयक एक विस्तृत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने किया। उन्होंने बताया कि एड्स के प्रति जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है, इसलिए समाज को सही जानकारी अपनाने और अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि एड्स से पीड़ित लोगों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अस्पतालकर्मियों और मौजूद लोगों को समझाया कि एड्स छूने, साथ बैठने या सामान्य व्यवहार से नहीं फैलता। इसलिए मरीजों को अलगाव में रखने या उन्हें समाज से दूर करने की मानसिकता को बदलना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एड्स से बचाव के लिए सुरक्षित व्यवहार, समय-समय पर जांच, जागरूकता और उपचार के प्रति गंभीरता आवश्यक है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा लोगों को मुफ्त जांच और परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों, एएनएम, लैब टेक्नीशियनों और कर्मचारियों ने एड्स रोकथाम और जागरूकता को लेकर शपथ ली। शपथ के माध्यम से सभी ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं जागरूक रहेंगे, बल्कि समाज में भी सही जानकारी पहुँचाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी, डॉ. मेराजुल इस्लाम, डॉ. प्रवीण कुमार, विनय सिन्हा, सुधांशु शेखर, काउंसिलर कादम्बनी दुबे, एलटी अनिता कुमारी, विष्णु महतो, शाहिद अली, कुलदीप कुमार, सोनी कुमारी, सोनी महतो, संतोष कुमार, इंद्रदेव गोप, महादेव राम, भेखराज पासवान, दीपक कुमार, अनीता कुमारी, विष्णु रविदास, सबिता कुजूर, कुमारी अमृता सहित अन्य अस्पतालकर्मी उपस्थित रहे।

फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के बीच एलुमनी एसोसिएशन ने किया कंबल वितरण

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो हमेशा से अपने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ बेहतर इंसान बनने का ज्ञान और जीवन मूल्य भी सिखाता आया है। इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए चिन्मय विद्यालय बोकारो एलुमनी एसोसिएशन से जुड़े पूर्व विद्यार्थी आए दिन कुछ न कुछ सामाजिक कार्य करते रहते हैं। इसी क्रम में शनिवार की रात एलुमनी एसोसिएशन के लोगों ने चास - बोकारो के विभिन्न स्थानों पर कंबल वितरण किया। पूर्व विद्यार्थियों ने एक साथ आकर फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के बीच कंबल बांटा। इसमें विद्यालय के सभी पूर्व छात्रों ने अपना सहयोग दिया। एसोसिएशन के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष रंजित, मनीष कुमार और सचिव शशिकांत शामिल थे। साथ ही, कंबल वितरण में एसोसिएशन के सदस्यों में अभिषेक मिश्रा, गौतम, शैबाल गुप्ता, सोनाली गुप्ता, चंदन बांठिया, अमृता प्रीतम, तथागत पांचाल, सुमन सौरभ और सचिन कुमार शामिल थे।

12 साल से कर रहे गरीबों की मदद

चिन्मय विद्यालय बोकारो एलुमनी एसोसिएशन ने सामाजिक कार्य का ये सिलसिला साल 2013 में शुरू किया था। हर साल, खासतौर से ठंड के मौसम में एसोसिएशन के लोग कंबल वितरण करते हैं। उनका मानना है कि हर किसी को जो और जितना उनके पास है, उसमें से ही उन्हें समाज में देना चाहिए। लोगों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म होता है। एलुमनी एसोसिएशन द्वारा किए गए इस नेक कार्य के लिए विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी और प्राचार्य सूरज शर्मा उन्हें खूब सारी बधाई दी.

कसमार में छापामारी, सिमपुर से अवैध शराब बरामद

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो :मुख्यालय रांची के अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी, रांची के नेतृत्व में बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कम्पोजिट शराब दुकान बहादुरपुर, कसमार रोड कसमार एवं खैराछात्तर में औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी रांची के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद विभाग की टीम ने पिरगुल और सिमपुर में प्राप्त शिकायतों के आधार पर छापामारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान *पिरगुल में किसी भी प्रकार की अवैध शराब नहीं मिली। वहीं सिमपुर में एक किराना दुकान और उससे सटे घर में छापामारी करने पर विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब बरामद की गई, जिसमें शामिल हैं– स्टर्लिंग B7 (180 ml) – 7 बोतल, स्टर्लिंग B7 (375 ml) – 2 बोतल, मैकडॉवेल No.1 (180 ml) – 6 बोतल, मैकडॉवेल No.1 (375 ml) – 3 बोतल, रॉयल स्टैग (180 ml) – 8 बोतल, रॉयल स्टैग (375 ml) – 5 बोतल व गॉडफादर बीयर (500 ml) – 1 केन शामिल है। बरामद विदेशी शराब पर लगे होलोग्राम प्रथम दृष्ट्या नकली या अवैध प्रतीत हो रहे हैं। इसे देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। छापामारी के दौरान किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जिला उत्पाद विभाग को संबंधित आरोपी के खिलाफ अभियोग दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा.

फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सिजुआ बिरहोर बस्ती में किया सामग्री

शिविर में कुल 153 मरीजों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के इचाक प्रखंड के सिजुआ ग्राम स्थित बिरहोर बस्ती में सोमवार को फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा जरूरतमंद परिवारों के बीच ऊनी वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की सामग्रियों का वितरण किया गया। चेंबर द्वारा जैकेट, टोपी, स्वेटर, चप्पल, नहाने का साबुन, शैंपू एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम से बस्तीवासियों को प्रचंड ठंड से काफी राहत मिलेगी। चैंबर द्वारा सेवा का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने कहा कि हमारा संगठन सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोपरि मानता है। जाड़े के मौसम में कोई भी परिवार ठंड से परेशान न हो, इसी उद्देश्य से हम लगातार जरूरतमंदों तक गर्म कपड़े और आवश्यक सामग्रियां पहुंचा रहे हैं। आने वाले दिनों में भी चेंबर ऐसे मानवसेवा कार्यों को और व्यापक रूप से आगे बढ़ाएगा। चेंबर के सचिव राकेश ठाकुर ने बच्चों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि साफ-सफाई न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। बच्चों को रोज नहाने, हाथ धोने और स्वच्छ कपड़े पहनने की आदत विकसित करनी चाहिए। चेंबर समाज में स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल, सचिव राकेश ठाकुर,सह सचिव तारीख अहमद राजा, संयुक्त सचिव नीरज अग्रवाल, समाजसेवी सह जेडीयू के वरिष्ठ नेता अर्जुन मेहता भी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर सामग्री का वितरण किया और बस्ती के लोगों से संवाद स्थापित किया।

एक नजर

नियारा हाल्ट-दुल्लहपुर स्टेशनों के मध्य स्पीड ट्रायल

गोरखपुरः पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के भटनी-औंड़िहार खण्ड पर पुल संख्या-84 एवं 91 पर कट एवं कनेक्शन कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल 02 दिसम्बर, 2025 को इस खण्ड का निरीक्षण करेंगे तथा इस खण्ड के पनियारा हाल्ट-दुल्लहपुर स्टेशनों के मध्य स्पीड ट्रायल किया जायेगा। रेल प्रशासन का आमजन से अनुरोध है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस खण्ड पर न तो स्वयं जायें, न ही अपने पशुओं को रेलपथ पर जाने दें।

पूर्वोत्तर रेलवे पर मल्टीट्रैकिंग का कार्य तीव्र गति से चल रहा है

गोरखपुरः पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के अन्तर्गत मल्टी ट्रैकिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में छपरा ग्रामीण-बाराबंकी मुख्य रेल मार्ग पर तीसरी लाइन निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे पर अभी तक छपरा ग्रामीण-छपरा एवं कुसम्ही-डोमिनगढ़ रेल खण्डों में तीसरी लाइन कमीशन हो चुकी है। गोण्डा-बुढ़वल (61.72 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण के अन्तर्गत गोण्डा कचहरी-घाघरा घाट (45.42 किमी.) तीसरी लाइन कमीशन हो चुकी है। इसके अगले चरण में घाघरा घाट-बुढ़वल तक तीसरी लाइन निर्माण, जिसमें घाघरा नदी पर महत्वपूर्ण पुल का निर्माण सम्मिलित है, पूर्ण कर लिया गया है। इस नव निर्मित तीसरी लाइन का रेल संरक्षा आयुक्त उत्तर पूर्व सर्किल 05 दिसम्बर, 2025 को निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात यह तीसरी लाइन कमीशन हो जायेगी। इससे लाइन क्षमता में वृद्धि होने से गाड़ियों के समय पालन में सुधार होगा तथा जनआकांक्षाओं के अनुरूप अधिक गाड़ियों का संचलन किया जा सकेगा। गोण्डा-बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण परियोजना को पूरा करने में कुल लागत 1117 करोड़ रुपए आयेगी। घाघरा घाट-चौकाघाट स्टेशनों के मध्य घाघरा नदी पर बना यह तीसरा महत्वपूर्ण पुल है। पहले पुल का कार्य वर्ष 1898 में घाघरा घाट-चौकाघाट मीटर गेज लाइन के निर्माण के साथ ही पूर्ण हुआ। इस पुल का नाम भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड एल्गिन के नाम पर एल्गिन ब्रिज पड़ा। इस पुल को 1981 में गोण्डा-बाराबंकी खण्ड के आमान परिवर्तन के दौरान बड़ी लाइन मानक के अनुरूप बनाया गया। दूसरे पुल का निर्माण घाघरा घाट-चौकाघाट खण्ड के दोहरीकरण के दौरान वर्ष 2012-13 में हुआ और इसकी ओपनिंग 14 अप्रैल, 2013 को हुई। तीसरा पुल कमीशनिंग के लिए तैयार है। इस पुल की लम्बाई 1037 मीटर है, जिसमें 17 स्पैन है। इस पुल का फाउंडेशन डबल लाइन के अनुरूप किया गया है, जिससे यहाँ चौथी लाइन निर्माण के समय चौथे पुल के लिए फाउंडेशन की आवश्यकता नही होगी, जिससे समय, संसाधन एवं धन की बचत होगी।

05163/05164 औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05163/05164 औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 02 दिसम्बर से 28 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन 89 फेरों हेतु निम्नवत किया जायेगा। 05163 औंड़िहार-सारनाथ डेमू विशेष गाड़ी 02 दिसम्बर से 28 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन औंड़िहार से 12.35 बजे प्रस्थान कर सिधौना रामपुर हाल्ट से 12.43 बजे, रजवारी से 12.53 बजे तथा कादीपुर से 13.04 बजे छूटकर सारनाथ 13.20 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 05164 सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी 02 दिसम्बर से 28 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन सारनाथ से 13.50 प्रस्थान कर कादीपुर से 14.02 बजे, रजवारी से 14.10 बजे तथा सिधौना रामपुर हाल्ट से 14.17 बजे छूटकर औंड़िहार 14.35 बजे पहुंचेगी।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किये जाने के कारण गाड़ियां का निरस्तीकरण

गोरखपुरः पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के भटनी-औंड़िहार खण्ड पर पुल संख्या-84 एवं 91 पर कट एवं कनेक्शन कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल 02 दिसम्बर, 2025 को इस खण्ड का निरीक्षण करेंगे तथा इस खण्ड के पनियारा हाल्ट-दुल्लहपुर स्टेशनों के मध्य स्पीड ट्रायल किया जायेगा। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किये जाने के कारण कुछ गाड़ी गाड़ियां का निरस्तीकरण एवं शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण–

- 65107/65108 भटनी-वाराणसी सिटी-भटनी मेमू गाड़ी 02 दिसम्बर,2025 को निरस्त रहेगी।
- 65105/65106 गाजीपुर सिटी-वाराणसी सिटी-वाराणसी मेमू गाड़ी 02 दिसम्बर,2025 को निरस्त रहेगी।
- 65133/65134 मऊ-दोहरीघाट-मऊ मेमू गाड़ी 02 दिसम्बर,2025 को निरस्त रहेगी।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन–

- 65132 प्रयागराज रामबाग-मऊ मेमू गाड़ी 02 दिसम्बर,2025 को मऊ के स्थान पर बनारस में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी बनारस एवं मऊ के मध्य निरस्त रहेगी।
- 65131 मऊ-प्रयागराज रामबाग मेमू गाड़ी 02 दिसम्बर,2025 को मऊ के स्थान पर बनारस से चलाई जायेगी। यह गाड़ी मऊ एवं बनारस के मध्य निरस्त रहेगी।

रेल प्रशासन का आमजन से अनुरोध है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस खण्ड पर न तो स्वयं जायें, न ही अपने पशुओं को रेलपथ पर जाने दें।

सेमीफाइनल का दूसरा मैच पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के बीच

गोरखपुरः पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में चल रहे 69वें अखिल भारतीय रेलवे (पुरूष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2025 के छठवे दिन 01 दिसम्बर, 2025 को सेमीफाइनल मैच उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बीच खेले गये, जिसमें उत्तर ने एकतरफा मुकाबले में अपने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण पश्चिम रेलवे को पहले सेट में 25-21, दूसरे सेट में 25-23 तथा तीसरे सेट में 25-19 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल का दूसरा मैच देर सायं तक पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के बीच खेला जा रहा था। राष्ट्रीय स्तर की इस वालीबाल प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में वालीबाल प्रेमियों एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस चैम्पियनशिप का फाइनल मैच 02 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 03.00 बजे उत्तर रेलवे एवं दूसरे सेमीफाइनल के विजेता टीमों के साथ खेला जायेगा तथा महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर विजेता एवं उपजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित करेंगे।

मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास

गोरखपुरः रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 30 नवम्बर, 2025 को गाड़ी सं0 12565 में ट्रेन मैनेजर द्वारा घर से नाराज होकर जा रही 12 वर्ष की लड़की को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 30 नवम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 9 पर घर से नाराज होकर आयी 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली.

विश्व एड्स दिवस पर बीजीएच में निकाली गयी जागरूकता रैली

कई संत और केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बीजीएच के प्रांगण मे अक्‍स के प्रति एक जागरूकता रैली निकाली गई तथा अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डा. विभूति भूषण करुणामय के द्वारा गुब्बारा उड़ा कर इस जागरूकता अभियान को शुरू किया गया। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी, बीजीएच के वरीय चिकित्सक, नर्सिंग स्कूल की छात्राऐं, कर्मचारी, तथा स्टाफ नर्स शामिल हुए। रैली का उद्देश्य एचआईवी/एड्स की रोकथाम से संबंधित जानकारी का प्रसार करना तथा समाज में भेदभाव-रहित वातावरण को बढ़ावा देना था। डा. विभूति भूषण करुणामय ने कहा कि वर्ल्ड एड्स दिवस हर साल 01 दिसंबर को पूरे विश्व मे मनाया जाता है, और इस साल की थीम है "Overcoming disruption, transforming the AIDS response" जिसका मकसद एड्स से ग्रस्त समुदायों का उचित मार्ग दर्शन करना है।

डॉ विभूति भूषण करुणामय ने आगे कहा कि अक्‍स एक गंभीर बीमारी है इसलिए एचआईवी संक्रमण से बचाव, जागरूकता तथा समय पर जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्‍स बीमारी का खतरा ग्लोबल लेवल पर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है इसलिए विश्व एड्स दिवस के खास मौके पर HIV संक्रमण के प्रति सभी लोगों को जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हाथ मिलाने, संक्रमित व्यक्ति के छींकने और खांसने से निकलने वाली ड्रॉपलेट, संक्रमित के साथ खाना खाने से ये संक्रमण नहीं फैलता है। इसलिए ऐसे लोगों से किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। सार्वभौमिक सावधानी लेकर खुद इस बीमारी से बचाव करें और इसके साथ ही दूसरों को भी बचाव के लिए प्रेरित करना चाहिए.

जंगल में पेड़ से लटका मिला छात्र का शव, परिवार में कोहराम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के दिवानगंज से भांगाबाजार जाने वाली सड़क किनारे स्थित पाल जंगल में सोमवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान 22 वर्षीय सुभाष मंडल, पिता हिमांशु मंडल, ग्राम नारायणपुर टोला छातामाड़ा निवासी के रूप में हुई है। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सुबह ग्रामीणों ने पलाश के पेड़ से युवक को फांसी पर लटका देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पिंड्राजोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा की कार्रवाई की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार सुभाष रविवार शाम करीब चार बजे साइकिल से घर से निकला था। वह प्रतिदिन इसी समय बाहर जाता था और लगभग 5 से 5:30 बजे तक वापस लौट आता था। लेकिन रविवार को जब वह सात बजे तक नहीं लौटा, तो परिजनों ने मोबाइल पर संपर्क किया। फोन नहीं उठाने पर पिता की चिंता और बढ़ गई।जब युवक के दोस्तों से पूछा गया तो उन्होंने भी उसे न देखने की बात कही। आशंकित पिता मुखिया के साथ थाने पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सुभाष अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी मां का निधन 2008 में ही हो चुका है। पिता की दूसरी शादी से दो बेटियां हैं। वर्तमान में सुभाष एक संस्थान में क्‍लर्क का प्रशिक्षण ले रहा था। उसकी अचानक हुई मौत से घर में मातम पसरा है। पिता सहित परिवार के सभी सदस्य रो-रोकर बदहवास हैं। आत्महत्या है या फिर कुछ और, इसकी पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी।

उपायुक्त ने बोकारो एयरपोर्ट का किया निरीक्षण, दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार शाम बोकारो एयरपोर्ट का निरीक्षण कर एयरपोर्ट परिसर की तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों एवं स्वच्छता व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर में हाई मास्क लाइट के क्रय एवं शीघ्र अधिष्ठापन का निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने की चेतावनी दी। उन्होंने परिसर के अंदर एवं आसपास की झाड़ियों की समयबद्ध साफ-सफाई सुनिश्चित करने के भी स्पष्ट निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र की स्वच्छता, दृश्यता और सुरक्षा मानकों को उच्च स्तर पर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) तथा बीएसएल प्रबंधन को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान एसी मुमताज अंसारी, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, डीडीएमओ शक्ति कुमार, सीजीएम उन्नयन बीएसएल तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बोकारो प्रतिनिधि मौजूद थे। उपायुक्त ने कहा कि बोकारो एयरपोर्ट को उत्कृष्ट सुविधाओं एवं सुरक्षित वातावरण के साथ विकसित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं.

मांदर की थाप पर रात भर थिरकते रहे लोग

रंगारंग झूमर प्रतियोगिता

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः टाटा सिजुआ 12 नंबर (आजाद सिजुआ) में चल रहे शक्ति मेला के दौरान रविवार की रात रंगारंग झूमर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पहाड़पुर के ज्योर्तिमय महतो, सिजुआ, भेलाटांड़ सहित विभिन्न जगहों के झूमर टीमों ने भाग लिया। सभी टीम के कलाकारों ने बारी-बारी से एक से बढ़कर एक झूमर नृत्य व गीत प्रस्तुत किया, जो काफी आकर्षक रहा। रातभर लोग मांदर की थाप पर थिरकते रहे। प्रतिभागी झूमर दल के कलाकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। नौ दिनी मेला को सफल बनाने में कमेटी के सचिव मनोज कुमार महतो, ललित नारायण महतो, हीरलाल महतो, विकास महतो, राजेश महतो, तारकनाथ महतो, मोहित महतो, कृतिवास महतो, रवि महतो, श्रृष्टिधर महतो, आर्यन महतो, निखिल महतो, पंकज महतो, रोनित महतो, नवीन महतो, रंजीत महतो, निर्मल महतो आदि सक्रिय है।

कर्मियों के विदाई में सम्मान समारोह का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को सेवानिवृत्त हो रहे सात कर्मियों के सम्मान में भावुक विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक के.के. सिंह ने किया। यूनियन प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने समारोह को और भी गरिमामय बना दिया। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी वर्षों की सेवाओं और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक के.के. सिंह ने सभी कर्मियों को स्मृति चिह्न, शॉल और उपयोगी उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल की प्रगति में इन कर्मियों का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।यूनियन प्रतिनिधियों ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यों को याद करते हुए उनके स्वस्थ और सुखमय जीवन की कामना की। समारोह में क्षेत्रीय अधिकारियों, कर्मचारियों और परिजनों की उपस्थिति से कार्यक्रम और सौहार्दपूर्ण बन गया। बीसीसीएल प्रबंधन ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता रहे और संगठनात्मक संस्कृति सुदृढ़ हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपर महाप्रबंधक पी.एस.के. सिन्हा, कार्मिक प्रबंधन विकास कुमार, यूनियन प्रतिनिधि तेज बहादुर सिंह, संतोष चंद्र गोराई, नंदू दुसाद, उमा कांत राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

टाइल्स मिस्त्री का शव मिला, हत्या या हादसा—जांच में जुटी पुलिस: आरोपी की पिटाई के बाद घर में तोड़फोड़

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्र के शांति नगर निवासी टाइल्स मिस्त्री पंकज महतो की संदिग्ध मौत से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सोमवार को पंकज का शव धनबाद के झरिया थाना क्षेत्र के बोरा बांध के पास संदिग्ध परिस्थिति में मिला। परिजनों ने इसे हत्या करार देते हुए काम करवा रहे मकान मालिक हर्ष कर्मकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

खून के धब्बे देखकर बढ़ा शक

रविवार देर शाम हर्ष कर्मकार ने पंकज के परिवार को फोन कर बताया कि वह काम छोड़कर चला गया है और अपना मोबाइल, जैकेट व बाइक वहीं छोड़ गया है। यह बात परिजनों को संदिग्ध लगी। जब वे आरोपी के घर पहुंचे तो कार और जमीन पर कई जगह खून के धब्बे देखे। आरोप है कि हर्ष इन धब्बों को पानी से धोने की कोशिश कर रहा था। तत्काल सूचना पर चीरा चास थाना प्रभारी पुष्पराज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इधर आरोपी पर भीड़ का हमला, घर में तोड़फोड़ आरोपी हर्ष कर्मकार घर में छिपा मिला। पुलिस उसे पकड़कर थाने ले जाने लगी, तभी उग्र भीड़ ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि कई लोगों ने उसकी पिटाई की, जिससे वह घायल हो गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने किसी तरह आरोपी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हमला यहीं नहीं रुका। भीड़ वापस आरोपी के घर पहुंची और वहां जमकर तोड़फोड़ की। घर की खिड़कियां, दरवाजे, गमले और वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए गए। आरोप है कि महिलाओं ने आरोपी की मां के साथ भी मारपीट की।

'मैंने नहीं मारा'—आरोपी का दावा

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी हर्ष कर्मकार ने कहा, 'पंकज की हत्या नहीं की। वह खुद ग्राइंडर से कटकर घायल हुआ और बाद में उसकी मौत हो गई।'

पुलिस कर रही है जांच

चीरा चास थाना प्रभारी पुष्पराज ने बताया कि पंकज का शव झरिया थाना क्षेत्र से बरामद हुआ है। पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम लगाई गई है। मौके पर तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

हत्या है या हादसा?

मामले में कई सवाल खड़े हैं– खून के धब्बे कैसे आए? आरोपी शव झरिया में कैसे पहुंचा? ग्राइंडर से कटने की बात कितनी सच है? पुलिस इन बिंदुओं को आधार बनाकर जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है और क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है.

एक नजर

ब्लॉक-2 क्षेत्र के सेवानिवृत्त कर्मियों को ससम्मान दी गई विदाई

कतरासः ब्लॉक-2 क्षेत्र में नवंबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सम्मान में सोमवार को एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक कुमार राजीव ने की। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के बहुमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उनके उत्तम सेवाभाव, अनुशासन एवं कार्यनिष्ठा की सराहना की गई। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी संस्था की धुरी रहे हैं और उनके अनुभव व कार्यशैली से आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक (मा. सं), ब्लॉकझ्2 ने किया। कार्यक्रम के अंत में सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

बच्चों ने मुखिया से किया स्ट्रीट लाइट मरम्मत करने की अपील

कतरासः सोमवार को बाघमारा प्रखंड अंतर्गत बौआ कला उत्तर पंचायत के मुखिया भीम लाल रजक से बड़की बौआ नीचे टोला के बच्चों ने स्ट्रीट लाइट मरम्मत एवं सड़कों पर बहते जल समस्या की शिकायत को लेकर मुलाकात की।बच्चों ने मुखिया को अवगत कराया कि स्ट्रीट लाइट खराब होने से आने - जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हैं।विशेष कर रात्रि के समय बच्चें दिक्कतों का सामना करते हैं।वहीं सप्लाई पानी सड़कों पर ही घरों से बहता रहता हैं। जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सम्मान करना पड़ता हैं। बच्चों को मुखिया ने आश्वस्त किया कि फंड नहीं होने के बावजूद निजी स्तर से स्ट्रीट लाइट मरम्मत करवाने का प्रयास करेंगे।साथ ही ग्रामीणों से बहते जल को लेकर अपील किया कि व्यर्थ में पानी न बहाए।घरों में नल की सुविधा करें। पानी बहने से बच्चों के साथ अन्य ग्रामीणों को भी दिक्कत होती हैं। मौके पर खुशबू कुमारी, करण कुमार, रीमा कुमारी, बंदना कुमारी, प्रीति कुमारी, नमिता कुमारी, ममता कुमारी , सीखा कुमारी, आरोही कुमारी, निशा कुमारी, निखिल कुमार एवं अन्य बच्चें मौजूद रहें।

बुजुर्ग दंपति की हत्या ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी

बोकारो : हरला थाना इलाके मे बुजुर्ग दंपति की हत्या ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। बताया जाता है कि हरला थाना क्षेत्र के जोशी कॉलोनी स्थित बाली होटल में रहने वाले वृद्ध दंपती—महावीर साव (65) और उनकी पत्नी कौशल्या देवी (60) की बीते रात अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी । पुलिस सूत्रों ने बताया कि महावीर साव और उनकी पत्नी मूल रूप से चिदरी, चतरोचट्टी के निवासी थे। वे गेट नंबर तीन, सेक्टर-9 जोशी कॉलोनी में रहते थे और लंबे समय से राशन व चायझ्पकौड़ी की दुकान से गुजर बसर करते थे। आम दिनों की तरह गत सुबह स्थानीय लोग नाश्ता करने दुकान पहुंचे, लेकिन दुकान बंद मिली। कई बार जोर जोर चिल्लाने पर भी अंदर से कोई आवाज नहीं आई। संदेह होने पर लोगों ने घर का मेन दरवाजा धकेलकर खोला, और अंदर का नजारा देखकर सभी दंग रह गये। पूरे फर्श पर खून फैला था। भीतर महावीर साव मृत पड़े थे, जबकि उनकी पत्नी का गला रेत डाला गया था। पुलिस उपाधीक्षक (नगर) आलोक रंजन, हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच जांच पड़ताल जुट गई है। इधर पुलिस ने दोनों शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल चास भेज दिया है.

आरएसपी कॉलेज, झरिया में पॉश एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम

बलियापुर। आरएसपी कॉलेज, झरिया, बेलगड़िया में पॉश एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ,साथ ही लिंग समानता पर शपथ लिए गए जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नीलेश कुमार सिंह ने किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता डॉ अजय कुमार झा ने बतौर मुख्य अतिथि इस विषय पर छात्रों एव शिक्षकों को संबोधित किया. इस कार्यक्रम में डॉ. भावना और डॉ. मनोरंजन सिंह ने भी अपने विचार रखें. इस कार्यक्रम में पॉश एक्ट, जेंडर समानता और कार्यस्थल पर महिलाओं के संरक्षण के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिए चर्चा की गई। प्राचार्य ने उपस्थित सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य केवल संकल्प लेना नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक जीवन मे अपनाना चाहिए। यह कार्यक्रम धनबाद क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान में महिलाओं की सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल थी, जिसमें बीएड विभाग तथा अन्य विभागों के लोग शामिल थे। इस आयोजन का मुख्य फोकस कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति हो रहे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को रोकना और इसके प्रति संवेदनशीलता पैदा करना था। इस तरह के कार्यक्रम संस्थान में एक सुरक्षित, समान और सम्मानपूर्ण माहौल बनाने में सहायक होते हैं, जिससे सभी वर्गों के लोग अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होते हैं।

आम और खास ने दी समरेश को श्रद्धांजलि

बोकारो : पूर्व विधायक और मंत्री समरेश सिंह को आम और खास ने दी श्रद्धांजलि। विधायक श्वेता सिंह ने समरेश सिंह के तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृतियों को स्मरण करते हुए नमन किया और कहा की बोकारो की राजनीति का स्वर्णिम अध्याय, जिनके बिना चर्चा अधूरी है। बोकारो की राजनीति का इतिहास जब-जब लिखा जाएगा,वहां एक नाम अपने आप उभर कर सामने आएगा- समरेश सिंह। जिन्हें क्षेत्र में लोग स्नेह और सम्मान के साथ 'दादा' कहकर पुकारते थे। लगभग चार से साढ़े चार दशक तक बोकारो की सियासत उनके इर्द-गिर्द घूमती रही। ऐसा व्यक्तित्व, जिसके बिना बोकारो की राजनीतिक चर्चा पूरी नहीं मानी जाती थी। जिस समय लोगों को राजनीति की परिभाषा तक समझ में नहीं आती थी,उस दौर में समरेश सिंह ने प्रदेश ही नहीं,राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव स्थापित कर दिया था।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

साहिबगंज : अतिक्रमित भूमि का वरीय अधिकारियों के नेतृत्व में हुआ सीमांकन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर सोमवार को जिला पशुपालन कार्यालय के तीन बीघा एक कट्ठा आठ धुर जमीन को अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, सदर सीओ सह बीडीओ बासुकीनाथ टुडू की उपस्थिति में घेराबंदी करने के लिए नापी कराकर सीमांकन किया गया। जहां इस सीमांकन के बाद अब आगे इसकी घेराबंदी कराई जाएगी। गौरतलब है कि जिला पशुपालन कार्यालय की उक्त जमीन में से अधिकांश जमीन कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमित कर ली गई थी जहां अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने हेतु नापी की गई है। उधर वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में नापी के बाद चूना डालकर उसका सीमांकन किया गया। वही मामले को लेकर अपर समाहर्ता ने बताया कि उपायुक्त के आदेश पर पशुपालन विभाग की जमीन की घेराबंदी कराने के साथ साथ अतिक्रमित भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराना है जिससे पशुपालन विभाग में पशुओं का सुरक्षित व बेहतर ढंग से रखरखाव हो और उपयुक्त तरीके से इलाज किया जा सकें। वही जिला पशुपालन पदाधिकारी रामसरीख प्रसाद ने कहा कि चहारदीवारी की घेराबंदी हो जाने से यहां पशुओं का समुचित रखरखाव हो सकेगा।

झारखंड सशस्त्र पुलिस की 21वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जैप9 के जवानों ने जीते कई पदक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड सशस्त्र पुलिस की 21वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025 जैप 2 रांची में दिनांक 25 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित की गई थी। जहां इस खेलकूद प्रतियोगिता में झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित सशस्त्र पुलिस बल के कई प्रतिभागियों एवं टीम ने भाग लिया था।

उधर जैप 9 के समादेष्टा कुसुम पुनिया के मार्गदर्शन में साहिबगंज जिला में स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस बल संख्या 9 के भी कई प्रतिभागियों एवं टीम ने भी इस खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया था। जहां जिले के सशस्त्र पुलिस बल ने इस प्रतियोगिता के विभिन्न खेलों में अग्रणी प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए कुश्ती में एक गोल्ड मेडल व एक सिल्वर मेडल, पंजा लड़ाई में एक गोल्ड मेडल, वेट लिफ्टिंग में एक गोल्ड मेडल, बैडमिंटन में थर्ड स्थान, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल प्रतियोगिता में उपविजेता के रूप में टीम का बेहतर प्रदर्शन रहा। जहां सोमवार को रांची से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद जैप 9 पहुंचने पर सभी खिलाड़ियों को समादेष्टा, पुलिस उपाधीक्षक, लाइन बाबू, सुबेदार तथा सभी जैप 9 परिवार की ओर से बधाई दी गई तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहवर्धन किया गया।

डीटीओ के निर्देश पर चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में जिरवाबाड़ी थाना गेट के सामने सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।

जहां इस दौरान करीब 40 वाहनों के दस्तावेजों का बारीकी से जांच किया गया।

उधर सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 19 वाहन चालकों से मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया जिसमें 27,500 का जुमार्ना वसूला गया। इस मौके पर जिला परिवहन विभाग के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज प्रसार एवं पुलिस बल शामिल थे।

महिला के साथ छेड़खानी के प्रयास के बाद आरोपी ने की मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा सोलबंधा निवासी महिला संजू कुमारी उम्र 25 वर्ष पति विजय मालवीय के साथ रविवार की देर रात को उसको घर में अकेला देखकर उसके ही गांव के रहने वाले गणेश तुरी नामक व्यक्ति ने जबरन उसके घर में घुसकर छेड़खानी करने का प्रयास किया। जहां इस घटना के बाद महिला ने छेड़खानी का विरोध किया और हो हल्ला मचाने लगी जिसके बाद आरोपी व्यक्ति ने उसके साथ बुरी तरह से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला के परिजन अपने घर पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराने के लिए उसे अपने साथ लेकर थाना पहुंचे जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार ने फौरन महिला का इलाज किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

विश्व एड्स दिवस पर मंडल कारा परिसर में मेडिकल कैंप आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को मंडल कारा परिसर में एक विशेष मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां इस शिविर में मंडल कारा में तैनात सभी गृहरक्षकों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई जहां उनके स्वास्थ्य मानकों का परीक्षण किया गया।

उधर एड्स दिवस के मद्देनजर सीमित बंदियों को एचआईवी व एड्स के प्रति जागरूक रहने, आवश्यक सावधानियां अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।

वही जागरूकता सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करते हुए सही जानकारी प्रदान की और सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता काराधीक्षक परमेश्वर भगत ने की। साथ ही साथ डॉ. मोहन मुर्मू (कारा चिकित्सक), उमेश कुमार यादव (कारा मिश्रक) एवं जगत मोहन मंडल (कारा परिशायक) भी उपस्थित रहे। जहां इस पहल का मुख्य उद्देश्य कारा परिसर में स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ावा देना, एचआईवी व एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना और एक स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

संक्षिप्त खबरें

अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में उपाधीक्षक ने की मासिक बैठक

राजमहल: अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू की अध्यक्षता में सोमवार को मासिक समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। उक्त बैठक में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, बीटीटी, सहिया साथी एवं सभी विभाग के पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। जहां बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करना एवं लाभ पहुंचाना रहा। उधर बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर वार कुल 24 इंडिकेटर पर समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उपाधीक्षक द्वारा कहा गया की कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में प्रखंड लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विकास फ्रांसिस खालको, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, विश्व स्वास्थ्य संगठन के बासुकीनाथ यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

सिद्धो कान्हु सभागार में 3 दिसंबर को लगेगा रोजगार मेला, युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

साहिबगंज: जिला नियोजनालय विभाग के द्वारा रोजगार खोज रहे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आगामी दिनांक 3 दिसंबर 2025 को एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। जहां यह रोजगार मेला सिद्धो कान्हू सभागार (समाहरणालय के निकट) आयोजित होगा। उधर इस रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी, जहाँ युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर नौकरी पाने का अवसर प्रदान किया जाएगा। जहां जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक युवाओं व युवतियों से इस मेले में शामिल होकर रोजगार अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है। वही अधिकारियों के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को एक मंच पर रोजगार उपलब्ध कराना एवं कौशलयुक्त अभ्यर्थियों को उद्योग जगत से जोड़ना है।

मधुमक्खी के हमले एक घायल, सदर में भर्ती

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सकरीगली पठान टोली निवासी व्यक्ति शेख इजराइल उम्र 65 वर्ष पिता शेख जुद्दीन को सोमवार को उस वक्त मधुमक्खियों के झुंड ने एकाएक हमला कर दिया जब वो अपने साइकिल दुकान के पीछे पानी लाने के लिए जा रहे थे। उधर मधुमक्खियों के हमले से व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके बाद परिजन उसे आनन फानन में बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आए। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा ने फौरन उसका इलाज किया। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के देखरेख में उसका इलाज जारी है जहां वो खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग किशोरी का सदर अस्पताल में कराया मेडिकल जांच

साहिबगंज: बरहरवा थाना क्षेत्र की पुलिस ने सोमवार को थाना क्षेत्र की रहने वाली दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग किशोरी का मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में कागजी प्रकिया पूरी करने के बाद ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. जूही ने फौरन नाबालिग किशोरी का मेडिकल जांच किया जिसके बाद पुलिस उसे आगे की कार्यवाही करने के लिए अपने साथ लेकर चली गई। उधर मामले को लेकर एएसआई प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि बीते दिनों थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग किशोरी के परिजनों ने दुष्कर्म मामले में केस दर्ज कराया था जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए कांड संख्या 318/25 दर्ज करते हुए पूरे मामले के अनुसंधान में जुट गई थी। उधर दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग किशोरी का सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद कोर्ट में बयान दर्ज कराया जाएगा।

विश्व एड्स दिवस पर डालसा ने चलाया जागरूकता अभियान

पश्चिमी सिंहभूम: विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा और सदर अस्पताल चाईबासा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सदर अस्पताल परिसर स्थित नर्सिंग कॉलेज में विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर आयोजित किया गया।

मॉडल कॉलेज राजमहल के विभिन्न कक्षाओं के सत्रों में छात्रों की उपस्थिति 80% से कम, जताई गई चिंता

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राजमहल: मॉडल कॉलेज राजमहल के द्वारा सोमवार को जारी एक महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कॉलेज के विभिन्न सत्रों 2022-26, 2023-27, 2024-28 एवं 2025-29 की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। जहां हाल ही में किए गए कक्षा निरीक्षण के दौरान कई कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति में काफी कमी पाई गई है, जिस पर कॉलेज प्रशासन ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उधर इस मामले को लेकर प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि नियमित उपस्थिति न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के लिए आवश्यक है, बल्कि विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए भी अनिवार्य है। आगे उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल वे छात्र छात्राएं जिनकी उपस्थिति 80% या उससे अधिक होगी, उन्हें ही परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति प्रदान की जाएगी। जहां उन्होंने छात्र छात्राओं से अपेक्षा किया कि वे समय सारणी के अनुसार नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहें और कॉलेज की शैक्षणिक अनुशासन व्यवस्था का पालन करें। वही अनावश्यक अनुपस्थिति को अनुपयुक्त माना जाएगा। उधर प्राचार्य ने सभी शिक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अपनी अपनी कक्षाओं में छात्र छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रति सजग रहें। जहां कॉलेज प्रशासन ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है और सभी से सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

महिलाओं के आरक्षण से जुडा विधेयक पास नहीं कर रहा केंद्र : लांबा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची: कांग्रेस की राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर मतदान का अधिकार दिया है। कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सत्ता में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया जिसका परिणाम है कि आज पूरे देश में लगभग 15 लाख महिलाएं सरपंच, मुखिया और पार्षद सहित अन्य पदों पर हैं।

उन्होंने कहा कि संसद से सांसद और विधानसभा में महिलाओं का आरक्षण का विधेयक पास हुआ, लेकिन केंद्र सरकार इस कानून को लागू नहीं कर रही है, जो महिलाओं के साथ धोखा है।

लांबा सोमवार को श्रद्धानंद रोड स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रही थीं।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) ने कहा कि केंद्र की नीतियों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन तेज होगा। उन्होंने एसआइआर को लेकर 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें देशभर से कार्यकर्ता जुटेंगे। उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीतें या हारें, लेकिन एसआइआर का विरोध जारी रहेगा, क्योंकि यह संविधान विरोधी है। इसके पूर्व पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो ने निवर्तमान अध्यक्ष गुंजन सिंह से पदभार लिया।मौके पर लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस का मकसद देश की आधी आबादी को सशक्त बनाना है। संगठन का नवनिर्माण पूरे प्रदेश स्तर पर नए सिरे से होगा। महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय पर रोक लगाने के लिए पूर्ण रूप से महिला आयोग का राज्य में गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड में जल्द से जल्द महिला आयोग का गठन होना चाहिए।

कर्म का कोई विकल्प नहीं है

नीरज कृष्ण

कृष्ण का यह उद्घोष – कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन इतिहास में जितना उद्धृत हुआ है, उतना ही गलत समझा भी गया है। भगवद्गीता का यह सूत्र केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, जीवन की जटिल मनोवैज्ञानिक गाँठ को खोलने वाला वाक्य है।कृष्ण यहाँ अर्जुन से कहते हैं कि मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, लेकिन उसके फल पर नहीं।अक्सर इसे ऐसा मान लिया जाता है कि इंसान को अपने काम के नतीजों से बिल्कुल ही मतलब नहीं रखना चाहिए। बहुत से लोग इस श्लोक को सुनते ही समझ लेते हैं कि गीता कहती है कि परिणामों की परवाह बिलकुल मत करो। यह समझ सतही और खतरनाक दोनों है क्योंकि जीवन के व्यवहारिक क्षेत्र में परिणामों की अनदेखी करने का अर्थ ही लापरवाही और जवाबदेही से बचना हो सकता है। इसलिए गीता का निष्काम कर्मयोग न तो आलस्य का आव्हान है और न ही परिणामविरोधी उदासीनता।

गूढ़ अर्थ यह है कि कर्म का अधिकार तुम्हारे पास है, पर फल अनेक कारणों – काल, परिस्थिति, सहायक संसाधन और अनेकों बा घटकोंपर निर्भर करते हैं। जब कर्म फल की भूख या फल के भय से प्रेरित हों, तब न तो कर्म ईमानदार रहता है और न उस से मिलने वाला अनुभव शुद्ध। इसलिए कृष्ण का लक्ष्य मन को उस बंधन से मुक्त करना है जो कर्म को विकृत कर देता है।

निष्कामता का अर्थ इच्छा-हीनता नहीं, परइच्छा पर नियंत्रणहै। अर्थव्यवस्था, नीति और समाज में निष्काम कर्म का व्यवहारिक रूप यह हो सकता है–कठोर परिश्रम, नैतिकता, जिम्मेदारी और परिश्रम का समर्पण, पर सफलता या असफलता को आत्म-मूल्य का प्रमाण न मानना। यह मानसिक अनुशासन है जो जोखिम लेने की क्षमता बढ़ाता है और विफलता के भय से बचकर रचनात्मकता को जन्म देता है।

हम एक ऐसी सदी में जी रहे हैं जहाँ जीवन का हर क्षण परिणामों के दबाव से भरा हैः नौकरी में प्रदर्शन की समीक्षा, सोशल मीडिया पर लाइक्स की संख्या, रिश्तों में तात्कालिक प्रतिक्रियाएँ, और समाज में सफलता की लगातार बदलती परिभाषाएँ। हम काम करते हैं, पर उसके फल की चिंता हमारे साथ एक छाया की तरह चलती रहती है। ऐसे में निष्काम कर्म का विचार बाहर से देखने पर आदर्शवादी–यहाँ तक कि अव्यावहारिक लग सकता है।

परंतु गीता का निष्काम कर्म कोई पलायनवादी प्रस्ताव नहीं है, न ही यह फल के प्रति उदासीनता का आग्रह करता है। कृष्ण का आशय यह नहीं कि मनुष्य अपनी उपलब्धियों, लक्ष्यों या परिणामों की सार्थकता को त्याग दे। बल्कि उनका संकेत एक गहरी आंतरिक स्वतंत्रता की ओर है–उस बंधन से मुक्ति की ओर जहाँ फल की चिंता कर्म को विकृत कर देती है।

आज की दुनिया में निष्काम कर्म का अर्थ यह नहीं कि आप वेतन, पदोन्नति, सफलता या मान्यता की चिंता पूरी तरह छोड़ दें। इसका अर्थ यह है कि आपका फोकस कर्म के संपूर्णता और ईमानदारी पर हो–फल उस कर्म का स्वाभाविक परिणाम बने, बाध्यता नहीं। निष्काम कर्म का सार यह नहीं कि आप फल न चाहें, बल्कि यह कि फल आपकी मूल प्रेरणा न बने।

क्या कोई भी काम वास्तव में बिना किसी इच्छा या उम्मीद के किया जा सकता है ?सीधा और ईमानदार उत्तर–पूरी तरह नहीं।मनुष्य की प्रकृति ही ऐसी है कि वह आशाओं और इच्छाओं से जुड़ा रहता है। हर काम के पीछे कोई न कोई उम्मीद होती ही है–कभी सम्मान की, कभी सुरक्षा की, कभी परिवार की जिम्मेदारी निभाने की, कभी आत्म-संतोष की, या सिर्फ इस खुशी की कि मैंने सही काम किया। ये सभी इच्छाएँ बाहर दिखाई न दें, पर अंदर मौजूद रहती हैं। इसलिए बिल्कुल निष्काम होकर काम करना एक आदर्श तो हो सकता है, पर व्यवहार में यह पूरी तरह संभव नहीं।

लेकिन गीता का सौंदर्य यही है कि वह इस सच्चाई को स्वीकार करती है। कृष्ण यह नहीं कहते कि इच्छा छोड़ दोक्योंकि इच्छा मनुष्य की बुनियादी जरूरत है। गीता यह सिखाती है कि इच्छा को खत्म नहीं करना है; बस उसे अपने ऊपर हावी नहीं होने देना है। यही असली निष्कामता है।

आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहाँ हर चीज परिणाम पर टिकी है–नौकरी का लक्ष्य, पढ़ाई का स्कोर, सोशल मीडिया की लाइकें, समाज की अपेक्षाएँ। ऐसे माहौल में फल की चिंता मत करो सुनना कठिन लगता है। लेकिन गीता का मकसद यह नहीं कि परिणाम को अनदेखा कर दिया जाए। उसका संदेश है कि परिणाम का दबाव मन की शांति को न तोड़े,और इच्छा हमारे कर्म की दिशा न बदल दे।

निष्कामता का अर्थ फल को अस्वीकार करना नहीं; उसका अर्थ है–फल को कर्म का चालक न बनने देना।

कृष्ण का निष्काम कर्म का संदेश आज के जीवन में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कुरुक्षेत्र में था। इसका मतलब सरल है कि कर्म पर अपना पूरा ध्यान रखें, परिणाम की चिंता मन को मत घेरने दें। आज हम ऐसे समाज में जी रहे हैं जहाँ हर काम को परिणाम, लाभ, शंका और भय को पहचानकर उसे नियंत्रित करना सीखना चाहिए।

आज भी जब हम जीवन की जटिलताओं में फंसते हैं–नौकरी, रिश्ते, समाजिक जिम्मेदारियाँ या व्यक्तिगत लक्ष्य–तब अर्जुन हमारे भीतर खड़ा होता है। हम भी उसी रथ पर हैं, उसी रेखा पर खड़े हैं, जहाँ निर्णय हमें चुनौती देते हैं। गीता हमें यही सिखाती है कि कर्म हमारा धर्म है, और उसका पालन यानी काम पूरी निष्ठा से करो,पर परिणाम को लेकर बेचैन मत हो जाओ।यही संतुलन आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है–जहाँ हम काम करते रहें, पर काम हमें खाता न चला जाए; जहाँ हम उम्मीदें रखें, पर उम्मीदें हमें बाँध न लें। यही गीता का निष्काम कर्म है–सरल, व्यावहारिक और आज के जीवन के लिए बिल्कुल जरूरी।

कर्म मानव के हाथ में है–उसकी निष्ठा, उसकी सदिच्छा, उसका परिश्रम। परंतु फल असंख्य कारकों के मेल से जन्मता है–समय, परिस्थिति, समाज, संसाधन, और कई बार संयोग भी। यदि मनुष्य अपने कर्म को फल की शर्त पर टिका दे, तो उसका मन निरंतर चिंता, असुरक्षा और अपेक्षाओं से भरा रहेगा। ऐसे में कर्म एक साधना न रहकर एक सौदा बन जाता है।

कृष्ण का आग्रह है कि मनुष्य कर्म को उसकी पूर्णता में करे–सजगता, नैतिकता और उत्फुल्ल मन से। फल की प्राप्ति तब भी होगी, लेकिन वह हमारे भीतर हृदय-शांति को न कुचलकर उसे विस्तार देगी।

सफलता या मान्यता से तौला जाता है। नौकरी, पढ़ाई, रिश्ते, सोशल मीडिया–हर जगह परिणाम केंद्रित दृष्टि है। ऐसे में कई बार हम निर्णय लेने से डरते हैं, अवसरों को छोड़ देते हैं, सिर्फ इसलिए कि असफलता का डर भीतर उभरता है। जीवन हमें बार-बार कठिन विकल्पों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के सामने खड़ा करता है। अर्जुन ने जैसे अपने कर्तव्य से पलायन करने की सोची, हम भी अक्सर अपनी शिथिलता, भय या मोह के कारण निर्णय टालते हैं। पर गीता साफ कहती है–कर्म से भागना संभव नहीं, केवल उसका सामना करना पड़ता है।

अर्जुन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस मनुष्य का रूपक है जो अपने भीतर के संघर्ष और संशय से जूझ रहा है। वह वही बेचैनी है जो हमें असुरक्षा, सामाजिक दबाव या परिणाम की चिंता में घेर लेती है। कृष्ण का संदेश यही है कि परिणाम के भय से कर्म को स्थगित करना या उससे बचना कोई विकल्प नहीं है। कर्म करना अनिवार्य है; और कर्म करते समय मनुष्य को अपने भीतर की करना ही जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

गीता हमें यही सिखाती है कि फल केवल कर्म का प्राकृतिक परिणाम है, उसे तनाव या भय का कारण न बनने दें। कर्म का मूल्य उसके फल से नहीं, उसकी ईमानदारी, निष्ठा और नैतिकता से तय होता है। फल की लालसा कर्म को दूषित कर सकती है; इसलिए नीति, सत्य और अपने कर्तव्य का पालन केवल तभी तक न करें जब तक लाभ हो–बल्कि उन्हें अपने कर्म का स्थायी आधार बनाइए। असफलता व्यक्ति को छोटा नहीं बनाती; वह केवल परिणाम है, हम नहीं।

आज इसका आधुनिक रूप यह है–परिणाम में रुचि रखना ठीक है, पर परिणाम में फँसना नहीं। कर्म करो, पर फल तुम्हें नियंत्रित न करे। और सबसे महत्वपूर्ण, अपने भीतर के भय को निर्णय का मार्गदर्शक न बनने दो।

यही निष्काम कर्मयोग की व्यावहारिक शिक्षा है–एक ऐसा मनोवैज्ञानिक अनुशासन जो मन को स्थिर रखता है, निर्णय को स्पष्ट करता है और जीवन को संतुलित बनाता है। इसे अपनाना कठिन हो सकता है, लेकिन यह संभव है, और आज के समय में अत्यंत उपयोगी भी।

जब हम गीता की ओर देखते हैं, तो अर्जुन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हर युग के हर मनुष्य की मनोस्थिति का प्रतीक हैं। उनके रथ पर खड़े होने, दुविधा और भय के क्षण हमें आज भी दिखाते हैं कि मनुष्य अपने कर्म के प्रति कितना असुरक्षित हो सकता है। आज का मनुष्य भी अनिश्चितताओं, अपेक्षाओं और दबावों के बीच उसी रथ पर खड़ा है।

परंतु गीता का संदेश यही है कि कर्म का कोई विकल्प नहीं। परिणाम चाहे जितना भी अनिश्चित हो, कर्म को करना ही होगा। यही मानव की असली जिम्मेदारी है। और अर्जुन की दुविधा हमें यह सिखाती है कि मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, उसके भीतर का भय, संदेह और लालसा है।

तो क्या आज निष्काम कर्म संभव है? सीधे शब्दों में–पूरी तरह नहीं, क्योंकि हमारे हर निर्णय और प्रयास में सूक्ष्म रूप से किसी न किसी फल की आशा जुड़ी रहती है। पर गीता हमें यह सिखाती है कि फल की चिंता को कर्म का मार्गदर्शक न बनने दें। कर्म करो, पर परिणाम को मन का बोझ न बनाओ। यह इच्छाओं पर नियंत्रण का अभ्यास है, निषेध नहीं।

आज निष्काम कर्म का अर्थ यह है कि हम अपने कर्तव्य, नैतिकता और निष्ठा पर पूरी तरह फोकस करें। परिणाम चाहे जैसा भी हो, वह हमारी पहचान या मूल्य को परिभाषित न करे। हम अपने भीतर के भय और संदेह को जीतकर ही वास्तविक स्वतंत्रता और स्थिरता पा सकते हैं।

अर्जुन आज भी प्रतीक हैं–हम सभी उन रथों पर खड़े हैं जहाँ निर्णय लेने का समय आता है। और निष्काम कर्म की चुनौती आज भी उतनी ही वास्तविक है–यह केवल आदर्श नहीं, बल्कि मनुष्य की आंतरिक शक्ति और स्वतंत्रता का अभ्यास है।अर्जुन केवल एक पात्र नहीं; वह हमारे भीतर के भय, संशय और मोह का प्रतीक है। और जब हम अपने भीतर के अर्जुन को समझते हैं, तभी हम वास्तव में कर्मयोग के मार्ग पर चल पाते हैं–निष्काम, निष्ठावान और सशक्त।

लेखक के निजी विचार है।

संपादकीय

अवसाद से मुक्ति

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनावग्रस्त हो जाते हैं। एक भय हावी हो जाता है, जिससे वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। कुछ छात्र तो अक्सर खूब पढ़कर जाने के बावजूद परीक्षा के दौरान तनाव के चलते सब कुछ भूल जाते हैं। दरअसल, हमारा शैक्षिक परिवेश हाल के दिनों में बेहद प्रतिस्पर्धी हो चला है। मासूम बच्चों के सामने गला-काट स्पर्धा होती है। विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़े हैं, जिससे स्पर्धा और कठिन हो गई है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश हो या फिर नौकरी के अवसर, वे प्रतियोगियों के मुकाबले बहुत कम होते हैं, जिसकी परिणति छात्रों में बढ़ते तनाव और कालांतर में उसके अवसाद में बदलने के रूप में होती है। यही वजह है कि स्कूल-कालेजों के परीक्षा परिणाम आने पर देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुर्खियां अखबारों में बनती हैं। सुखद है कि अब आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसे शारीरिक संकेतकों का पता लगाया है, जिससे पता चल सकेगा कि किन छात्रों में परीक्षा के दौरान चिंता बढ़ने का जोखिम अधिक है। इस खोज को शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन व प्रदर्शन सुधारने हेतु बड़े बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में यह शोध बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजना भी तैयार हो सकेगी।

यह वैज्ञानिक सत्य है कि किसी भी व्यक्ति में मस्तिष्क व हृदय के बीच संचार-तंत्र टूटने से तनाव पैदा होता है। ऐसे में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा के तनाव को पहचानने के जो जैविक संकेत पहचाने हैं, वे आने वाले समय में परीक्षा तनाव प्रबंधन में मददगार साबित हो सकते हैं। कोशिश है कि अब एआई की मदद से छात्रों के तनाव जोखिम की पहचान की जा सके। दरअसल, नये शोध की मुख्य बातें दो शारीरिक संकेतों को जोड़ने में निहित हैं। फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री यानी एफएए, जो कि भावनात्मक नियमन का मस्तिष्क आधारित संकेतक है। दूसरा हार्ट रेट वैरिएबिलिटी, जो हृदय के अनुकूलन नियंत्रण को मापता है। ये संकेत चिंताग्रस्त छात्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। शोधार्थियों ने पाया कि जिन छात्रों में एफएए पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव से हृदय के संतुलन तंत्र की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। दरअसल, परीक्षा को लेकर जो अधिक फिक्र है, वो हृदय की प्रतिक्रिया को भी बाधित करती है। परिणामस्वरूप वे अधिक तनाव में आ जाते हैं। शोध में इन तथ्यों को भी समझने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र परीक्षा के तनाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करने में कैसे सफल हो जाते हैं। वहीं कुछ छात्र चिंताग्रस्त होकर परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। दरअसल, साल भर नियमित पढ़ाई न करने और परीक्षा सामने आने पर वे घबराहट में तनावग्रस्त हो जाते हैं। एनसीआरटी का एक अध्ययन बताता है कि देश में 81 फीसदी छात्र परीक्षा को लेकर तनाव में रहते हैं। उम्मीद है नया शोध का निष्कर्ष समस्या का कारगर समाधान करेगा।

आलू की मां है टमाटर

डॉ. संदीप कणप्प

करीब 90 लाख साल पहले दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वत अभी बढ़ ही रहे थे। उस समय इंसानों का अस्तित्व नहीं था, लेकिन पौधों की दो किस्में साथ-साथ उग रही थीं। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूज़ियम की वनस्पति विज्ञानी डॉ. सैंड्रा नैप कहती हैं, इनमें से एक था सोलेनम लाइकोपर्सिकम (टमाटर) और दूसरा था सोलेनम एट्यूबरोसम। इनकी मौजूदा तीन प्रजातियां अब भी चिली और हुआन फर्नांडीज द्वीपों में पाई जाती हैं। जैसा कि इनके नामों से समझा जा सकता है, दोनों पौधों का आपस में संबंध था और इनकी आपस में ब्रीडिंग हुई। लाखों साल पहले सोलेनेसी फैमिली की दो प्रजातियों के संयोग से आलू का विकास हुआ।

डॉ. नैप कहती हैं, यह दिलचस्प है कि आलू जो लगभग रोज हमारे काम आता है और हमारे लिए बेहद अहम है, उसकी उत्पत्ति इतनी प्राचीन और असाधारण है। चाइनीज एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के प्रोफेसर सानवेन हुआंग कहते हैं, टमाटर आलू की मां है और एट्यूबरोसम पिता। कठोर और स्टार्च से भरा आलू लाल और रसीले टमाटर जैसा नहीं दिखता, लेकिन इस रिसर्च में शामिल डॉ. नैप कहती हैं, ये दोनों बहुत समान हैं। वैज्ञानिक के अनुसार, आलू और टमाटर की पत्तियां और फूल बहुत मिलते-जुलते हैं और आलू के पौधे का फल तो छोटे हरे टमाटर जैसा दिखता है। वैज्ञानिकों ने इस लोकप्रिय आलू की उत्पत्ति के रहस्य को सुलझाने के लिए दशकों तक कोशिश की। रिसर्च टीम ने आलू, टमाटर और एट्यूबरोसम सहित दर्जनों स्पीसीज के 120 से अधिक जीनोम (कोशिका में मौजूद सभी जीन या जेनेटिक सामग्री का सेट) का विश्लेषण किया। आलू के जिन जीनोम का सीक्वेंस किया गया, उनमें मोटे तौर पर टमाटर-एट्यूबरोसम से समानता दिखी। इस तरह शोधकताओं ने आलू और टमाटर के बीच रिश्ते की खोज की, जो लाखों साल पहले दक्षिण अमेरिकी पहाड़ियों की तलहटी में बना था। अलग-अलग अध्ययन किए गए। आलू का निर्माण जिस हाइब्रिडाइजेशन से हुआ वह एक सुखद दुर्घटना से भी अधिक था। इसने आलू को जन्म दिया जो कमाल की चीज साबित हुई। इसके अस्तित्व ने पौधे को बीज के बिना प्रजनन करने के सक्षम बनाया। चीनी टीम ऐसे आलू बनाना चाहती है, जिन्हें बीज से उगाया जा सके और जिनमें जेनेटिक बदलाव संभव हो। डॉ. नैप के अनुसार, तो हमने इस शोध के लिए कई अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाए और हर दृष्टिकोण से नए सवाल किए। इस वजह से इस अध्ययन में शामिल होना और इस पर काम करना बहुत मजेदार रहा।

लेखक के निजी विचार है।

भारत में आतंकवाद के गहरे तंत्र का विनाश कैसे हो

सुशील कुमार
शोध छात्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला

दिल्ली लाल किला आतंकवादी कार विस्फोट की छानबीन से आ रही जानकारियों ने पूरे देश में भय और सनसनाहट पैदा किया हुआ है। अभी तक की जानकारियां बता रही हैं कि अगर आतंकवाद का यह मॉड्यूल सफल हो गया होता तो देश में जगह-जगह अनगिनत विस्फोट होते और उसमें होने वाली मानवीय एवं संपत्तियों की क्षति का तो आकलन भी नहीं किया जा सकता। सच कहें तो आतंकवाद के दौर की शुरूआत से अब तक पूरे देश में विध्वंस पैदा करने का यह सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है। बताया गया है कि विस्फोट के लिए 32 कारों की व्यवस्था थी जिनमें से कई बरामद हो चुके हैं। इन कारों के अलावा अलग-अलग तरीकों से भी विस्फोटों की तैयारी थी। उनकी तैयारीयों का एक उदाहरण देखिए । कार विस्फोट में आत्मघाती बना उमर उन नबी के जम्मू कश्मीर अनंतनाग के काजीगुंडा के गिरफ्तार साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश से पता चला है कि हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इसराइल पर किए गए ड्रोन और रॉकेट से हमला की पुनरावृति करने की भी तैयारी थी । उसे छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है। उसने डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी और वह भीड़भाड़ वाले इलाके में ड्रोन से बम गिराने की योजना को साकार करने के लिए ड्रोन और रॉकेट बनाने की कोशिश कर रहा था। विस्फोट में इस्तेमाल कार खरीदने के लिए दिल्ली आया राशिद अली भी जम्मू कश्मीर का रहने वाला है। वास्तव में अब तक की छानबीन हमें कई पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने को भी विवश करती है।

अभी तक इस भयानक आतंकवादी मॉड्यूल में छह ऐसे सम्मिलित डॉक्टर गिरफ्तार किए गए हैं जिनका दिमाग चिकित्सा में अच्छा करने की जगह मजहब के नाम पर हमला हत्या और विध्वंस पैदा करने की दिशा में ही लगा था। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।

इन्होंने अचानक कर विस्फोट नहीं किया बल्कि पहले से कोशिश चल रही थी। 6 दिसंबर को अयोध्या से लेकर अनेक स्थलों पर विस्फोट करने और उसके बाद इसकी श्रृंखला कायम रखने की तैयारी थी । अलफलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार

डॉ. मुजम्मिल गनई के मोबाइल फोन से प्राप्त डंप डेटा से पता चला है कि उसने और उमर ने इस वर्ष जनवरी में लाल किले क्षेत्र की भी कई बार रेकी की थी। ये रेकी गणतंत्र दिवस पर इसको निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी। उस समय क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण ये ऐसा नहीं कर सके । उच्च शिक्षित होने के कारण ये किस तरह हर प्रकार की तकनीक को समझ कर उसका उपयोग कर पाते थे इसका प्रमाण भी देखिए। उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शहीन शाहिद ने स्विट्जरलैंड के थ्रीमा नाम के एन्क्रिप्टेड ऐप से बातचीत की थी। इसी ऐप के जरिए वे धमाके की योजना, नक्शे सहित आवश्यक दस्तावेज व जानकारियां साझा कर रहे थे। थ्रीमा ऐप फोन नंबर या ईमेल के बिना काम करता है और हर यूजर को एक यूनिक आईडी देता है, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हम और आप में से कितने लोगों ने थ्रीमा ऐप का नाम सुना है या उपयोग किया है? पता नहीं अभी इसमें और क्या-क्या जानकारियां सामने आएंगी। डॉक्टर बनने वाला कोई व्यक्ति छात्र के रूप में थोड़ा मेधावी तो होगा ही। इमरान मसूद जैसे नेता इनको भटका हुआ बता दें या हुसैन दलवई जैसे मुस्लिम नेता कहें कि चुनाव के पहले ही विस्फोट क्यों होता है, यह कहा जाए कि आप इसको इस्लामी आतंकवाद ना कहिए तो क्या उत्तर दिया जा सकता है? पुलिस की छानबीन में उनके पहले किसी अपराधी से संपर्क आदि की भी जानकारी नहीं है। एक डॉक्टर को समाज में इज्जत मिलती है और उसकी गतिविधियों पर सहसा संदेश नहीं किया जा सकता। आखिर कानपुर में किसने सोचा होगा कि डॉक्टर शाहीन शाहिद जैश ए मोहम्मद की इतनी बड़ी आतंकवादी होगी और उसके पास एक-47 जैसा हथियार? होगा? सामने आया है कि धमाके के लिए 20 से 25 लख रुपए इकट्ठा करने में उसकी प्रमुख भूमिका थी। इसमें हरियाणा और पंजाब से लेकर दिल्ली, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश तक आसानी से लोग आतंकवादी बन जाते हैं तो इसका कारण समझने के लिए अंतरिक्ष विज्ञानी होना आवश्यक नहीं है।

बगैर स्थानीय और परिवार के लोगों के सहयोग के इतना बड़ा तंत्र खड़ा हो ही नहीं सकता। फरीदाबाद के धौज मस्जिद के इमाम इश्तियाक और सिरोही मस्जिद के इमाम इमामुद्दीन अगर आतंकवाद इस्लाम का काम या जिहाद मानकर उनकी मदद कर रहे थे तो क्यों? इनने मिलकर पूरी अलफलाह यूनिवर्सिटी को ही आतंकवाद के बड़े केंद्र में बदल दिया था। पठानकोट से गिरफ्तार डॉक्टर रईस अहमद भी पहले अलफलाह यूनिवर्सिटी में काम करता था। इसी तरह हापुड़ के जीएस मेडिकल कॉलेज से गिरफ्तार डॉक्टर फारूक अहमदार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में सीनियर रेजिडेंट रह चुका है। वह जम्मू-कश्मीर के बीरवाह जिले के बडगांव, वीरिपुरा के रहने वाला है। डॉ मुजम्मिल जब विस्फोटक जमा कर रहा था तो किसी ने उसको टोका तक नहीं। पुलिस को बताया गया कि जब उससे पूछा तो कहा कि खेती का खाद रख रहे हैं और इसे जम्मू कश्मीर ले जाना है। जब मजहब के चेहरे इमाम तक इसमें शामिल हों तो रोक-टोक होगी कहां से। कोई कह सकता है कि परिवार की इसमें भूमिका नहीं है । डॉ उमर नबी के मोबाइल को तोड़ कर फेंकने वाला परिवार ही था। एनआईए को उसके भाई ने बताया कि डॉ उमर नबी यहां आया था और उसने कहा था कि अगर मेरे बारे में कोई समाचार आए तो मोबाइल को नष्ट करके पानी में फेंक देना और हमने फेंक दिया। क्या भाई और परिवार ने उससे नहीं पूछा कि कौन सा समाचार आएगा? क्या समाचार आने के बाद उनका दायित्व नहीं था कि पुलिस के पास मोबाइल पहुंचायें? आखिर उसने तो अपने को उड़ा लिया था और उसे बचाने की भी समस्या नहीं थी? इसी तरह डॉक्टर शाहीन का भाई डॉ परवेज की भूमिका अभी तक संदिग्ध मानी जा रही है। सीसीटीवी फुटेज बता रहे हैं कि उमर नबी धमाके से पहले हरियाणा के मेवात गया था। फिरोजपुर झिरका टोल प्लाजा फुटेज में उसकी कार दिखाई दी, जिसमें विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी। यह फुटेज 10 नवंबर की सुबह, यानी धमाके वाले दिन की है। जांच में पता चला है कि मेवात क्षेत्र - गुरुग्राम, नूंह और आसपास से ही 20 क्विंटल से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट खरीदा गया था । विस्फोटक में इस्तेमाल की गई खाद भी उमर ने मेवात से ही खरीदी थी। स्वयं को कार में उड़ाने के पूर्व उमर नबी का मेवात जाना, होटल में भोजन करना, काफी देर तक रुकना आदि के कोई निहितार्थ हैं या नहीं?

इन सबके बावजूद अगर आक्रामक रूप में प्रतिक्रिया है कि इस मुद्दे को बड़ा नहीं बनाया जाए और मुसलमान या एक समुदाय को बदनाम नहीं किया जाए तो यह देश की सामान्य स्थिति नहीं। कोई सांसद उन्हें भटका हुआ बता रहे हैं तो कोई कह रहे हैं कि अभी इसके प्रमाण क्या हैं.. किसी का तर्क है कि पहले भी आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार लोग लंबे समय बाद रिहा किए गए हैं ङ्क्या हिंदुओं ने आतंकवाद नहीं किया है..आदि आदि। सच कह तो इस तरह की प्रतिक्रियायें उन आतंकवादियों के उन्मादी जेहादी विचारों और हिंसक कृत्यों से ज्यादा खतरनाक माना जाना चाहिए। यही प्रतिक्रिया ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ाता है। देश हम सबका है और सभी को विचार करना पड़ेगा कि आखिर आतंकवाद से प्रत्यक्ष संघर्ष की बजाय ऐसी प्रतिक्रियाओं से उनके परोक्ष समर्थन के व्यापक व्यवहार से कैसे निपटा जाए । अभी एक मॉड्यूल हमारे सामने आया है। निश्चित मानिए ऐसे कई मॉड्यूल देश के अलग-अलग जगहों में सक्रिय होकर साजिशों को अंजाम देने में संलिप्त होंगे। किसी तरह वे कुछ करने में सफल हुए या साजिश अंजाम देने के पहले पकड़े गए तब भी सामूहिक प्रतिक्रिया ऐसी ही होगी।

लेखक के निजी विचार है।

सांसदों को जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारीः नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि सभापति राधाकृष्णन ने सत्य को समझा है और जीवन का मार्ग चुनने की कला को अपने जीवन में अपनाया है।

नड्डा ने कहा, ₹मल्लिकार्जुन खरगे साहब कह रहे थे कि आप कांग्रेस के घराने से आते हैं। मैं इसे दूसरे तरीके से देखता हूं। कांग्रेस घराने से आते थे और संघ की शाखा से जुड़े। आपके बड़ों ने तकरीर भी की, ये भी कहा कि ये गैर राष्ट्रवादी हैं, आपका जवाब था कि मैंने उनको देखा-परखा है, साथ काम किया है और वह राष्ट्रवादी हैं और सही राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि सभापति कभी दवाब में नहीं आए। स्वचेतना से आपने अपने जीवन की विचारधारा की राह तय की। सारा जीवन सामाजिक कार्यों में गया। आपका काम करने का तरीका समाज के प्रति समर्पण हमेशा दिखता रहा। भले ही सभापति का अनुभव राजनीतिक क्षेत्र में रहा है, लेकिन वे सदैव सामाजिक मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने राधाकृष्णन द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का उल्लेख किया– दो बार सांसद, अहम कमेटियों में रहे और महाराष्ट्र व झारखंड के राज्यपाल के रूप में सेवा की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन समर्पण के साथ राज्यसभा का नेतृत्व करेंगे। नड्डा ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें संसद का जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी।

इससे पहले सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपराष्ट्रपति एवं नवनियुक्त सभापति राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि सदन की निष्पक्ष एवं सुचारु कार्यवाही में विपक्ष पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्यों को समान अवसर मिलना चाहिए।

खरगे ने अपने पूर्व सभापति के ह्लअप्रत्याशित और अचानकह्व इस्तीफे का उल्लेख किया और कहा कि राज्यसभा पूरे सदन की संरक्षक है, यह जितनी सरकार की है उतनी ही विपक्ष की भी है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। खरगे ने कहा कि उन्हें अफसोस है कि सदन को पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ को विदाई देने का अवसर नहीं मिला। खरगे के इस बयान पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शोरगुल के बीच कहा कि सदन में विपक्ष के नेता का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्हें इस मौके पर पूर्व सभापति का जिक्र नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने दो बार उनके खिलाफ पद से हटाने का नोटिस दिया था और उसकी कॉपी भी मौजूद है। उन्होंने उनका अपमान किया और आज इस पवित्र मौके पर सदन को ज्ञान दे रहे हैं। इस पर जेपी नड्डा ने हस्तक्षेप करते हुए इस मुद्दे को अप्रासांगिक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही पूर्व सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले कर आई थी।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदन के बाहर अपना वक्तव्य दिया। बिहार, हरियाण की हार ने कांग्रेस को तकलीफ पहुंचाई है। उस तकलीफ को डॉक्टरों के सामने बोलना चाहिए। फिलहाल सभापति का अभिनंदन चल रहा है तो सभी सदस्य उसी पर केंद्रित रहें तो अच्छा रहेगा।

इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्राइन, डीएमके के त्रिची शिवा, आरपीआई(ए) के रामदास आठवले सहित सभी दलों के नेताओं ने उनका स्वागत किया। अंत में सभापति राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों का आभार जताया।

उन्होंने भारत माता को प्रणाम करते हुए सभी नए सदस्यों का सदन में स्वागत किया। उन्होंने सभी को विश्वास दिलाया कि सदन की महान परंपरा को कायम रखेंगे। उन्होंने सदन में बतौर सभापति अपने कार्यकाल की शुरूआत के मौके पर यह भी कहा कि हमें किसी की भावनाएं आहत करने का कोई अधिकार नहीं है। हमें दूसरों के भिन्न विचारों के प्रति सहनशीलता रखनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

एजेंसी

जनेवा: दुनिया भर के मानवाधिकार संगठनों और प्रवासी समुदायों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते हिंसक हमलों और उत्पीड़न का मुद्दा गंभीरता से उठाया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मुख्यालय में अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर यहां आयोजित 18वें सत्र में हिस्सा लेते हुए इन संगठनों के प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समूहों पर हो रहे हमलों का विस्तृत विवरण पेश करते हुए चिंता जतायी। सभी संगठनों ने संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। सत्र में अपना पक्ष रखने वाले संगठनों में ब्यूरो ऑफ ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस (बीएचआरजे), केअर्स ग्लोबल, एनआईसीई फाउंडेशन, ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश (एचआरसीबीएम), फ्रांस की जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश (जेएमबीएफ), स्विट्जरलैंड की सेक्युलर बांग्लादेशी डायस्पोरा, ग्लोबल डायस्पोरा कम्युनिटी (बांग्लादेश), ऑल यूरोपियन मुक्ति योद्धा संगठन, इंटरनेशनल फोरम फॉर सेक्युलर बांग्लादेश (स्विट्जरलैंड), प्रोबाशी टांगाइल कल्चर फ्रैंकफर्ट आदि संस्थाएं शामिल रहीं।

वक्ताओं ने कहा कि 1971 में स्वतंत्रता के बाद से ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय सामाजिक और प्रशासनिक भेदभाव में जी रहे हैं, लेकिन 2024 के बाद स्थिति अत्यंत भयावह रूप धारण कर चुकी है।

मसाला बॉन्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री विजयन, पूर्व मंत्री इसाक को ईडी का कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) मसाला बॉन्ड से संबंधित मामले में 466 करोड़ रुपये का फेमा नोटिस भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईडी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के द्वारा जारी ह्यमसाला बॉन्डह्न से जुड़े कथित उल्लंघन के संबंध में

कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री टी.एम. थॉमस इसाक और केआईआईएफबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के.एम. अब्राहम को भी ईडी से नोटिस मिला है।ईडी की ये जांच केआईआईएफबी द्वारा मसाला बॉन्ड के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने और फेमा मानदंडों के अनुपालन से संबंधित है। केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड बड़ी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकार की प्राथमिक एजेंसी है। इसने राज्य में बड़ी व महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की अपनी योजना के तहत 2019 में अपने पहले मसाला बॉन्ड इश्यू के जरिए से 2,150 करोड़ रुपये जुटाए थे। उल्लेखनीय है कि मसाला बॉन्ड भारत के बाहर जारी किये जाने वाले बॉन्ड होते हैं लेकिन स्थानीय मुद्रा के बजाय इन्हें भारतीय मुद्रा में जारी किया जाता है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत ने केरल के सीएम पिनराई विजयन और अन्य को ये नोटिस करीब 10-12 दिन पहले जारी किया था।

जनहित और अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए सदन चलना जरूरी : मायावती

एजेंसी

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने जनहित सहित विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए सदन का चलना आवश्यक है।

मायावती ने सोमवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है लेकिन हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शान्तिपूर्ण तरीके से संचालित हों, ताकि देश व जनहित के जरूरी और अहम मुद्दों पर चर्चा हो। खासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी तथा वोटर लिस्ट के सघन रिवीजन अर्थात एसआईआर को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों एवं आपत्तियों पर चर्चा हो सके और इनका उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके। उन्होंने कहा कि केवल आरोप-प्रत्यारोप से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यापक देश व जनहित साधने हेतु संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिये सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी तरह से संवेदनशील एवं गंभीर होने की जरूरत है।

दिल्ली के प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब-हरियाणा की पराली नहीं, बल्कि स्थानीय समस्याएंः भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में बताया कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना नहीं बल्कि वाहनों का धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों की धूल और बायोमास जैसे स्थानीय स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं में पंजाब और हरियाणा में साल 2022 की तुलना में 2025 में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है और इसके साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के जवाब में बताया कि दिल्ली में 200 से कम एक्यूआई वाले दिन साल 2016 के 110 से बढ़कर 2025 में 200 हो गए हैं।

जबकि, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी वाले दिन साल 2024 के 71 से घटकर 2025 में 50 रह गए हैं। पराली जलाना भले सर्दियों में प्रदूषण को प्रभावित करता है लेकिन यह मुख्य कारण नहीं है और प्रदूषण का बड़ा हिस्सा दिल्ली एनसीआर के भीतर के कारणों से आता है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए 2018-19 से 2025- 26 तक पंजाब और हरियाणा को कुल 3120 करोड़ रुपये की सहायता दी है। दोनों राज्यों में 2 लाख 60 हजार से अधिक सीआरएम मशीनें किसानों और सीएचसी को उपलब्ध कराई गई हैं। छोटे किसानों के लिए मशीनों की निशुल्क उपलब्धता की योजना बनाने और ईंट भट्टों तथा थर्मल पावर प्लांटों में धान के भूसे से बने बायोमास पेलेट और ब्रिकेट का उपयोग अनिवार्य करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। एनसीआर और आसपास के इलाकों में थर्मल पावर प्लांटों को कोयले के साथ कम से कम 5 से 10 प्रतिशत बायोमास को फायरिंग का पालन करना होगा।भूपेंद्र यादव की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि पराली पर नियंत्रण के लिए पंजाब और हरियाणा के हॉटस्पॉट जिलों में सीपीसीबी की 31 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें तैनात की गई हैं, जो रोजाना निगरानी कर रिपोर्ट देती हैं।

विश्व धरोहर सांची में बौद्ध विचार पर एकाग्र दो दिवसीय महाबोधी महोत्सव का समापन

▶▶ श्रीलंका की ललिता गोमरा एवं साथी कलाकारों ने दी लोकनृत्य एवं लोकगायन की प्रस्तुति

▶▶ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध कवियों ने किया कविता पाठ

एजेंसी

रायसेन : मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर सांची में मप्र संस्कृति विभाग द्वारा कलाओं में बौद्ध विचार पर एकाग्र दो दिवसीय महाबोधी महोत्सव का रविवार देर रात समापन हुआ।

यहां बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क(पुराना विश्राम भवन परिसर) में जिला प्रशासन, रायसेन एवं महाबोधी सोसायटी ऑफ श्रीलंका के सहयोग से आयोजित इस समारोह में अंतिम दिन श्रीलंका की ललिता गोमरा एवं साथी कलाकार लोकनृत्य एवं लोकगायन के माध्यम से श्रीलंका की संस्कृति को मंच पर लेकर आविर्भूत हुए। समारोह की अंतिम सभा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की हुई, जहाँ सूर्यकुमार पाण्डेय (लखनऊ), स्वयं श्रीवास्तव (उन्नाव), सुमित मिश्रा (ओरछा), अभिसार शुक्ला (दिल्ली), हिमांशी बाबरा (मेरठ), मनु वैशाली (दिल्ली), दीपक शुक्ला (भोपाल) एवं चेतन चर्तित(इंदौर) ने कविता पाठ किया।महाबोधि महोत्सव में दूसरे दिन रविवार को सांस्कृति संध्या की शुरू शाम 6.30 बजे हुई। समारोह में श्रीलंका के दल ने प्रसिद्ध गीत हिमी सरनामर लोक शिवंकर... से भगवान बुद्ध को नमन किया कर मिथ मल पिपिदेवा... गाकर श्रोताओं के मन को आत्मिक शांति का एहसास कराया।

कार्यक्रम को विस्तार देते हुए मंगलम पूजा की प्रस्तुति दी, यह प्रार्थना श्रीलंका में त्योहार के समय भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए की जाती है। पांच मिनट की इस अद्भुत प्रस्तुति के पश्चात भगवान बुद्ध को समर्पित पारंपरिक सिंहली गीतों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने प्रस्तुति के क्रम को आगे बढ़ाते हुए वेस नृत्य लेकर मंच पर नमूदार हुए।

किंवदंती के अनुसार इस नृत्य की उत्पत्ति कोहोम्बा कंकरिया (देवता) नामक एक नृत्य अनुष्ठान से हुई है, जिसे कोहोम्बा याक कंकरिया या कंकरिया भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि मलया राता नामक स्थान के राजा और उसके भाइयों ने पहली कंकरिया नृत्य प्रस्तुति दी थी। इसकी उत्पत्ति भारत की भी मानी जाती है। कलाकारों ने यह नृत्य भगवान बुद्ध को समर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात कलाकारों ने बुद्धं शरणं गच्छामि... गीत पर नृत्य प्रस्तुति दी। इसके बाद कवि सम्मेलन हुआ, जिसमें सूर्यकुमार पाण्डेय ने पैकिंग पुरानी पड़ चुकी, लगेज वही है, क्या एज से होता है, ऑलवेज वही है... एवं दर्द के इन हजार घंटों में, हास्य का एक पल जरूरी है, बहुत टेंशन है यार लाइफ में... जैसी हास्य व्यंग्य की रचनाएं पेश की। स्वयं श्रीवास्तव ने दुनिया समझ रही है कि चमक गया हूँ मैं, पर दिल ही जानता है कितना थक गया हूँ मैं, आसान लग रहा है सफर देखने में पर, दीवानगी की आखिरी हद तक गया हूँ मैं... एवं मुश्किल थी संभलना ही पड़ा, घर के वास्ते, फिर घर से निकलना ही पड़ा घर के वास्ते, मजबूरियों का नाम हमने ₹शौक ₹ रख दिया, हर ₹शौक बदलना ही पड़ा, घर के वास्ते... रचना सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया।

संक्षिप्त खबरें

धर्मांतरण विवाद के बीच 36 घंटे तक पड़ा रहा शव

पश्चिम मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा के जालिमांदा क्षेत्र के गोपालपुर गांव में धर्मांतरण पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। गांव के निवासी सुबल बेसरा (42) की शनिवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई, लेकिन यह तय न हो पाने के कारण कि उनका अंतिम संस्कार किस धर्म के अनुसार होगा, शव 36 घंटे तक पड़ा रहा।चार साल पहले सुबल और उनका परिवार हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म में दीक्षित हुए थे। मृत्यु के बाद सुबल की मां गांव के क्रिश्चियन समुदाय के प्रमुख रबी सोरेन के घर सहयोग मांगने गईं पर आरोप है कि रबी और उनका परिवार किसी भी तरह की मदद से पीछे हट गया।इसके बाद सुबल की मां आदिवासी समाज के मुखिया रवींद्रनाथ किस्कू के घर पहुंचीं। आदिवासी समाज ने चर्चा कर निर्णय लिया कि रविवार सुबह एक बार फिर ईसाई समुदाय से अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया जाएगा। किंतु ईसाई परिवारों ने यह कहते हुए मना कर दिया कि सुबल का परिवार अब धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय नहीं था, इसलिए वे अंतिम संस्कार में सहयोग नहीं करेंगे। इससे गांव में विवाद बढ़ गया। सूचना मिलने पर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और जिला परिषद की कर्माध्यक्ष शांति टुडू मौके पर पहुंचे। लंबी चर्चा और समझाने बुझाने के बाद अंततः क्रिश्चियन समुदाय सुबल का अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार हो गया। रविवार देर शाम को सुबल का अंतिम संस्कार क्रिश्चियन रीति से किया गया। आदिवासी समाज के युवा नेता सुनिल बेसरा ने कहा, ह्लगांव में कुछ परिवारों को बहलाझ्रफुसलाकर धर्मांतरण कराया गया है। सुबल का परिवार भी उनमें था। मृत्यु के बाद उनके समुदाय ने मदद नहीं की, इसलिए हमने बातचीत कर समाधान निकाला। चूंकि उन्होंने धर्म बदला था, इसलिए उसी धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार उचित था।

एसआईआर पर चर्चा नहीं कराना चाहती सरकार : गौरव गोगोई

नई दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही को विपक्षी दलों के हंगामे के कारण पहले दो बार और फिर अगले दिन मंगलवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा। इस पर लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा नहीं कराना चाहती है। गोगोई ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष दोनों के मुद्दे उठने चाहिए लेकिन आज पहले दिन से ही सत्ता पक्ष सिर्फ अपने मुद्दों पर ही चर्चा चाहता है। सत्ता पक्ष के लोग सिर्फ अपने द्वारा लाए गए कानूनों पर चर्चा करना चाहते हैं। सभी विपक्षी दलों की एक ही मांग है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर एक चर्चा हो, लेकिन सरकार नहीं बता पा रही है कि किस दिन यह चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी मर्जी से संसद चलाना चाहती है, जिसमें विपक्ष का कोई मुद्दा नहीं है। सत्ता पक्ष ने पूरे सदन और लोकतंत्र की मयार्दा को हाईजैक कर लिया है।

भाजपा ने कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी अपने पालतू कुत्ते को गाड़ी में लेकर संसद भवन पहुंचीं। इस पर एक नया विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे संसद को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस प्रकरण पर सांसद रेणुका चौधरी ने अपना बचाव करते हुए मीडियाकर्मियों से कहा कि संसद भवन आते समय रास्ते में उन्हें चोटिल कुत्ते का बच्चा दिखा। इस डर से कि कहीं वह कुचल न जाए इसलिए उसे उठाया और कार में यहां ले आई। फिर उसे वापस घर भेज दिया। उन्होंने कहा कि किसी जानवर की जान बचाने के काम पर कोई कैसे आपत्ति कर सकता है? चौधरी ने कहा, ₹जो काटते हैं, वे संसद में बैठकर सरकार चला रहे हैं। क्या इसमें कोई समस्या नहीं है? अगर वे किसी जानवर की देखभाल करती हैं तो यह चर्चा का विषय बन जाता है।₹ चौधरी ने कहा कि उन्होंने पहले भी सड़कों से कई स्वतंत्र कुत्तों को गोद लिया है। वहीं, डुमरियागंज से भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता। सांसद और उनके कुछ विशेषाधिकार होते हैं तो उनको अमर्यादित आचरण नहीं करना चाहिए। यह सदन सांसदों के लिए है, देश की नीतियों पर चर्चा करने के लिए है। जिन जनप्रप्रतिनिधियों को जनता ने चुना है, यह जगह उनके लिए है। कांग्रेस सांसद को एहसास नहीं है कि लोकसभा, राज्यसभा देश की जनता की भावनाओं को प्रतिबिंबित करने वाली है। यहां कुत्ते को लेकर आना सही नहीं है, वह देश को शर्मसार कर रही हैं।

बलोचिस्तान के नोक कुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर बीएलएफ का हमला

क्वेटा : पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के चगाई जिले में रविवार देररात नोक कुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) मुख्यालय दक्षिण पर बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमला कर राज्य और संघीय सरकार की नींद उड़ा दी। इस हमले में शामिल बीएलएफ की एक महिला सदस्य ने एफसी मुख्यालय के द्वार पर खुद को उड़ाकर अपने साथियों के प्रवेश करने का रास्ता साफ किया। एफसी ने तड़के कहा कि मुख्यालय में घुसे तीनों सशस्त्र हमलावरों को मार गिराया गया। वहीं, बीएलएफ ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों के हमले में एफसी के कई अधिकारी और कर्मचारी मारे गए हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एफसी के प्रवक्ता के बयान के अनुसार एक हमलावर को खुद को उड़ा लेने के बाद सुरक्षाबलों ने कम से कम तीन हमलावरों को मार गिराया गया। एफसी मुख्यालय पर हमले की यह कोशिश प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने की। प्रवक्ता ने कहा कि यह आत्मघाती हमला है। प्रवक्ता ने कहा कि परिसर पर तलाशी अभियान चल रहा है। परिसर के भीतर अभी तीन हमलावरों के होने के आसार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नोक कुंडी में हुए हमले के आसपास पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में एक चेक पोस्ट पर भी हमला होने की खबर है। नवंबर 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ सीजफायर खत्म करने के बाद पाकिस्तान में खासकर बलूचिस्तान में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। शनिवार को भी बलोचिस्तान के क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में सात धमाके हुए। एक धमाके में प्रांतीय राजधानी के पास रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा उड़ गया और देश के दूसरे हिस्सों में रेल आवागमन रोक दिया गया। देररात एक और घटना में क्वेटा के सरियाब इलाके में एक निर्माण कंपनी के शिविर पर अज्ञात हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का 31 किमी का हिस्सा ट्रायल रन के लिए खुला

नई दिल्ली : दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का अक्षरधाम से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक 31 किलोमीटर का हिस्सा रविवार-सोमवार रात आम वाहनों के ट्रायल रन के तौर पर खोल दिया गया। बैरिकेड हटते ही इस हिस्से पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि पूरा एक्सप्रेसवे अभी निमार्णाधीन है और इसे कई छोटे हिस्सों में तैयार किया जा रहा है, इसलिए पूरे प्रोजेक्ट को पूरी तरह खुलने में कुछ समय और लगेगा। फिलहाल अक्षरधाम से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक इसका 31 किलोमीटर का पहला हिस्सा आम लोगों के ट्रायल रन के लिए खोला गया है।

कानूनी पचड़े में पड़ी रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर'

रिलीज से पहले फिल्म 'धुरंधर' कानूनी पचड़े में पड़ गई है। मेजर मोहित शर्मा के परिवार वालों ने इस पर रोक की मांग की है। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' की काफी चर्चा है। दर्शक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले यह फिल्म कानूनी पचड़े में पड़ती नजर आ रही है। स्वर्गीय मेजर मोहित शर्मा के माता-पिता ने फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज की रोक के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। उनका आरोप है कि मेजर मोहित शर्मा के परिवार की बिना इजाजत के यह फिल्म बनाई गई।

याचिका में क्या है?

अपनी याचिका में, परिवार ने आरोप लगाया है कि फिल्म इंडियन आर्मी या मेजर शर्मा के कानूनी वारिसों से इजाजत लिए बिना बनाई गई। याचिका में कहा गया कि फिल्म में अशोक चक्र और मेडल विजेता मोहित शर्मा की जिंदगी, सीक्रेट ऑपरेशन और शहादत से सीधे जुड़ी हुई लगती है। उनका कहना है कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मेकर्स ने 'धुरंधर' को मेजर शर्मा की कहानी से जोड़ा है, लेकिन फिल्म बनाने वालों ने ना तो इसे माना है और न ही कभी परिवार से सलाह ली है।

बिना इजाजत के नहीं बन सकती फिल्म

याचिका में कहा गया है कि शहीद कोई फायदे की चीज नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वारिसों से इजाजत लिए बिना सैनिक की जिंदगी पर फिल्म बनाए। परिवार का कहना है कि बिना इजाजत के सैनिक की जिंदगी को दिखाना, संविधान के आर्टिकल 21 के तहत पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है।

सिद्धांत चतुर्वेदी के लिए प्यार 'एक एहसास', कहा –

'लव स्टोरी' तो बस एक शब्द है...

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। शुक्रवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर दिल छूने वाला पोस्ट किया। शुक्रवार को सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर एक छोटा-सा वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह अकेले पहाड़ की चोटी पर बैठे हैं, चारों तरफ बादल और हवा का शोर है। इस वीडियो के साथ उन्होंने प्यार और लव स्टोरी को लेकर गहरी बातें लिखीं, जो हर किसी को सोचने पर मजबूर कर रही हैं। अभिनेता ने वीडियो पोस्ट करने के साथ ही लिखा, 'लव स्टोरी, तो बस एक शब्द है, जिसे हम तब इस्तेमाल करते हैं, जब हमें कुछ भी समझ में नहीं आता है कि उस रिश्ते को क्या नाम दें। बात सीधी सी है कि सच्चे प्यार को किसी कहानी की जरूरत नहीं है और कहानी में प्यार नहीं होता है। उन्होंने आगे लिखा कि लव स्टोरी में शुरुआत, बीच और अंत तक बातें ही होती हैं। उन्होंने लिखा, 'प्यार तो बस एक एहसास है, जो किसी भी परिभाषा से बड़ा हो जाता है या फिर एक याद, जिसे हम कहानी का रूप देते हैं ताकि बीती हुई चीजों को समझ सकें। फिल्म 'दो दीवाने शहर में' की बात करें तो इसका निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है और प्रोड्यूस संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इसमें प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी हैं। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। फिल्म 29 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। अभिनेता की हालिया रिलीज फिल्म 'धड़क-2' थी। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित फिल्म का निर्माण करण जौहर ने किया था।

उत्तराखंड में अभिनेता श्रेयस तलपड़े-आलोक नाथ पर FIR

उत्तराखंड में पिछले सालों से चर्चा में रहे LUCC घोटाले में अब बड़ा मोड़ आया है। सीबीआई ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए 46 लोगों को आरोपी बनाया है। इसमें बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ भी शामिल हैं, जो इस ठगी करने वाली कंपनी के ब्रांड एंबेसडर थे। LUCC यानी लोनी अर्बन मल्टी क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने उत्तराखंड में 2019 से संचालन शुरू किया था। कंपनी ने कम समय में अधिक मुनाफे का लालच दिखाकर लोगों से करोड़ों रुपए जमा करवाए। इसके लिए 35 से अधिक शाखाएं खोली गई थीं और कई एजेंटों को काम पर लगाया गया था। कंपनी ने निवेशकों से विदेश में सोना, तेल, रिफाइनरी समेत अन्य क्षेत्रों में निवेश का दावा कर मोटा लाभ देने का वादा किया। लेकिन अचानक कार्यालय बंद हो गए और निवेशकों के पैसे अटक गए। इससे परेशान होकर लोग पुलिस के पास पहुंचे, जिससे मामला हाईकोर्ट तक गया और सीबीआई जांच का आदेश हुआ।

अनन्या पांडे के साथ जयपुर में लॉन्च किया 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक

कार्तिक आर्यन ने अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में अपनी लीडिंग लेडी अनन्या पांडे के साथ फिल्म का धमाकेदार टाइटल ट्रैक जयपुर में लॉन्च किया, जहां उनका बेमिसाल स्वैग, उनकी ज़बरदस्त बॉडी, आकर्षक टैटूज़ और हैवी हुक स्टेप्स वाले फुटवर्क ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। फिलहाल फैन्स पहले ही इस गाने को लेकर दीवाने हो चुके हैं क्योंकि गाने की सबसे बड़ी खूबी है कार्तिक और अनन्या की खूबसूरती से भरपूर, मॉडर्न और यूथफुल केमिस्ट्री। इसके अलावा कार्तिक का चुलबुला अंदाज़, सिंक्रोनाइज़्ड डांस, फ्लर्टिंग और एनर्जी उनकी ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग को बेहद ऑर्गेनिक और रियल बनाते हैं। टाइटल ट्रैक में उनकी कैमिस्ट्री उनकी अब तक की सबसे दिलचस्प जोड़ियों में से एक है, जो कम्फर्ट और स्पार्क का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इस गीत में रेमो डिसूज़ा की हाई-वोल्टेज कोरियोग्राफी के साथ उनके सिग्नेचर स्टाइल ने इस गाने को और भी धमाकेदार बना दिया है। शार्प फुटवर्क के साथ फ्लुइड स्लाइड्स, क्राउड-फ्रेंडली हुक स्टेप्स और रिदम-बेस्ड पैटर्न्स कार्तिक की ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेज़ेंस और उनके बेस्ट डांस मूव्स को खूबसूरती से उभारते हैं। अगर ये कहें तो गलत नहीं होगा कि कार्तिक और अनन्या की इंटरैक्टिव, प्लेफुल पार्टनर कोरियोग्राफी इस ट्रैक की खास यूएसपी है। गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन के लिए जयपुर हमेशा भावनाओं और यादों से जुड़ा शहर रहा है, या यूँ कहें कि जयपुर हमेशा से उनके दिल के सबसे करीब रहा है और इसकी वजह है उनकी सुपरहिट फिल्मों का जयपुर से कनेक्शन।

गौरतलब है कि कार्तिक की सुपरहिट फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग जयपुर में हुई थी, फिर 'भूल भुलैया 3' का भव्य ट्रेलर लॉन्च जयपुर के राज मंदिर में हुआ था. यहीं उन्हें पहला बेस्ट एक्टर के लिए आइफा अवॉर्ड मिला था। अब जब उनकी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक का भी इसी शहर में लॉन्च हुआ है, तो यह उनके फिल्मी यात्रा के एक और अहम पड़ाव में शामिल हो गए हैं।

यही वजह है कि इस शहर के साथ आज का दिन भी उनके लिए काफी भावनात्मक हो गया है। हालांकि कार्तिक आर्यन के फ़िल्मी सफर के अलावा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में भी जयपुर की बहुत बड़ी भूमिका है क्योंकि क्रोएशिया के अलावा, फिल्म का एक बड़ा हिस्सा जयपुर और नवलगढ़ में शूट किया गया है।

ओपनिंग डे पर छाई 'तेरे इश्क में'

● 'गुस्ताख इश्क' ने की धीमी शुरुआत; जानें 'जूटोपिया 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

शुक्रवार को सिनेमाघरों में बॉलीवुड फिल्मों के साथ हॉलीवुड फिल्म ने भी दस्तक दी है। आइए जानते हैं इन फिल्मों का ओपनिंग डे कलेक्शन कैसा रहा? शुक्रवार को सिनेमाघरों में 'तेरे इश्क में', 'गुस्ताख इश्क' और 'जूटोपिया 2' जैसी फिल्में रिलीज हुईं। ओपनिंग पर कुछ फिल्मों ने अच्छा किया तो कुछ फिल्में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं। आइए जानते हैं इन फिल्मों के अलावा दूसरी फिल्मों ने शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है?

धनुष और कृति सेनन की अदाकारी वाली फिल्म 'तेरे इश्क में' का दर्शकों को काफी इंतजार था। अब यह इंतजार खत्म हुआ। 28 नवंबर को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। पहले दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की। ओपनिंग डे पर इसने 16.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 85 करोड़ रुपये है। इस लिहाज से इसकी पहले दिन की कमाई काफी अच्छी है।

अमेरिकी बिजनेसमैन को बनाया हमसफर

अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती ने बॉयफ्रेंड संग की शादी

बंगाली एक्ट्रेस तनुश्री ने अपने बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन सुजीत बसु के साथ सात फेरे ले लिए हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। बंगाली अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती ने आखिरकार अपने बॉयफ्रेंड और अमेरिकी बिजनेसमैन सुजीत बसु के साथ सात फेरे ले लिए हैं। यह शादी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। लास वेगास के खूबसूरत रेड रॉक कैन्यन में दोनों ने शादी की है। इस खास दिन की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने साझा की हैं।

अमेरिका में छुट्टियां बिता रही थीं एक्ट्रेस

लंबे समय से अमेरिका में छुट्टियां बिताती नजर आ रहीं तनुश्री दरअसल अपने जीवन के इस नए अध्याय की तैयारी में थीं, जिसे उन्होंने अब खूबसूरती से दुनिया के सामने साझा किया है। दोनों की मुलाकात करीब दो साल पहले कोलकाता में एक दोस्त के जरिए हुई थी। तनुश्री अपने रिश्ते को लेकर बताती हैं कि अपने वर्कआउट सेशन के तुरंत बाद अनौपचारिक लुक में उनसे मिली थीं, लेकिन बावजूद इसके वह पहली ही मुलाकात में एक जुड़ाव महसूस कर बैठी थीं।

दोनों की पहली मुलाकात के बाद प्यार

दूसरी तरफ सुजीत भी उसी पल दिल हार बैठे थे। पहले दोस्ती और फिर दूरी के चलते वर्चुअल बातचीत- इन सबके बीच उनका रिश्ता धीरे-धीरे प्रेम में बदल गया। जब तनुश्री अमेरिका छुट्टियों पर गईं, तो उनके साथ बिताए गए पलों ने रिश्ते को और मजबूत कर दिया। लंबी ड्राइव्स, लंबी बातचीत और एक-दूसरे की मौजूदगी ने दोनों को यह एहसास करा दिया कि वह अपना जीवन साथ बिताना चाहते हैं।

केबीसी पर कीकू शारदा ने बिग बी से पूछा सवाल -

अमिताभ की शाहरुख से है लड़ाई

केबीसी के नए एपिसोड में क्विज से ज्यादा कॉमेडी होने वाली है। क्योंकि शो में दो कॉमेडियन कीकू शारदा और सुदेश लहरी आएंगे। हालांकि, इस दौरान कीकू शारदा ने शाहरुख और बिग बी में कंपटीशन को लेकर सवाल कर दिया।

अमिताभ बच्चन की होस्टिंग वाले 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन में कई एपिसोड में अलग-अलग सेलेब्स नजर आए हैं। अब शो के नए एपिसोड में एक्टर-कॉमेडियन कीकू शारदा और सुदेश लहरी मेहमान के रूप में नजर आए। दोनों ने इस दौरान बिग बी के साथ मिलकर काफी मस्ती भी की। शो के टेलीकास्ट होने से पहले प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें दोनों कॉमेडियन बिग बी के साथ मजे करते दिख रहे हैं।

कीकू शारदा ने लिए मजे

शो के लेटेस्ट प्रोमो में कीकू शारदा फैंस के पसंदीदा किरदार बच्चा यादव के रूप में नजर आते हैं। वह अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के बीच एक नकली प्रतिद्वंद्विता की जांच करने का फैसला करते हैं। कीकू सीधे कहते हैं, 'सर, मैंने सुना है कि शाहरुख खान के साथ आपकी बनती नहीं है। आपने तो उन्हें 'कभी खुशी कभी गम' में घर से बाहर भी निकाल दिया था। 'मोहब्बतें' में गुरुकुल से और यहां तक कि फिल्म 'पीकू' से भी निकाल दिया गया था।' इस पर अमिताभ बच्चन मुस्कुराते हुए कहते हैं कि लेकिन शाहरुख तो 'पीकू' में थे ही नहीं। तब कीकू पंचलाइन मारते हुए कहते हैं कि सर, अगर आपने उन्हें निकाल दिया है, तो वो फिल्म में कैसे होंगे?

सुदेश लहरी ने की बिग बी से अपनी तुलना

शो में सुदेश लहरी ने भी मस्ती की। उन्होंने बताया कि कैसे वह अमिताभ बच्चन से प्रेरित हैं और उनकी कुछ आदतों को अपनाने की कोशिश करते हैं। सुदेश लहरी ने कहा कि जैसे बिग बी हर रविवार को अपनी गैलरी में खड़े होकर प्रशंसकों को हाथ हिलाते हैं, वैसे ही वह भी ऐसा ही करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि असल में वहां कोई भी हाथ हिलाने वाला नहीं होता। एक और प्रोमो क्लिप में सुदेश लहरी एक फनी परफॉर्मेंस देते हैं। वो दिखाते हैं कि एक गजल गायक पंजाबी भीड़ के सामने परफॉर्म करते हुए किस तरह का व्यवहार करता है।

एली अवराम ने बतायी 'हुमा डोल' के पीछे अपने सपनों की कहानी, बोलीं-

'प्रिंसेस की तरह कर रही थी महसूस'

बॉलीवुड और इंटरनेशनल म्यूजिक के फैंस के लिए 'हुमा डोल' एक यादगार म्यूजिक वीडियो बन गया है। यह गाना न सिर्फ अपने खूबसूरत संगीत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की कहानी भी किसी सपने की तरह है। अभिनेत्री एली अवराम ने इंटरव्यू में अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे यह प्रोजेक्ट उनके लिए दो बड़े सपनों को सच करने जैसा रहा। एली अवराम ने कहा कि उन्होंने हमेशा चाहा था कि वह मोरक्को के सुपरस्टार गायक साद लमजार्रेड के साथ किसी म्यूजिक वीडियो में काम करें। उनके लिए यह मौका लंबे समय से एक सपना बनकर रहा था। उन्होंने कहा, ''जब मैंने साद लमजार्रेड का एक सुपरहिट अरबी गाना सुना था, तब से ही मन में यही इच्छा थी कि एक दिन उनके साथ काम करेंगी। यह सपना आखिरकार 'हुमा डोल' के जरिए सच हो गया।'' गाने को एक साल पूरा होने पर जब उनसे यादों के बारे में पूछा गया, तो एली ने कहा कि उनके दिमाग में सेट की एनर्जी और उत्साह समेत कई यादें ताजा हो गईं।

उन्होंने कहा, 'मेरे इस अनुभव ने दो सपनों को पूरा किया। पहला सपना तो साद लमजार्रेड के साथ काम करने का था और दूसरा सपना था कि मैं किसी पुराने जमाने की कहानी में एक प्रिंसेस जैसा लुक अपनाकर अभिनय करूं। 'हुमा डोल' ने मेरे इन दोनों सपनों को पूरा किया। मैं शूटिंग के दौरान सच में खुद को एक प्रिंसेस की तरह महसूस कर रही थी। बात करते हुए एली ने कहा, ''जब म्यूजिक वीडियो की टीम ने मुझे कास्ट करने के लिए संपर्क किया, तब एहसास हुआ कि बड़े सपने देखने से कभी डरना नहीं चाहिए। अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वह सच हो सकते हैं। मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि सपने सच में पूरे हो सकते हैं। 'हुमा डोल' गाने को लेकर एली ने बताया कि म्यूजिक वीडियो शूट करना उनके लिए किसी फिल्म बनाने से कम नहीं लगता, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और इमोशन भी देना पड़ता है। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें ऐसे ही शानदार और जादुई म्यूजिक वीडियो करने का मौका मिलेगा।

क्या रोजाना दे सकते हैं चंद्रमा को अर्घ्य?

सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर।

हिन्दू धर्म में अर्घ्य देना पूजा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। मुख्य रूप से सूर्य अर्घ्य को सबसे ज्यादा फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा, चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर। वहीं, कई लोग रोजाना चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सूर्य अर्घ्य की तरह ही रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देना सही है या गलत और क्या है इसके पीछे का तर्क।

रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देने से क्या होगा?

- पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रमा कलंकित हैं क्योंकि उन्हें श्री गणेश का श्राप मिला हुआ है जिसके आधार पर कोई भी व्यक्ति चंद्रमा की पूजा करता है तो उसके घर से सुख-समृद्धि चली जाएगी और कलंक भी लगेगा।
- यूं तो श्राप के अनुसार किसी भी माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन चंद्रमा पूजन की मनाही है लेकिन रोजाना भी शास्त्रों में चंद्रमा की आराधना करना वर्जित माना गया है। अर्घ्य देना भी निषेध है।
- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कुछ प्रमुख तिथियों के अलावा जो पूजा-पाठ सूर्यास्त के बाद किया जाता है वह सात्विक नहीं बल्कि तांत्रिक श्रेणी में आता है। चंद्रमा को अर्घ्य भी रात के समय ही दिया जाता है।
- ऐसे में चंद्रमा को रोजाना रात में अर्घ्य देना पूजा-पाठ में दोष उत्पन्न करेगा और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ेगा। साथ ही, चंद्रमा की स्थिति भी कुंडली में मजबूत होने के बजाय कमजोर होती चली जाएगी।
- चंद्रमा को अर्घ्यन या चंद्रमा की पूजा करवा चौथ या अहोई अष्टमी जैसे व्रतों के दौरान ही शुभ मानी गई है। इसके अलावा, पूर्णिमा तिथि पर भी चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। इस तिथि पर चंद्र अर्घ्य से घर में शुभता आती है।

या है खाटू श्याम का इतिहास

पहले हो गई मृत्यु, फिर बने भगवान

खाटू श्याम जी, जिन्हें हारे का सहारा और तीन बाण धारी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के कलयुग अवतार माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कब और कैसे सृष्टि में शुरू हुई थी खाटू श्याम बाबा की पूजा।

बर्बरीक का जन्म और आरंभ का जीवन

खाटू श्याम जी का मूल नाम बर्बरीक था। वे पांडु पुत्र भीम और नाग कन्या हिडिम्बा के पौत्र थे। उनके पिता का नाम घटोत्कच था, जो अपनी मायावी शक्तियों के लिए जाने जाते थे। बर्बरीक बचपन से ही बहुत शक्तिशाली और वीर थे। उन्होंने अपनी माता मोरवी से युद्ध कला और भगवान शिव से अनेक अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान शिव ने उन्हें तीन ऐसे दिव्य बाण प्रदान किए थे, जिनसे वे तीनों लोकों को जीत सकते थे। इन बाणों की विशेषता यह थी कि वे एक ही बाण से किसी भी लक्ष्य को चिह्नित कर सकते थे, दूसरे बाण से उसे नष्ट कर सकते थे, और तीसरे बाण से उसे वापस अपने पास बुला सकते थे। इसी कारण उन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है।

महाभारत युद्ध में बर्बरीक का प्रवेश

जब महाभारत का युद्ध निश्चित हुआ, तो बर्बरीक को भी अपनी वीरता दिखाने का अवसर मिला। वे अपनी माता मोरवी से आशीर्वाद लेकर युद्ध में शामिल होने के लिए निकल पड़े। उन्होंने अपनी माता को वचन दिया था कि वे युद्ध में हमेशा उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा। युद्धभूमि की ओर जाते हुए, बर्बरीक एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे भगवान श्रीकृष्ण से मिले, जो ब्राह्मण वेश में थे। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की वीरता का परीक्षण करने के लिए उनसे पूछा कि वे किस पक्ष से युद्ध लड़ेंगे। बर्बरीक ने अपनी माता को दिए वचन के अनुसार कहा कि वे उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्तियों को जानते हुए सोचा कि यदि बर्बरीक ने यह वचन निभाया, तो युद्ध का परिणाम बदल सकता है। उन्होंने बर्बरीक से कहा कि यदि वे इतने शक्तिशाली हैं, तो क्या वे एक ही बाण से इस पीपल के पेड़ के सभी पत्तों को भेद सकते हैं? बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने एक बाण से पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया। एक पत्ता श्रीकृष्ण के पैर के नीचे छिपा हुआ था, जिसे भेदने के लिए बाण उनके पैर के पास रुका। यह देखकर श्रीकृष्ण को बर्बरीक की शक्ति और वचनबद्धता पर पूरा विश्वास हो गया।

शीश का दान और वरदान

श्रीकृष्ण ने तब बर्बरीक को अपने वास्तविक रूप में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए किसी महान योद्धा के शीश का दान आवश्यक है। उन्होंने बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। बर्बरीक, जो अपने वचन के पक्के थे, ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना शीश दान करने की सहमति दे दी। उन्होंने एक अंतिम इच्छा व्यक्त की कि वे महाभारत के पूरे युद्ध को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं।श्रीकृष्ण ने उनकी यह इच्छा पूरी की और उनके शीश को एक ऊँचे स्थान पर स्थापित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक ने पूरे युद्ध को देखा। युद्ध समाप्त होने के बाद, पांडवों में यह बहस छिड़ गई कि युद्ध में विजय का श्रेय किसे जाता है। तब श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शीश से पूछा, जिस पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि उन्होंने युद्धभूमि में केवल श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को शत्रुओं का संहार करते हुए देखा और द्रौपदी को शक्ति रूप में देखा। यह सुनकर सभी पांडव चकित रह गए।

श्रीकृष्ण बर्बरीक के इस महान त्याग और भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में वे उनके नाम से पूजे जाएंगे और जो भी भक्त हारे हुए या निराश होंगे, उनका सहारा बनेंगे। श्री कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्त उनके नाम का स्मरण करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। इसके बाद, बर्बरीक का शीश राजस्थान के खाटू गांव में मिला, जहां एक मंदिर का निर्माण किया गया और वे खाटू श्याम जी के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज भी लाखों भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आते हैं और उन्हें हारे का सहारा मानते हैं। उनकी पूजा विशेष रूप से फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को की जाती है, जिसे श्याम बाबा का फाल्गुन मेला कहा जाता है।

खाटू श्याम भगवान को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

पिछले कुछ समय से खाटू श्याम भगवान का नाम चारो तरफ छाया हुआ है। यहां तक की सोशल मीडिया पर भी खाटू श्याम के चमत्कार से जुड़े कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। खाटू श्याम जी का दर्शन करने के लिए न केवल आस-पास के गांवों बल्कि देशभर से लोग आते हैं। बता दें कि खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। पर, इसके पीछे की कहानी क्या है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है।

कौन हैं खाटू श्याम भगवान?

श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का प्राचीन मंदिर बना है, जहां हर रोज लंबी-लंबी कतारों में लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, माना जाता है कि जब पांडव अपनी जान बचाने के लिए वन में गए थे, तो भीम का सामना हिडिंबा से हुआ था। हिडिम्बा के पुत्र का नाम घटोखा रखा और घटोखा के पुत्र का नाम बर्बरीक है, जिन्हें आप आप खाटू श्याम के नाम से जानते हैं।

खाटू श्याम को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

खाटू श्याम भगवान को हारे का सहारा कहा जाता है क्योंकि वो अपनी मां को बोलकर गए थे कि युद्ध में जो भी हारेगा मैं उसके साथ दूंगा। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से कहा था कि एक तीर से पेड़ के सारे पत्ते गिराकर दिखाओ। ऐसा कहकर उन्होंने 1 पत्ता पैर के नीचे दबा लिया। इसके बाद तीर उनके पास आकर घूमने लग गया था। इससे सबको पता चला कि खाटू श्याम कितने शक्तिशाली हैं। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से उनका सिर मांगा था और उसे सबसे ऊपर रखकर युद्ध देखने के लिए कहा था। यही कारण है कि उन्होंने हारे का सहारा कहा जाता है।

गणेश जी ने अपनी ही मां देवी पार्वती को कौन सा वरदान दिया था?

भगवान गणेश जिन्हें विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना जाता है माता पार्वती के अत्यंत प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। उनका जन्म माता पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र का यह संबंध अत्यंत पवित्र और अनोखा है और इसमें ममता और भक्ति का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक भी कटवा दिया था जिसके बाद उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया और सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजनीय होने का वरदान मिला। ऐसा कहा जाता है कि माता पार्वती ने श्री गणेश को एक मां के तौर पर सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान की और श्री गणेश ने भी एक पुत्र के तौर पर उन सभी शिक्षाओं को ग्रहण किया, लेकिन एक घटना ऐसी भी है जब श्री गणेश ने अपनी मां माता पार्वती को एक वरदान दिया था।

श्री गणेश ने माता पार्वती को क्या वरदान दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान गणेश ने अपनी माता देवी पार्वती को एक बहुत ही विशेष और महत्वपूर्ण वरदान दिया था। यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है जिसे माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। जब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक विशेष व्रत और पूजा की थी जिसे आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, तब गणेश जी अपनी मां की भक्ति और प्रेम से अत्यंत प्रसन्न हुए थे। प्रसन्न होकर भगवान गणेश ने अपनी माता पार्वती को एक अत्यंत दिव्य वरदान दिया।

वरदान अनुसार, संसार की जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन पूरी श्रद्धा और सच्चे मन से करेगी उसे श्री गणेश के भांति ही आज्ञाकारी, स्नेही, दीर्घायु और यशस्वी संतान की प्राप्ति होगी। साथ ही, माताओं पर हमेशा देवी पार्वती की असीम कृपा भी बनी रहेगी। इस वरदान के माध्यम से गणेश जी ने अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीष दिया। यह वरदान न केवल संतान की प्राप्ति के लिए था बल्कि संतान के जीवन के सभी संकटों को हरने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नहर्ता हैं।

इसलिए, आज भी संकष्टी चतुर्थी के दिन माताएं श्री गणेश का व्रत करती हैं ताकि उन्हें और उनकी संतान को गणेश जी जैसा सुख, सौभाग्य और सभी प्रकार के विघ्नों से मुक्ति प्राप्त हो सके। यह वरदान माता पार्वती को पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला प्राप्त हुआ था।

सुख-समृद्धि के लिए घर की रसोई में जरूर करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है। ऐसे में अगर घर की रसोई से जुड़े कुछ उपाय किये जाएं तो घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर हो जाती है। इसके अलावा, और भी कई लाभ मिलते हैं।

घर की रसोई में करें मां अन्नपूर्णा की स्थापना

घर की रसोई में अनाज रखा जाता है और अनाज को सबसे ज्यादा पवित्र माना गया है। ऐसे में अनाज रखने की जगह पर मां अन्नपूर्णा की फोटो या प्रतिमा स्थापित करने से घर की बरकत हमेशा बनी रहती है और घर की उन्नति होती है।

रसोई को रोजाना धोएं

घर की रसोई को रोजाना पानी से धोना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर की रसोई की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है और घर की नकारात्मकता नष्ट होती है। सकारात्मकता संचारित होती है।

घर की रसोई की देहलीज रोजाना पूजे

घर की रसोई की दहलीज की रोजाना सुबह और शाम पूजा करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रसोई की दहलीज में नवग्रहों का वास माना गया है। ऐसे में दहलीज की पूजा करने से नव ग्रह शांत होते हैं और अपनी कृपा घर पर बरसाते हैं।

घर की रसोई में रोजाना कपूर जलाएं

घर की रसोई में रोजाना संध्याकाल के समय कपूर अवश्य जलाना चाहिए। कपूर जलाकर उसका धुआं घर की रसोई में करने से घर का वातावरण पवित्र होता है और अगर रसोई से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो वह भी जल्दी ही दूर हों लग जाता है।

शीतकालीन सत्र : नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाई गई शपथ

-प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने दिलाई शपथ

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा में आज से शीतकालीन सत्र की शुरूआत हो गई है। पहले दिन सदन में नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने दिलाई।

सोमवार की सुबह सत्र शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर की उपस्थिति में शपथ की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी ने शपथ लेकर सदन में अपने कार्यकाल की औपचारिक शुरूआत की।

शपथ ग्रहण के दौरान सदन में माहौल पूरी तरह अनुशासित पर राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम रहा। सत्ता पक्ष के नेता जहां एक-एक कर उपमुख्यमंत्रियों को बधाई देते नजर आए, वहीं विपक्ष के नेता भी इस प्रक्रिया में पीछे नहीं रहे। यह दृश्य पिछले कई वर्षों में कम ही देखने को मिला है, जब सत्ता और विपक्ष एक ही मंच पर इतनी सहजता और सम्मान के साथ एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते दिखे।

सबसे अधिक चर्चा में रहा वह क्षण, जब उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से गले मिलकर बधाई स्वीकार की।

सदन में मौजूद विधायक और मीडिया के कैमरे इस पल को कैद करने में व्यस्त हुए। यह दृश्य बिहार की राजनीति में एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जहां तीखी बयानबाजी के बीच भी आपसी सम्मान की परंपरा जिंदा है।

दूसरी ओर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी तेजस्वी यादव से हाथ मिलाकर शुभकामनाएं स्वीकार कीं। दोनों नेताओं के बीच यह औपचारिक अभिवादन भी सदन में चर्चा का विषय बना रहा।

शपथ ग्रहण के बाद दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं प्राप्त कीं। इसी दौरान कई वरिष्ठ नेताओं ने भी दोनों को शासन संचालन और आगामी सत्र की चुनौतियों को लेकर सुझाव और शुभकामनाएं दीं।

राघोपुर से एक बार फिर विधायक चुने जाने के बाद तेजस्वी यादव ने भी विधानसभा में शपथ ग्रहण किया। तेजस्वी यादव विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष होंगे।

सत्र के दूसरे दिन यानी 02 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष और सदन के नेता का चुनाव होगा। अध्यक्ष पद के लिए आज ही नामांकन भर दिया गया है। पांच दिन का यह छोटा शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान राज्यपाल दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे और सरकार द्वितीय अनुपूरक बजट भी पेश करेगी।

उल्लेखनीय है कि साल 2020 के विधानसभा चुनाव में चुने गए आधे से ज्यादा विधायक इस बार हार गए है। सिर्फ 111 पुराने विधायक ही दोबारा जीतकर सदन में पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में नए और युवा चेहरों ने भी विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रसिद्ध मैथिली गायिका मैथिली ठाकुर सहित कई युवा पहली बार विधायक बने हैं। सबसे ज्यादा बार जीतने का रिकॉर्ड हरिनारायण सिंह ने बनाया है, जो 10वीं बार विधायक चुने गए। बिजेंद्र प्रसाद यादव और प्रेम कुमार नौवीं बार सदन में पहुंचे हैं।

इस बार के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जीत हासिल की है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसके 89 विधायक चुने गए हैं। जदयू के 85, लोजपा (रामविलास) के 19, हम के 5 तथा रालोमो के 4 विधायक हैं, यानी राजग के कुल 202 विधायक हैं।

इस बार के चुनाव में महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वाम दलों के 3 विधायक ही जीत सके हैं। एआईएमआईएम के 5 और बसपा का 1 विधायक मिलाकर भी विपक्ष के कुल विधायकों की स्ख्या सिर्फ 41 ही हैं।

- सबसे पहले दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी ने शपथ लेकर सदन में अपने कार्यकाल की औपचारिक शुरूआत की
- शपथ ग्रहण के दौरान सदन में माहौल पूरी तरह अनुशासित पर राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम रहा
- सत्ता और विपक्ष एक ही मंच पर इतनी सहजता और सम्मान के साथ एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते दिख

बिहार विधानसभा की 18वीं विधानसभा का पहला सत्र

बिहार विधानसभा की 18वीं विधानसभा का पहला सत्र आज था । सुबह 11 बजे से शुरू हुई कार्यवाही में सबसे पहले सभी 243 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई गई। मधेपुरा के आलमगंज से आठवीं बार विधायक चुने गए वरिष्ठ जदयू नेता नरेंद्र नारायण यादव को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सबसे पहले उन्हें शपथ दिलाई, उसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने सभी नए विधायकों को संविधान की शपथ दिलाई । इससे पहले विधानसभा में सचिव ने राज्यपाल के आदेश को पढ़ा। उसके बाद शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई।

मैथिली ठाकुर सहित अन्य विधायकों ने ली मैथिली में शपथ

जदयू विधायक रत्नेश सादा ने संस्कृत में और एआईएमआईएम विधायकों ने ली ऊर्दू में शपथ

एजेंसी

पटना : बिहार विधानमंडल के 18 वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। सुबह 11 बजे से शुरू हुई कार्यवाही में सबसे पहले सभी 243 नवनिर्वाचित विधायक शपथ दिलाई गई, जिसमें से 06 विधायक किसी कारणवश शपथ नहीं ले सकें। मधेपुरा के आलमगंज से आठवीं बार विधायक चुने गए वरिष्ठ जदयू नेता नरेंद्र नारायण यादव ने सभी निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई ।

मंत्री अरुण शंकर, पूर्व मंत्री विनोद नारायण झा, बिस्फी से जीते आरिफ अनवर, मैथिली ठाकुर सहित मिथिलांचल से जीते अधिकांश विधायकों ने मैथिली भाषा में शपथ ली। एआईएमआईएम के विधायकों उर्दू में शपथ ली। रत्नेश सदा ने संस्कृत में शपथ ली। वहीं लोजपा-आर के विष्णुदेव पासवान ने अंग्रेजी में शपथ ली।

शपथ लेने से पहले नवनिर्वाचित भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा, "मेरा एक नया जीवन शुरू होगा। आज शपथ ग्रहण के बाद मैं विधायक बन जाऊंगी। मेरे लिए आज बहुत बड़ा दिन है। बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा, "हमें विपक्ष का सकारात्मक सहयोग चाहिए। जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है और अब हम सबको बिहार के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। बिहार सरकार में मंत्री जदयू विधायक विजय कुमार चौधरी ने कहा, जनता में उन्हें प्रचंड बहुमत के साथ भेजा है। वह जनता की समस्याओं को लेकर बात करते हैं और उनके लिए काम करते हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नवनिर्वाचित विधायक विष्णु देव पासवान ने 18वीं बिहार विधानसभा के पहले सत्र से पहले अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। शपथ लेने से पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ह्लहमारे लिए यह बहुत नया अनुभव है, जिसमें हम युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। मैं अपने क्षेत्र और पूरे बिहार में रोजगार और शिक्षा पर विशेष काम करूंगा ताकि युवाओं को बेहतर अवसर यहीं मिलें और उन्हें पलायन न करना पड़े।

आपरेटर की मनमानी से पानी की आपूर्ति छह माह से बंद

एजेंसी

भागलपुर : जिले के सन्हौला प्रखंड स्थित सिलहन खजुरिया पंचायत में विकास के सरकारी दावे फेल नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट हर घर नल का जल योजना बेलडीहा गांव के वार्ड नंबर 11 में पिछले छह महीनों से पूरी तरह ठप पड़ा है।

पानी सप्लाई बंद होने के कारण ग्रामीणों को मजबूरी में हर महीने 100झ्र150 रुपये निजी बोरिंग वाले को देने पड़ रहे हैं, तभी उन्हें पानी मिल पाता है। बेलडीहा गांव की महिला दुखनी खातून, अफसाना खातून, छोटी देवी, राधा देवी ने बताया कि टंकी से पानी सप्लाई बंद होने से 50 से 60 घरों में पानी की भारी किल्लत है, पानी सप्लाई करने वाले आपरेटर पर महिलाओं ने आरोप लगाया कि आपरेटर अपनी मनमानी करता है। जब उसको पानी की जरूरत होती है तो वह। मोटर चला कर अपना काम कर लेते हैं लेकिन हमलोगों के इधर पानी सप्लाई नहीं करता है। जब बोलते हैं कि हमलोगों के इधर पानी सप्लाई क्यों नहीं कर रहे तो कहता है कि मोटर खराब है।

सांसद के प्रयास से 13.34 करोड़ की राशि से बनेगा रेलवे अंडरपास

एजेंसी

भागलपुर : भागलपुर शहर के भीखनपुर गुमटी संख्या-1 और 2 पर लंबे समय से लंबित अंडरपास निर्माण का रास्ता अब साफ हो गया है। सांसद अजय कुमार मंडल के लगातार प्रयास और रेलवे अधिकारियों के साथ उनकी पहल के बाद मालदा डिवीजन ने इन स्थानों पर अंडरपास के निर्माण को मंजूरी प्रदान कर दी है।

इसके लिए 13.34 करोड़ रुपये की नई योजना प्रस्तावित की गई है, जिसे प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि, रेलवे के अनुसार गुमटी संख्या-1 पर पहले 2.52.5 मीटर का पैदल अंडरपास बनाया जा रहा था। लेकिन सांसद मंडल द्वारा उठाए गए मुद्दे और 12 नवंबर को हुए संयुक्त निरीक्षण के बाद इसका आकार बढ़ाकर 64.2 मीटर कर दिया गया है। वहीं गुमटी संख्या-2 पर 43.5 मीटर का जल एच एस डायवर्जन रोड बनाया जाएगा।

रेलवे ने इसकी जानकारी देते हुए पत्र जारी किया है। उसमें कहा गया है कि यह इलाका मूल रूप से अनधिकृत रास्ता था, परंतु जनसुविधा और आवागमन की समस्या को समझते हुए सांसद के आग्रह पर इसे आरडीएसओ मानकों के अनुरूप पुनः डिजाइन किया गया है। सांसद अजय मंडल ने कहा कि जनता की सुविधा और सुरक्षा को लेकर यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है और जल्द ही इसका निर्माण शुरू होगा।

बीपार्ड और आईआरएफसी मिलकर बिहार के युवाओं को रोजगार-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण देंगे

एजेंसी

पटना : बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बीपार्ड) और भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण साझेदारी की शुरूआत की।

पुराना सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत आईआरएफसी अपने सीएसआर फंड के माध्यम से 10 करोड़ रुपये प्रदान करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य बिहार के वंचित वर्ग के युवाओं को रोजगार-उन्मुख एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इस पहल के अंतर्गत युवाओं को सैप ईआरपी, सीसीएनए नेटवर्किंग जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कोर्सों के साथ-साथ विदेशी भाषा एवं संचार कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

बीपार्ड स्किल पार्क ने अपनी स्थापना छह उद्योग-आधारित कोर्सों के साथ की थी। जिसमें एसएपी सर्टिफिकेशन, सीसीएनए नेटवर्किंग, जेरियाट्रिक केयरगिवर, फैशन डिजाइन, कमीस (शेफ), और बेकिंग टेक्नीशियन। 14 अप्रैल 2025 को इन कार्यक्रमों की शुरूआत के बाद से ही स्किल पार्क ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बीते 01 मई को स्किल पार्क के अकादमिक भवन का उद्घाटन हुआ तथा इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय स्किल मीट का आयोजन किया गया, जिसमें निति आयोग के सीईओ बी वी आर सुब्रह्मण्यम सहित देशभर के उद्योग विशेषज्ञों ने सहभागिता की। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से भी संवाद किया। अब तक 585 उम्मीदवार नामांकित हुए हैं, जिनमें से 515 ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 98 युवाओं को रोजगार मिल चुका है। बिहार का यह प्रथम और अत्याधुनिक बीपार्ड स्किल पार्क टेक्नोलॉजी-सक्षम क्लासरूम, लाइसेंस प्राप्त एसएपी सर्वर, विशेष प्रयोगशालाएं, विदेशी भाषा प्रशिक्षण जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

बीपार्ड सभी प्रशिक्षुओं को आवास, भोजन, यूनिफॉर्म और प्रशिक्षण किट निःशुल्क उपलब्ध कराता है। साथ ही प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए वैश्विक सर्टिफिकेशन, एआई एवं डेटा एनालिटिक्स मॉड्यूल, तथा कम-से-कम तीन रोजगार अवसर सुनिश्चित करने की व्यवस्था है। आईआरएफसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह साझेदारी बिहार में भविष्य की आवश्यकता के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो राज्य की 2047 तक वैश्विक प्रतिस्पर्धी टैलेंट पूल बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

सहरसा की धरती पर पहली बार मिला डार्लिंग प्रजाति का विदेशी पक्षी

एजेंसी

सहरसा : पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वन प्रमंडल द्वारा कोशी नदी तटबंध के भीतर एवं अन्य जल अभयारण्य क्षेत्र में एशियाई शीतकालीन जल पक्षी गणना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन विभाग की टीम ने कोसी नदी के नवहट्टा से एकाम गांव तक फैले जलाशयों में पक्षियों की गिनती की।इस दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर विशेषज्ञों और वनकर्मियों ने संयुक्त रूप से सर्वे किया।

सर्वे में करीब 170 प्रजातियों के छह सौ से अधिक जल पक्षियों की मौजूदगी दर्ज की गई। इनमें कई प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं।जो हर साल सर्दियों में इस क्षेत्र में आते हैं।वन विभाग के अनुसार यह कार्यक्रम पूरे दस दिनों तक चलेगा। विभाग का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से पक्षियों के संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा मिलता है।इसी क्रम में सहरसा जिले के बेरोजगार युवाओं को नेचर गाइड और बर्ड गाइड के रूप में तैयार करने के लिए कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। इच्छुक युवा वन प्रमंडल कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।वन प्रमंडल पदाधिकारी ।

भरत चिन्तपल्ली ने बताया कि पक्षी संरक्षण के लिए पक्षियों का डॉक्यूमेंटेशन किया जा रहा है जो सहरसा वन प्रमंडल के लिए

बहुत बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि अभी तक 170 प्रजातियों का डाक्यूमेंट्री किया गया है। इसके साथ ही समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत स्कूल कॉलेज स्तर पर क्विज प्रतियोगिता सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान में वन प्रमंडल द्वारा पक्षी गणना सर्वे किया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस सर्वेक्षण में कोसी नदी के 34 किलोमीटर क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है।कोसी की धरती पर पहली बार विदेशी पक्षी मेहमानों का आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां प्रवासी व स्थानीय पक्षी प्रवास करते हैं। इसका कारण का पता लगाया जा रहा है कि आखिर वहां क्यों रहते हैं और क्या खा रहे हैं। इस संबंध मे गहन सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोसी की धरती पर पहली बार डार्लिंग प्रजाति का पक्षी मिला है जो आर्थिक सर्कल से कोसी में आ रहे हैं। पक्षी संरक्षण बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि सहरसा में पक्षियों के डॉक्यूमेंटशन में बेरोजगार छात्र-छात्राओं को सर्वे में शामिल करना है।इसके लिए जो इच्छुक अभ्यर्थी है वह वन प्रमंडल में आवेदन दे सकते हैं।वन विभाग उनसे संपर्क स्थापित कर विशेष प्रशिक्षण के पश्चात सर्वें में नियुक्त की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

हर्ष फायरिंग में एक की मौत

डेहरी ओनसोन : रोहतास जिला के शिवसागर थाना क्षेत्र के थनुआ ग्राम में एक शादी समारोह मे हर्ष फायरिंग के दौरान बीते रात एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसाए मृतक नंदन कुमार सिंह 25 वर्ष बक्सर जिला के ईटाढी थाना क्षेत्र के ईटाढी गांव निवासी स्व विजय बहादुर सिंह के पुत्र थे। इस मामले में पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सासाराम एक के एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि घटना रविवार की रात्रि एक बजे घटी है। सूचना मिलने के बाद शिवसागर थानाध्यक्ष रितेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच इस मामले में शामिल तीन लोगों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रहे है। एसपी रौशन कुमार एवं सदर डीएसपी एक दिलीप कुमार भी घटना स्थल पर पहुंच मामले की जानकारी ली है। वही एक पिस्टल भी पुलिस ने बरामद किया है।

रालोमो ने पार्टी की प्रदेश इकाई, सभी जिला इकाइयों और प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से किया भंग

पटना : बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों में से एक राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) नें रविवार को बड़े संगठनात्मक बदलाव करते हुए पार्टी की प्रदेश इकाई, सभी जिला इकाइयों और प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में यहां हुई कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। उपेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मधुबनी से विधायक माधव आनंद सहित आलोक सिंह, रामपुकार सिन्हा, जंगबहादुर सिंह, अंगद कुशवाहा और स्मृति कुमुद सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। संगठन में नई ऊर्जा और नई संरचना को आकार देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फिलहाल संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया है। समिति की जिम्मेदारी पार्टी के सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों के संचालन से लेकर अंतरिम संगठनात्मक प्रबंधन तक रहेगी। उन्होंने कहा कि समिति का संयोजक मदन चौधरी को बनाया गया है। सुभाष चंद्रवंशी, प्रशांत पंकज, हिमांशु पटेल और आरके सिन्हा को सदस्य नामित किया गया है। संचालन समिति नई संगठनात्मक संरचना के गठन तक पार्टी की कमान संभालेगी और प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक नई टीम के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी।

176 लीटर कोडीन युक्त कफ सिरप के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार, एक मारुति कार जब्त

अररिया : अररिया आरएस और नगर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 176 लीटर कोडीन युक्त कफ सिरप के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया। वाहन चेकिंग के क्रम में पुलिस ने कार से कोडीन युक्त कफ सिरप का बड़ा खेप पकड़ा ।जानकारी रविवार शाम को एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने दी। एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने बताया कि आरएस थाना पुलिस की ओर से हरिया नहर चौक पर वाहनों को जांच की जा रही थी ।इसी क्रम में मुड़बल्ला की ओर से एक चार पहिया वाहन तेजी से आ रहा था,जो पुलिस की जांच को देखकर तेजी से गाड़ी को मोड़ते हुए भागने की कोशिश की ।जिसे पुलिस ने खदेड़कर पकड़ा ।पुलिस ने कार में सवार तीन लोगों को पकड़ा ।जबकि एक मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

बनियापुर हत्याकांड में थाना अध्यक्ष निलंबित

सारण : कर्तव्य में लापरवाही और आम जनता के साथ अनुचित व्यवहार के गंभीर आरोप में बनियापुर के थानाध्यक्ष, पुलिस अवर निरीक्षक दिनेश कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष द्वारा की गई है। मामला बनियापुर थानान्तर्गत परसा टोला से जुड़ा है जहाँ दिनांक 24.11.2025 की रात्रि में मारपीट की घटना हुई थी। पीड़ित पक्ष ने थानाध्यक्ष पर आरोप लगाया था कि उन्होंने घटना पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई नहीं की और उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मारिया पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कुमार आशीष ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 के नेतृत्व में मामले की विस्तृत जांच करने के आदेश दिए दिए थे ने। जाँचोपरान्त थानाध्यक्ष बनियापुर के विरुद्ध पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए उपरोक्त आरोपों की पुष्टि हुई। जांच प्रतिवेदन में इंगित तथ्यों के आधार पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने पु. अ. नि. दिनेश कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के साथ ही, उन्हें लाईन हाजिर किया गया है।

साइबर फ्रॉड के मामले में चार गिरफ्तार

कटिहार : जिले के रौतारा थाना क्षेत्र में साइबर फ्रॉड के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से चोरी के पांच मोबाइल, सात हजार रुपया और एक मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सुमन कुमार यादव पिता जीवन यादव, सूरज कुमार यादव पिता जीवन यादव, करण कुमार पिता राज किशोर चैधरी और रौशन कुमार पिता कृष्ण पंडित शामिल हैं। ये सभी ग्राम चंदवा थाना रौतारा जिला कटिहार के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि ये अभियुक्त फ्रॉड किए हुए पैसा से मोटरसाइकिल खरीदे थे।

सैदाबाद में एसएसबी ने तस्करी के 26.4 लीटर नेपाली शराब किया जब्त

अररिया : एसएसबी 52वीं वाहिनी की बाह्य सीमा चौकी सैदाबाद को विशेष गश्ती टीम ने रविवार को नेपाल से तस्करी कर लाए जा रहे 26.4 लीटर नेपाली शराब को जब्त किया। भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी जवानों के द्वारा की जा रही विशेष गश्ती के दौरान टीम ने देखा कि नेपाल साइड से तस्करी का शराब लाया जा रहा है ।जिसके बाद एसएसबी जवानों ने दौड़ लगाई तो तस्कर शराब को छोड़कर नेपाल की ओर भाग गया ।जिसे एसएसबी जवानों द्वारा शराब को जब्त कर कागजी कार्रवाई करने के बाद अररिया मद्य निषेध विभाग को जब्त शराब सौंप दिया।

परवाहा में आयोजित शिविर में 25 नए युवाओं ने किया रक्तदान, निशु केसरी हुए सम्मानित

अररिया : फारबिसगंज के परवाहा हाट पर एक निजी विद्यालय में लाइफ सेवियर फाउंडेशन एवं एचडीएफसी बैंक के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण मेहता एवं प्रखंड प्रमुख ओमप्रकाश पासवान ने किया। कैंप में कुल 25 नए रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। पिछले 15 महीने में पांच बार रक्तदान करने के लिए परवाहा वार्ड संख्या 09 निवासी युवा निशु केसरी को आयोजकों द्वारा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मौके पर निशु केसरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से जागरूकता बढ़ती है, और समाज में सौहार्दपूर्ण संदेश जाता है। निशु ने युवाओं से अपील किया कि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। मौके पर एचडीएफसी बैंक के रोहित झा, विजन वैली एकेडमी के डायरेक्टर उज्वल चौधरी, प्रिंसिपल तरंग वर्मा, देवजीत रे, प्रसन्न चौधरी, संजय तालुकदार, नवल राही,अवनीश रंजन, गौरव चौधरी, विभाष केसरी, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।